सूर्योदय 5:53 सूर्यास्त 6:55

आज का तापमान

शिमला	16.5 न्यू	23.2 अधि
धर्मशाला	18.8 न्यू	29.0 अधि

बाजार

सेंसेक्स	77,235
निफ्टी	24,155

सोना 1,54,000 चांदी 2,34,000

भारतेन्दु शिखर

हिमाचल, चंडीगढ़, पंजाब, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, दिल्ली, जम्मू व उत्तराखंड में प्रसारित

आरएनआई नं. HPHIN/2000/02437 | शिमला | सोमवार, 24 अगस्त 2026 | 8 भाद्रपद, विक्रमी संवत 2083 | वर्ष 28, अंक 119, कुल पृष्ठ 12 | मूल्य : 5 रुपए | info@bhartendushikhar.com | 8894677702

न्यूज शॉर्ट्स

जापान में 5.9 तीव्रता का भूकंप, 23 लोग घायल

एजेंसी, टोक्यो। जापान में रविवार तड़के भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। राजधानी टोक्यो समेत पूर्वी जापान के कई इलाकों में आए इस भूकंप की प्रारंभिक तीव्रता 5.9 मापी गई है। अधिकारियों के मुताबिक, भूकंप के कारण 23 लोग घायल हुए हैं। हालांकि, इनमें से ज्यादातर को मामूली चोटें आई हैं। भूकंप के बाद सुनामी का कोई खतरा नहीं बताया गया है। जापान मौसम विज्ञान एजेंसी के मुताबिक, भूकंप का केंद्र दक्षिणी इबाराकी प्रांत में था और इसकी गहराई करीब 70 किलोमीटर थी। यह इलाका लगातार भूकंपीय गतिविधियों के लिए जाना जाता है। वहीं, अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण ने भूकंप की प्रारंभिक तीव्रता 5.8 दर्ज की है। भूकंप के झटके टोक्यो क्षेत्र में भी महसूस किए गए।

सरकार ने वादे पूरे किए या नहीं, रिव्यू करेगी सीजेपी

एजेंसी, नई दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी आज यानी सोमवार को अपनी राष्ट्रीय कार्यसमिति की बैठक करने वाली है। इसमें 25 जुलाई को राष्ट्रव्यापी आंदोलन वापस लेने के बाद केंद्र सरकार की ओर से दिए गए आश्वासनों की स्थिति की समीक्षा की जाएगी। सीजेपी ने कहा कि सरकार ने आश्वासन पूरे करने के लिए उठाए जा रहे कदमों की अब तक औपचारिक जानकारी नहीं दी है। पार्टी ने कहा कि वादे पूरे कराने के लिए सभी विकल्पों पर विचार होगा, जिसमें दोबारा शांतिपूर्ण राष्ट्रव्यापी आंदोलन शुरू करना भी शामिल है। 25 जुलाई को केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह, जेपी नड्डा ने सीजेपी के साथ ज्वॉइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस की थी, जिसमें आंदोलन खत्म करने और सीजेपी की मांगें मानने की बात कही थी।

भूलेश्वर में भगवान गणेश की प्रतिमा गिरने से दो की मौत

एजेंसी, मुंबई। दक्षिण मुंबई के भूलेश्वर इलाके में भूलेश्वर के राजा नामक सार्वजनिक गणेशोत्सव मंडल की 22 फुट ऊंची और 2 टन वजनी भगवान गणेश की प्रतिमा अचानक गिर जाने से दो लोगों की मौत हो गई और पांच अन्य घायल हो गए। घायलों में 5 और 7 साल की दो लड़कियां भी शामिल हैं। इस घटना की छानबीन वीपी मार्ग पुलिस स्टेशन की टीम कर रही है। इस घटना की छानबीन कर रहे पुलिस अधिकारी ने रविवार को बताया कि भूलेश्वर इलाके के मशहूर भूलेश्वर के राजा नामक सार्वजनिक गणेशोत्सव की 22 फुट ऊंची और 2 टन वजनी भगवान गणेश की प्रतिमा को बीती रात भक्तगण नाचते गाते मंडल की ओर ले जा रहे थे।

बंगाल में 3400 करोड़ की पांच रक्षा परियोजनाएं शुरू

एजेंसी, कोलकाता। गार्डेनरीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स में युद्धपोत निर्माण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 3400 करोड़ की पांच नई रक्षा परियोजनाओं का भूमिपूजन किया गया। कार्यक्रम में केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी उपस्थित रहे। भूमिपूजन की गई पांच परियोजनाओं में रायचक शिपयार्ड, टिंबर पोंड शिप बिल्डिंग सुविधा, दामोदर शिप बिल्डिंग सुविधा, रेडियल फोर्जिंग संयंत्र और तीन हजार टन क्षमता वाला ओपन डाई फोर्जिंग प्रेस शामिल हैं। रक्षा मंत्री ने कहा कि ये परियोजनाएं भारत के भविष्य के संकल्प को मजबूत करेंगी और 'मेक इन इंडिया' तथा आत्मनिर्भर भारत की भावना को आगे बढ़ाएंगी।

पीएम से मिले स्पेस स्टार्टअप्स के फाउंडर्स ने बताए प्लान, स्काईरूट हर महीने रॉकेट लॉन्च करेगी

भारत की स्पेस में सैटेलाइट री-फ्यूलिंग, दवाइयां बनाने की तैयारी

एजेंसी, नई दिल्ली। भारत का स्पेस सेक्टर अब फिल्मों में दिखने वाली टेक्नोलॉजी सच करने पर काम कर रहा है। अंतरिक्ष में पेट्रोल पंप, कचरा हटाने वाले रोबोट और हवा में तैरती दवाइयां। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के 20 स्पेस स्टार्टअप्स फाउंडर्स से खास बातचीत की।

पीएम ने भरोसा दिलाया कि सरकार उद्यमियों का हाथ कभी नहीं छोड़ेगी। रिस्क लेने वालों को पूरा सपोर्ट मिलेगा। ये बातचीत 21 अगस्त को की गई थी, लेकिन वीडियो आज 23 अगस्त को रिलीज किया गया है। स्काईरूट ने पीएम मोदी को बताया कि 18 जुलाई को भारत के पहले प्राइवेट रॉकेट से सैटेलाइट्स को कामयाबी के साथ ऑर्बिट में स्थापित किया था। कंपनी ने अब तक 3 फैक्टिरयां तैयार कर ली हैं, जिनमें हर महीने एक रॉकेट बनाने की क्षमता है। कंपनी की योजना हर महीने एक रॉकेट लॉन्च करने की है। इसके बाद का लक्ष्य हर हफ्ते एक और भविष्य में हर दिन कई रॉकेट लॉन्च करने का है। भारतीय स्टार्टअप्स ग्लोबल लेवल पर ग्राउंड स्टेशन नेटवर्क तैयार कर रहे हैं और सैटेलाइट इंजनों का एक्सपोर्ट करने के लिए तैयार हैं। यह इंजन सैटेलाइट्स को स्पेस में 5 से 15 सालों तक एक जगह से दूसरी जगह ले जाने में मदद करते हैं। कॉस्ट-इफेक्टिवनेस यानी कम लागत और टैलेंट के दम पर भारतीय कंपनियों को अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है। पिछले एक महीने में ही भारतीय स्टार्टअप्स को 8 नए लॉन्च के कॉन्ट्रैक्ट्स मिले हैं, जिनमें ज्यादातर विदेशी क्लाइंट्स के हैं।

अमेरिका-यूरोप छोड़कर भारत आ रहे इंजीनियर्स

स्पेस सेक्टर को प्राइवेट प्लेयर्स के लिए खोले जाने के बाद एक नया ग्लोबल ट्रेंड दिख रहा है। अमेरिका और यूरोप में काम करने वाले भारतीय इंजीनियर्स अब अपनी नौकरियां छोड़कर भारत लौट रहे हैं और देश के स्पेस स्टार्टअप्स से जुड़ रहे हैं। इस पर पीएम मोदी ने कहा कि भारत को एक ऐसा माहौल बनाना चाहिए कि पूरी दुनिया का टैलेंट स्पेस सेक्टर में करियर बनाने के लिए भारत का रुख करे। भारतीय टैलेंट पूल दुनिया के वैज्ञानिकों को अपनी तरफ खींचने वाले मैग्नेट की तरह काम कर सकता है।

बांग्लादेश में हिंदू परिवार के 4 लोगों की संदिग्ध हालात में मौत

एजेंसी, ढाका। बांग्लादेश में एक हिंदू परिवार के चार सदस्य संदिग्ध हालात में मृत पाए गए। पुलिस ने मामले की व्यापक जांच शुरू कर दी है। ढाका ट्रिब्यून और द डेली स्टार की रिपोर्ट के अनुसार रंगपुर मेट्रोपॉलिटन कोतवाली प्रभारी नजमुल कादर ने इसकी पुष्टि की कि रंगपुर शहर के दासपारा इलाके में शनिवार रात करीब 11:30 बजे बंद घर से रंगपुर जिला स्कूल के पूर्व शिक्षक गणपति चक्रवर्ती (65), उनकी पत्नी प्रीति लता चक्रवर्ती (50), उनकी बेटी आगामी चक्रवर्ती प्रार्थि (23) और उनके बेटे प्रियम चक्रवर्ती (12) के शव संदिग्ध हालात में मिले। पुलिस और स्थानीय लोगों के अनुसार गणपति के घर का दरवाजा पिछले दो दिनों से बंद था। परिवार को बार-बार फोन करने पर भी कोई जवाब न मिलने से रिश्तेदारों को शक हुआ। स्थानीय लोगों ने शनिवार रात करीब 10:45 बजे फायर सर्विस को सूचना दी। इसके बाद उन्होंने दरवाजा तोड़कर घर में प्रवेश किया।

कनाडा के पीएम बोले- अमेरिका और हमारे बीच जंग के हालात

एजेंसी, ओटावा। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने अमेरिका के साथ बढ़ते ट्रेड विवाद को लेकर कहा है कि 'हम जंग में हैं, क्योंकि हम पर हमला हुआ है।' उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ को कनाडा पर हमला बताया।

कार्नी ने कहा कि अमेरिका ने ट्रेड बातचीत के आखिरी दौर में ऐसी शर्तें रखीं, जिन्हें कनाडा स्वीकार नहीं कर सकता, अब कनाडा दूसरे देशों से व्यापार बढ़ाएगा। अमेरिका पर निर्भरता कम करेगा। कनाडा दबाव में ऐसी डील मंजूर नहीं करेगा, जो उसके हितों और संप्रभुता को नुकसान पहुंचाए। अमेरिका ने कनाडा के करीब 20 अरब डॉलर के सामान पर 50% टैरिफ लगाया है। इस पर कनाडा ने भी अमेरिकी सामान पर जवाब टैरिफ लगाने का ऐलान किया है, जो 8 सितंबर से लागू होगा। अमेरिका और कनाडा के बीच 3 दिन तक चली ट्रेड डील की बातचीत नाकाम रही। इसके बाद

◆ट्रंप के टैरिफ को हमला बताया; अमेरिका पर जवाबी टैरिफ लगाने का किया ऐलान

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार आधी रात से कनाडा के 20 अरब डॉलर (करीब 1.9 लाख करोड़ रुपए) के सामान पर 50% टैरिफ लागू कर दिया। यह टैरिफ कनाडा के अमेरिका भेजे जाने वाले कुल सामान का करीब 5% है। अमेरिका व कनाडा के अधिकारियों ने वॉशिंगटन डीसी में तीन दिन की बातचीत की थी, लेकिन व्यापार समझौता फाइनल नहीं हो सका। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने कहा कि अमेरिका जितना टैरिफ लगाएगा, कनाडा भी उतना ही जवाब देगा।

'एक राष्ट्र-एक चुनाव' राजनीतिक नहीं, राष्ट्रहित का विषय: सीएम धामी

एजेंसी, हरिद्वार। हरिद्वार के प्राचीन अवधूत मंडल आश्रम में रविवार को आयोजित संत समागम कार्यक्रम में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि 'एक राष्ट्र-एक चुनाव' राजनीतिक विषय नहीं, बल्कि राष्ट्रहित, सुशासन, जनकल्याण और देश के संसाधनों के बेहतर उपयोग से जुड़ा राष्ट्रीय विषय है।

भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है और चुनाव लोकतंत्र का महत्वपूर्ण पर्व हैं, लेकिन लगातार चलने वाली चुनावी प्रक्रिया का प्रभाव शासन और विकास कार्यों पर भी पड़ता है। उन्होंने कहा कि बार-बार चुनाव होने पर आदर्श आचार संहिता लागू होती है और बड़ी संख्या में प्रशासनिक अधिकारी, शिक्षक, पुलिस एवं सुरक्षा बल चुनाव संबंधी दायित्वों में जुट जाते हैं। ऐसे में यदि एक साथ चुनाव कराने से सार्वजनिक धन और संसाधनों की बचत होती है तथा प्रशासन को जनसेवा एवं विकास कार्यों के लिए अधिक समय मिलता है तो यह लोकतांत्रिक व्यवस्था को और अधिक प्रभावी एवं सुव्यवस्थित बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने 'एक राष्ट्र-एक चुनाव' के विषय को राष्ट्रीय विमर्श के केंद्र में लाते हुए इसे आगे बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की है।

विकसित भारत-2047 के संकल्प को साकार करने के लिए विकास की निरंतर गति आवश्यक है। शासन का अधिकतम समय रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य, आधारभूत ढांचे और जनकल्याण से जुड़े कार्यों में लगाया जाना चाहिए। उन्होंने संत-महात्माओं से इस विषय पर समाज का मार्गदर्शन करने का आग्रह किया।

एनसीपी विधायक रोहित पवार के पीए की बेटी की मौत

एजेंसी, पुणे। पुणे के बारामती में एनसीपी (एससीपी) विधायक रोहित पवार के पर्सनल असिस्टेंट की 12 साल की बेटी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक, बच्ची रोहित पवार के पीए की बेटी थी। उसका शव रविवार सुबह बारामती के साईनगर इलाके में घर के नाले के पास मिला। शनिवार को किसी बात को लेकर बच्ची का अपनी मां से मामूली विवाद हुआ था। इसके बाद वह नाराज होकर घर से बाहर चली गई थी। काफी देर तक बच्ची के घर नहीं लौटने पर परिवार ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। इसके बाद पुलिस ने उसकी तलाश शुरू की। रविवार सुबह घर के पास बच्ची का शव मिलने की सूचना पुलिस को मिली।

सीएम योगी ने रसोइयों को दी सौगात, बढ़ाया मानदेय कैशलेस चिकित्सा कार्ड और बीमा सुविधा का ऐलान

एजेंसी, लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित कार्यक्रम के दौरान मिड-डे मील रसोइयों के हित में बड़ी घोषणा करते हुए उनके मानदेय में वृद्धि की है। अब मिड-डे मील रसोइयों को 2 हजार रुपए के स्थान पर 3 हजार रुपए प्रतिमाह मानदेय मिलेगा। इसके साथ ही रसोइयों को ड्रेस के लिए मिलने वाला भत्ता भी बढ़ाकर दोगुना कर दिया गया है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने रसोइयों को कैसलेस चिकित्सा कार्ड भी वितरित किया।

मुख्यमंत्री ने बताया कि अब रसोइयों को ड्रेस के लिए 500 रुपए की जगह 1000 रुपए का भत्ता दिया जाएगा। इसके अलावा मिड-डे मील रसोइयों को कैशलेस हेल्थ कार्ड की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सरकार की ओर से उन्हें बीमा सुरक्षा का लाभ भी मिलेगा। दुर्घटना की स्थिति में 2 लाख रुपए तक के दुर्घटना बीमा की सुविधा प्रदान की जाएगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सरकार प्रदेश के हर वर्ग के कल्याण के लिए लगातार कार्य कर रही है। शिक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाने के साथ ही विद्यालयों में कार्यरत कर्मचारियों और रसोइयों की सुविधाओं का भी ध्यान रखा जा रहा है। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव पर भी निशाना साधा।

उन्होंने कहा कि पिछली सरकार में प्रदेश के विकास और जनहित के कार्यों के लिए समय नहीं था। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि 'पहले बबुआ 12 बजे सोकर उठते थे, 2 बजे तैयार होते थे, 5 बजे जिम जाते थे और 7 बजे महफिल सजती थी। उनके पास प्रदेश के लिए समय कहां था। आज सरकार के पास प्रदेश के लिए पर्याप्त समय है।'

अमेरिका अपना रवैया सुधारे तभी खुलेगा होर्मुज स्ट्रेट : ईरान

एजेंसी, वॉशिंगटन। ईरान ने कहा है कि होर्मुज स्ट्रेट तभी खोला जाएगा, जब अमेरिका अपना रवैया सुधारेगा और किए गए वादे पूरे करेगा। ईरान की सुप्रीम नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल के चीफ मोहसिन रेजाई ने आरोप लगाया कि अमेरिका ने बातचीत में धोखा दिया है। रेजाई ने कहा कि अमेरिका पहले अपनी जिम्मेदारियां पूरी करे, उसके बाद ही होर्मुज खोलने पर बात होगी।

उन्होंने कहा कि ईरान अमेरिकी आर्थिक दबाव के आगे नहीं झुकेगा। इसी बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फिर एक तस्वीर शेयर की, जिसमें होर्मुज स्ट्रेट को 'न्यू यूएस टेरिटरी' यानी नया

◆रेजाई बोले- ट्रंप के हमले से परमाणु हथियारों की होड़ बढ़ सकती है

अमेरिकी इलाका बताया है। ट्रंप इससे पहले 18 अगस्त को भी होर्मुज को अमेरिकी क्षेत्र घोषित करने की बात कह चुके हैं।

ईरान ने ट्रंप के इस दावे को खारिज किया है। रेजाई ने कहा कि ट्रंप के ईरान पर हमले से दुनिया में परमाणु हथियारों को लेकर डर और बढ़ गया है। उनका कहना है कि अब दूसरे देशों को भी लग सकता है कि बिना परमाणु हथियार के वे सुरक्षित नहीं हैं। रेजाई ने कहा कि ईरान परमाणु अप्रसार संधि का सदस्य है और अंतरराष्ट्रीय नियमों के मुताबिक अपने परमाणु कार्यक्रम की जांच भी कराता रहा है। इसके बावजूद अमेरिका ने उस पर हमला किया।

सीएम सैनी ने नांगल चौधरी लॉजिस्टिक हब से पहली मालगाड़ी को दिखाई हरी झंडी

नांगल चौधरी लॉजिस्टिक हब बनेगा नया आर्थिक केंद्र

एजेंसी, चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने रविवार को इंटीग्रेटेड मल्टी मॉडल लॉजिस्टिक हब, नांगल चौधरी में पहली मालगाड़ी को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

इस ऐतिहासिक अवसर पर, मुख्यमंत्री ने सुबह 10 बजे कार्यक्रम स्थल पर पहुंचकर हब के रेल नेटवर्क का विधिवत शुभारंभ किया। इस परियोजना के पहले चरण में 408 एकड़ क्षेत्र तैयार किया गया है, जिसमें एक आधुनिक स्टेशन भवन और माल चढ़ाने-उतारने के लिए 2 किलोमीटर लंबा रेलवे मंच शामिल है। इस नवनिर्मित रेल यार्ड के शुरू होने से दक्षिणी हरियाणा में उद्योग, निवेश और रोजगार को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। माल की ढुलाई आसान और कम खर्चीली होने से क्षेत्र की आर्थिक गतिविधियों को नई गति मिलेगी।

पहली मालगाड़ी राजस्थान के न्यू डाबला रेलवे स्टेशन से चलकर नांगल चौधरी यार्ड में पहुंची, जिसने हब के रेल नेटवर्क के व्यावहारिक आगाज को चिह्नित किया। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी कहा कि यह सब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आशीर्वाद और मार्गदर्शन में हो रहा है।

यह प्रधानमंत्री के 'विकसित भारत' के विजन का ही साकार रूप है। आज हरियाणा और पूरे देश को देखिए। हरियाणा में अब कोई भी ऐसा जिला नहीं बचा है जो फोर-लेन हाईवे, एक्सप्रेसवे या ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे से न जुड़ा हो, हर जिला जुड़ा हुआ है। यह एक बहुत बड़ा इंटीग्रेटेड लॉजिस्टिक्स हब है, जैसा कि मैंने कहा, यह इलाका आर्थिक रूप से और मजबूत होगा। आज यहां से पहली ट्रेन को हरी झंडी दिखाई गई है, और यहां मौजूद कई प्राइवेट कंपनियां भी इसमें दिलचस्पी दिखा रही हैं। यह इलाका एक इकोनॉमिक हब के तौर पर विकसित होगा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विज़न को साकार करेगा।

स्मृति ईरानी बोलीं- राहुल गांधी पहले महिला आरक्षण लागू होने दें

एजेंसी, नई दिल्ली। भाजपा महासचिव स्मृति ईरानी ने रविवार को राहुल गांधी से मांग करते हुए कहा कि देश में पहले महिला आरक्षण लागू होने दें। उन्होंने कहा कि अगर राहुल महिलाओं के समर्थन में हैं, तो इसे 33% आरक्षण लागू कराने और पूरे वंदे मातरम के गायन का समर्थन करके साबित करें।

ईरानी ने कांग्रेस मुख्यालय में देवी दुर्गा का आह्वान करने वाली लाइनों समेत पूरा वंदे मातरम गाने की भी मांग की। गौरतलब है कि संसद में महिलाओं की मौजूदगी से उसकी गरिमा बढ़ाने वाला 33% आरक्षण विधेयक पहले ही पास हो चुका है। राहुल गांधी ने पुणे में अपने 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम में छात्राओं से बातचीत की थी। उन्होंने छात्राओं से 'पितृसत्ता को खत्म करने' की अपील की और

◆पूरा वंदे मातरम भी गाएं यह देवी दुर्गा के बारे में है

'मनुस्मृति वाली सोच' पर हमला बोला था। राहुल ने कहा था कि यह सोच महिला को जीवन के हर पड़ाव पर पुरुष रिश्तेदारों के अधिकार में रहने के लिए मजबूर करती है। उन्होंने यह भी कहा था कि महिलाओं को आगे बढ़ने से रोकने के लिए समाज में हिंसा का इस्तेमाल किया जाता है और 80% महिलाएं उत्पीड़न का सामना करती हैं।

गैंगस्टरों पर सीएम रेखा का शिकंजा, जेलों से भी अपराध रोकने की कवायद

कैदियों के अंतरराज्यीय स्थानांतरण का प्रावधान होगा लागू

एजेंसी, नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने राजधानी की जेलों में बंद विचाराधीन गैंगस्टरों, संगठित अपराधियों और अधिक जोखिम (हाई रिस्क) वाले कैदियों को जरूरत पड़ने पर दूसरे राज्यों की जेलों में स्थानांतरित करने की योजना तैयार कर ली है। इसके लिए सरकार 'ट्रांसफर ऑफ प्रिजनर्स (पंजाब एमेडमेंट) एक्ट, 2025' को दिल्ली में लागू करेगी।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि इसका उद्देश्य जेल सुरक्षा, कानून-व्यवस्था और सार्वजनिक हित को ध्यान में रखते हुए ऐसे कैदियों के अंतरराज्यीय स्थानांतरण को संभव बनाना और संगठित अपराध से निपटने में राज्यों के बीच सहयोग को मजबूत करना है। दिल्ली सरकार के इस प्रस्ताव के तहत संबंधित राज्यों की आपसी सहमति अथवा गृह मंत्रालय की स्वीकृति से विचाराधीन गैंगस्टरों, संगठित

◆कहा- संगठित अपराध से निपटने के लिए राज्यों के बीच सहयोग जरूरी

अपराधियों और अन्य अधिक जोखिम वाले कैदियों को एक राज्य से दूसरे राज्य की जेल में स्थानांतरित किया जा सकेगा। इससे आपराधिक न्याय प्रणाली को अधिक प्रभावी बनाने और जेलों के बेहतर प्रबंधन में भी मदद मिलने की उम्मीद है। विज्ञप्ति के मुताबिक, दिल्ली की जेलों में दोषियों के साथ बड़ी संख्या में कठोर और कुख्यात अपराधी विचाराधीन कैदी के रूप में बंद हैं। मई 2026 में दिल्ली में 26 चिन्हित गिरोहों के 188 सदस्य चिन्हित किए गए थे, जिनमें से 107 गैंगस्टरों को गिरफ्तार किया गया था। ऐसे कठोर विचाराधीन कैदी जेल के भीतर से भी लक्षित हत्या, रंगदारी, गैंग प्रतिद्वंद्विता, धमकी और संगठित आपराधिक साजिश जैसी हिंसक गतिविधियों में शामिल रहते हैं। वर्तमान व्यवस्था में ऐसे विचाराधीन गैंगस्टरों और कुख्यात अपराधियों को दिल्ली की जेलों से दूसरे राज्यों में स्थानांतरित करना संभव नहीं है। 'ट्रांसफर ऑफ प्रिजनर्स एक्ट, 1950' के अंतर्गत स्थानांतरण का प्रावधान केवल दोषसिद्ध कैदियों के लिए है। वहीं, विचाराधीन कैदी संबंधित ट्रायल कोर्ट के विशेष रिमांड वारंट के अंतर्गत रखे जाते हैं और उनके स्थानांतरण की व्यवस्था 'प्रिजनर्स एक्ट, 1900' के तहत होती है, जो केवल राज्य के भीतर कैदियों के स्थानांतरण की अनुमति देता है।

अधिवेशन | मुख्यमंत्री ने होटल व पर्यटन उद्योग से हिमाचल के नए पर्यटन गंतव्यों को बढ़ावा देने का किया आह्वान

हिमाचल में साहसिक पर्यटन की अपार संभावनाएं : सीएम सुक्खू

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने वाराणसी में आयोजित फेडरेशन ऑफ होटल एंड रेस्टोरेंट एसोसिएशन्स ऑफ इंडिया के 56वें वार्षिक अधिवेशन में देशभर से आए होटल व्यवसायियों, ट्रैवल एजेंटों, टूर ऑपरेटरों और पर्यटन उद्योग से जुड़े प्रतिनिधियों का स्वागत किया। उन्होंने पर्यटन कारोबारियों से देश-विदेश के पर्यटकों को हिमाचल आने के लिए प्रोत्साहित करने और अपने टूर पैकेज में प्रदेश के नए तथा अनछुए पर्यटन स्थलों को शामिल करने का आग्रह किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हिमाचल की शांत और सुरक्षित घाटियां, स्वच्छ हवा, निर्मल जल, बर्फ से ढके पहाड़, हरे-भरे जंगल, समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और गांवों की सरल जीवनशैली प्रदेश को विशिष्ट पहचान

देती है। आज का पर्यटक पारंपरिक पर्यटन स्थलों के साथ शांति, प्रकृति, स्थानीय संस्कृति, वेलनेस और प्रामाणिक अनुभवों को प्राथमिकता दे रहा है। हिमाचल इन सभी आवश्यकताओं को पूरा करने की क्षमता रखता है। सड़क, बिजली, पानी और डिजिटल कनेक्टिविटी में सुधार से दूरदराज के पर्यटन स्थल भी अधिक सुगम हुए हैं। सुक्खू ने कहा कि राज्य सरकार अनछुए क्षेत्रों, स्थानीय संस्कृति, परंपराओं और जीवनशैली से पर्यटकों को जोड़ने के लिए अनुभव आधारित पर्यटन को बढ़ावा दे रही है।

कारवां और वीकेंड पर्यटन को भी प्रोत्साहित किया जा रहा है। महिलाओं के लिए सुरक्षित और स्वागत योग्य पर्यटन गंतव्य बनाने के उद्देश्य से 'शी ट्रैवल' नीति तैयार की जा रही है। इसके माध्यम से होमस्टे, स्थानीय खाद्य व्यवसाय, हस्तशिल्प, स्थानीय उत्पादों और पर्यटन आधारित स्टार्टअप में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पर्यटन ढांचे को मजबूत करने के लिए कांगड़ा हवाई अड्डे के विस्तार की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

इसके आसपास एयरोसिटी विकसित करने की योजना है और कांगड़ा को प्रदेश की 'पर्यटन राजधानी' के रूप में विकसित किया जा रहा है। प्रत्येक जिला मुख्यालय के आसपास हेलिपोर्ट विकसित करने का निर्णय भी लिया गया है। इससे पर्यटन के साथ आपदा प्रबंधन और आपातकालीन सेवाओं को भी मजबूती मिलेगी। उन्होंने कहा कि सरकार सतत और जिम्मेदार पर्यटन के लिए प्रतिबद्ध है।

पर्यटन क्षेत्र से जुड़े हितधारक मिलकर बनाएं हिमाचल को विश्वस्तरीय गंतव्य : सुक्खू

सुक्खू ने कहा कि हिमाचल में ट्रेकिंग, स्कीइंग, पैराग्लाइडिंग, रिवर राफ्टिंग, पर्वतारोहण, कैंपिंग और वाटर स्पोर्ट्स जैसी साहसिक गतिविधियों की अपार संभावनाएं हैं। बीड़-बिलिंग ने प्रदेश को विश्व के साहसिक पर्यटन मानचित्र पर पहचान दिलाई है। धार्मिक और आध्यात्मिक पर्यटन भी राज्य की बड़ी ताकत है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2025 में हिमाचल में 3.11 करोड़ पर्यटक पहुंचे, जिनमें 1.66 करोड़ धार्मिक पर्यटक थे। वर्ष 2026 में जुलाई तक 1.06 करोड़ पर्यटक प्रदेश का भ्रमण कर चुके हैं। मुख्यमंत्री ने पर्यटन क्षेत्र से जुड़े सभी हितधारकों से सरकार के साथ मिलकर हिमाचल को सुरक्षित, स्वच्छ, सुंदर और यादगार पर्यटन गंतव्य बनाने का आह्वान किया।

पंचायत स्तर पर चिट्टा तस्करी की मैपिंग, शिमला पुलिस ने कसा शिकंजा

पंचायत स्तर पर चिट्टा रोकने की मुहिम तेज, 145 युवाओं से पुलिस का नियमित संपर्क जारी

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला और ग्रामीण क्षेत्रों में बढ़ती नशे की समस्या पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस ने चिट्टा तस्करी के खिलाफ पंचायत स्तर पर मैपिंग का काम फिर शुरू कर दिया है। पुलिस नए पंचायत प्रतिनिधियों को साथ लेकर गांव-गांव में जागरूकता अभियान चला रही है। अभियान के तहत लोगों को नशे के दुष्प्रभावों के साथ मादक पदार्थों की तस्करी और सेवन के खिलाफ बनाए गए कानूनी प्रावधानों की जानकारी दी जा रही है।

पुलिस विशेष रूप से एनडीपीएस अधिनियम और पिट एनडीपीएस अधिनियम के प्रावधानों को लेकर लोगों को जागरूक कर रही है। इसका उद्देश्य ग्रामीणों को नशे के नेटवर्क की जानकारी पुलिस तक पहुंचाने के लिए प्रेरित करना है, ताकि तस्करों और सप्लायरों के खिलाफ समय रहते कार्रवाई की जा सके।

तस्करी के मार्ग और संवेदनशील क्षेत्रों की हो रही पहचान : पंचायत स्तर पर की जा रही मैपिंग के दौरान पुलिस नशे से प्रभावित क्षेत्रों, संभावित तस्करी मार्गों और ऐसे स्थानों की जानकारी जुटा रही है, जहां युवाओं के नशे की चपेट में आने की आशंका अधिक है। नए पंचायत प्रतिनिधियों को भी अभियान से जोड़ा गया है, जिससे गांवों में नशे के खिलाफ सामाजिक स्तर पर मजबूत व्यवस्था तैयार की जा सके।

पुलिस का मानना है कि स्थानीय लोगों की सक्रिय भागीदारी के बिना नशे के नेटवर्क को पूरी तरह खत्म करना मुश्किल है। इसी कारण पंचायत प्रतिनिधियों और ग्रामीणों को जागरूक कर उन्हें अभियान का हिस्सा बनाया जा रहा है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार एक तरफ तस्करों और नशीले पदार्थों के सप्लायरों के खिलाफ कार्रवाई जारी है, वहीं दूसरी ओर नशे की गिरफ्त में आए युवाओं को बचाने और उन्हें सामान्य जीवन में वापस लाने पर भी ध्यान दिया जा रहा है।

युवाओं के उपचार और पुनर्वास पर भी जोर : पुलिस ने नशे की लत में फंसे युवाओं को बाहर निकालने के लिए फरवरी 2026 में 'रस्ता पहल' शुरू की थी। इस पहल के तहत वर्तमान में 145 लोगों से नियमित संपर्क बनाए रखा जा रहा है। पुलिस इन लोगों की स्थिति पर नजर रखने के साथ उनके परिवारों से भी संपर्क कर रही है।

इस पहल का उद्देश्य केवल नशे की समस्या से जुड़े लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करना नहीं, बल्कि उन्हें उपचार और पुनर्वास के माध्यम से समाज की मुख्यधारा में वापस लाना भी है। जरूरत के अनुसार युवाओं की काउंसलिंग करवाई जा रही है। जिन लोगों को चिकित्सकीय उपचार की आवश्यकता है, उन्हें उपचार उपलब्ध कराने की दिशा में सहायता दी जा रही है।

उपचार के बाद पुनर्वास के जरिए युवाओं को दोबारा सामान्य सामाजिक जीवन से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है।

पंचायतों की भागीदारी से मजबूत होगा अभियान

पुलिस अब नशे के खिलाफ अभियान को पंचायत स्तर पर और व्यापक बनाने की तैयारी में है। पंचायत प्रतिनिधियों, स्थानीय लोगों और पुलिस के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर नशे के संभावित नेटवर्क की जानकारी जुटाई जाएगी। इससे तस्करी के रास्तों और संवेदनशील स्थानों की पहचान कर कार्रवाई करना आसान होगा। पुलिस का उद्देश्य चिट्टा तस्करी के नेटवर्क को तोड़ने के साथ-साथ युवाओं को नशे से दूर रखना है। इसके लिए कानूनी कार्रवाई, जागरूकता, उपचार और पुनर्वास को एक साथ आगे बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है। अधिकारियों का कहना है कि नशे के खिलाफ लड़ाई केवल पुलिस की जिम्मेदारी नहीं है। परिवार, पंचायत और स्थानीय समाज की सक्रिय भागीदारी से ही इस समस्या पर प्रभावी ढंग से अंकुश लगाया जा सकता है।

चायल अभयारण्य में पहली बार दिखा नीलकंठ पक्षी हिमाचल की पक्षी विविधता में जुड़ा नया रिकॉर्ड

भारतेन्दु संवाददाता,चायल। हिमाचल प्रदेश के चायल वन्यजीव अभयारण्य में पक्षियों की विविधता से जुड़ा महत्वपूर्ण रिकॉर्ड सामने आया है। अभयारण्य क्षेत्र में पहली बार नीलकंठ पक्षी की मौजूदगी दर्ज की गई है। वन्यजीव निगरानी के दौरान वन खंड अधिकारी नीलम ठाकुर, एफजीडी शालिंदर, एफजीडी अनूप, एफजीडी सुमित्रा, वन मित्र रूपल और मेहर ने इसका अवलोकन किया।

नीलकंठ अपने चमकीले नीले और फिरोजी रंग के कारण आसानी से पहचाना जाता है। उड़ान के दौरान इसके पंखों का खूबसूरत नीला रंग विशेष रूप से दिखाई देता है। यह पक्षी सामान्यत: मैदानी क्षेत्रों, कृषि भूमि, घास के मैदानों और कम ऊंचाई वाले इलाकों में पाया जाता है। इसे अक्सर पेड़ों, बिजली के तारों या अन्य ऊंचे स्थानों पर बैठकर कीड़े और छोटे जीवों की तलाश करते देखा जाता है।

करीब 2,100 से 2,600 मीटर की ऊंचाई पर स्थित चायल वन्यजीव अभयारण्य में नीलकंठ का रिकॉर्ड होना इसलिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि यह पक्षी आमतौर पर कम ऊंचाई वाले क्षेत्रों से जुड़ा माना जाता है। हिमांशु चौधरी के अनुसार हिमाचल के अन्य ऊंचाई वाले क्षेत्रों में भी नीलकंठ के असामान्य रिकॉर्ड सामने आए हैं। वर्ष 2014 में सांगला और वर्ष 2023 में काजा में इसके रिकॉर्ड दर्ज किए गए थे।

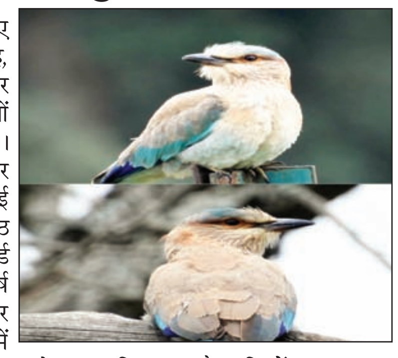

हिमाचल प्रदेश की ईबर्ड समन्वयक डॉ. मल्यश्री भट्टाचार्य ने भी पुष्टि की कि चायल अभयारण्य से नीलकंठ का यह पहला ज्ञात रिकॉर्ड है। उन्होंने कहा कि अलग-अलग ऊंचाई और आवास वाले क्षेत्रों में पक्षियों की नियमित निगरानी जरूरी है। इससे उनके वितरण, आवागमन और मौसम के अनुसार मौजूदगी को समझने में मदद मिलती है।

स्टेट बर्ड काउंट समन्वयक संतोष ठाकुर ने कहा कि नियमित और व्यवस्थित निगरानी से हिमाचल के पक्षियों का मजबूत आंकड़ा तैयार किया जा सकता है। वहीं डीसीएफ वन्यजीव शिमला डॉ. शहनवाज ने टीम के प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे अवलोकन अभयारण्य की प्रजातियों के दस्तावेजीकरण और प्रवासी पक्षियों की गतिविधियों को समझने में सहायक हैं।

चायल में नीलकंठ का यह पहला दस्तावेजीकृत रिकॉर्ड हिमाचल की समृद्ध जैव विविधता के अध्ययन और संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है।

हाई कोर्ट ने कर्मचारी की बर्खास्तगी को माना कठोर, बदला आदेश

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश हाई कोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसले में कहा है कि केवल तबादला आदेश को चुनौती देने और पारिवारिक परिस्थितियों के कारण नए स्टेशन पर देरी से ज्वाइन करने के मामले में कर्मचारी को बर्खास्त करना अत्यधिक कठोर सजा है। कोर्ट ने कर्मचारी रक्षपाल की 19 साल से अधिक लंबी सेवा को ध्यान में रखते हुए बर्खास्तगी के आदेश को बदलकर अनिवार्य सेवानिवृत्ति में परिवर्तित करने के निर्देश दिए हैं।

मुख्य न्यायाधीश जीएस संधावालिया और न्यायाधीश बिपिन सी नेगी की खंडपीठ ने रक्षपाल की अपील स्वीकार करते हुए एकलपीठ के वर्ष 2024 के फैसले को निरस्त कर दिया। रक्षपाल कृषि विभाग में विषय विशेषज्ञ के पद पर तैनात थे। 30 अगस्त 2018 को उनका तबादला देहरा से काजा किया गया था।

उन्होंने तबादला आदेश को पहले प्रशासनिक न्यायाधिकरण, फिर हाई कोर्ट और अंतत: सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी। इसी कानूनी प्रक्रिया के कारण उन्होंने सात फरवरी 2019 को काजा में कार्यभार संभाला। विभाग ने लगभग चार महीने की देरी को अनुशासनहीनता मानते हुए विभागीय जांच कराई और एक नवंबर 2019 को उन्हें बर्खास्त कर दिया।

जलवायु परिवर्तन संग अनियोजित विकास से बढ़ा हिमाचल में आपदाओं का खतरा

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमालयी क्षेत्र अपनी भौगोलिक और भूगर्भीय परिस्थितियों के कारण बेहद संवेदनशील है। ऐसे में जलवायु परिवर्तन के प्रभाव हिमाचल प्रदेश जैसे पहाड़ी राज्यों में अधिक गंभीर हो सकते हैं। हिमाचल ज्ञान विज्ञान समिति के सौजन्य से आयोजित कार्यक्रम में प्रसिद्ध वैज्ञानिक, जलवायु परिवर्तन विशेषज्ञ एवं अखिल भारतीय जन विज्ञान नेटवर्क के पूर्व अध्यक्ष डॉ. डी. रघुनन्दन ने कहा कि जलवायु परिवर्तन के साथ अनियोजित और अवैज्ञानिक विकास ने हिमाचल में आपदा जोखिम को और बढ़ा दिया है।

उन्होंने कहा कि पिछले कुछ दशकों में वैश्विक तापमान में लगातार वृद्धि हुई है। इसका असर भारत सहित दुनिया के विभिन्न हिस्सों में अत्यधिक वर्षा, अनियमित मानसून, गर्मी की लहर और अन्य चरम मौसमी घटनाओं के रूप में सामने आ रहा है। इन घटनाओं की तीव्रता और जोखिम दोनों बढ़े हैं। हिमालयी क्षेत्रों में भौगोलिक परिस्थितियों के कारण इसका प्रभाव और गंभीर हो सकता है।

◆ **विकास से पहले पहाड़ों की वहन क्षमता का वैज्ञानिक आकलन जरूरी**

डॉ. रघुनन्दन ने कहा कि फोरलेन सड़कों, बड़े निर्माण कार्यों और विभिन्न परियोजनाओं में पहाड़ों की भूगर्भीय संरचना, ढलानों की स्थिरता, जल निकासी और स्थानीय पारिस्थितिकी का पर्याप्त ध्यान नहीं रखा जा रहा है। इससे भूस्खलन सहित कई प्राकृतिक जोखिम बढ़ रहे हैं और पहाड़ी भू-दृश्य में भी बड़े बदलाव हो रहे हैं। उन्होंने जोर दिया कि किसी भी शहर, पर्यटन क्षेत्र या संवेदनशील पहाड़ी इलाके में बड़े पैमाने पर निर्माण की अनुमति देने से पहले उसकी वहन क्षमता का वैज्ञानिक आकलन अनिवार्य होना चाहिए।

भारत ज्ञान विज्ञान समिति के महासचिव डॉ. ओपी भुरैटा ने कहा कि हिमालयी राज्यों में विकास का दबाव कई क्षेत्रों में चिंताजनक स्तर तक पहुंच गया है। पर्यावरण को होने वाले नुकसान की भरपाई लगातार कठिन होती जा रही है। उन्होंने कहा कि हिमाचल में पर्यटन को भी स्थानीय संसाधनों और क्षेत्र की वहन क्षमता के अनुरूप नियोजित तथा नियंत्रित किया जाना चाहिए।

शोघी में विशाल निशुल्क स्वास्थ्य शिविर सैकड़ों लोगों ने विशेषज्ञों से करवाई जांच

शिविर में ईसीजी, शुगर, हड्डियों और कोलेस्ट्रॉल की निशुल्क जांच सुविधा मिली।

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। ब्लू बेल्स पब्लिक स्कूल, शोघी में मल्टी स्पेशलिटी सेंटर के सहयोग से विशाल निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में शोघी और आसपास के क्षेत्रों से पहुंचे सैकड़ों स्थानीय लोगों ने विशेषज्ञ चिकित्सकों से स्वास्थ्य जांच करवाकर निशुल्क परामर्श का लाभ उठाया। आयोजन का उद्देश्य लोगों को समय पर स्वास्थ्य जांच और विभिन्न बीमारियों से बचाव के प्रति जागरूक करना रहा।

शिविर में विद्यालय के प्रबंध निदेशक जितेंद्र ठाकुर तथा मल्टी स्पेशलिटी सेंटर की संचालक मंजू पंकज शर्मा और राहुल विशेष रूप से मौजूद रहे। शिविर के दौरान विभिन्न रोगों से संबंधित विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम ने लोगों की जांच की और उनकी स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं पर आवश्यक परामर्श दिया।

कार्डियोलॉजी विशेषज्ञ डॉ. पी.सी. नेगी, हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ. संगे नेगी, ईएनटी विशेषज्ञ डॉ. सुमेश ठाकुर, फिजियोथेरेपिस्ट डॉ. अलीशा कौशल और त्वचा रोग विशेषज्ञ डॉ. अमित चौहान ने शिविर में अपनी सेवाएं दीं। विशेषज्ञों ने मरीजों की जांच करने के साथ उन्हें बीमारी के लक्षणों, बचाव और उपचार संबंधी जरूरी जानकारी भी उपलब्ध करवाई।

शिविर में लोगों के लिए ईसीजी, रक्त शर्करा, हड्डियों की घनत्व जांच और कोलेस्ट्रॉल की निशुल्क सुविधा उपलब्ध करवाई गई। इससे स्थानीय लोगों को एक ही स्थान पर विभिन्न स्वास्थ्य जांच करवाने का अवसर मिला। शिविर में पहुंचे लोगों ने आयोजन की सराहना करते हुए इसे क्षेत्र के लिए उपयोगी पहल बताया।

विद्यालय की प्रधानाचार्या किरण शर्मा ने कहा कि एक ही छत के नीचे हृदय, हड्डी, कान-नाक-गला, त्वचा और फिजियोथेरेपी जैसे विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों का परामर्श मिलना छात्रों और शोघी क्षेत्र की जनता के लिए महत्वपूर्ण अवसर है।

तेज रफ्तार ट्राले ने बाइक को मारी टक्कर, 25 वर्षीय युवक की मौत

भारतेन्दु संवाददाता,नाहन। सिरमौर जिले के पांवटा साहिब में बद्रीपुर चौक के समीप बांगरण बाईपास पर शनिवार देर रात दर्दनाक सड़क हादसे में 25 वर्षीय युवक की मौत हो गई, जबकि उसका साथी गंभीर रूप से घायल हो गया। मृतक की पहचान दुगाना गांव निवासी ऋतिक पुंडीर के रूप में हुई है।

बांगरण बाईपास के पास तेज रफ्तार ट्राले ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि ऋतिक की मौके पर ही मौत हो गई। बाइक पर सवार कमरऊ निवासी युवक गंभीर रूप से घायल हो गया।

सूचना मिलते ही पांवटा साहिब पुलिस मौके पर पहुंची और घायल को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया। उसकी गंभीर हालत को देखते हुए प्राथमिक उपचार के बाद देहरादून के उच्च चिकित्सा केंद्र रेफर किया गया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। डीएसपी मानवेंद्र ठाकुर ने बताया कि मामला दर्ज कर ट्राला चालक को हिरासत में लिया गया है। हादसे के कारणों की जांच जारी है। प्रारंभिक जांच में तेज रफ्तार को हादसे का कारण माना जा रहा है। ऋतिक के पिता कफोटा के सरकारी स्कूल में अर्थशास्त्र प्रवक्ता हैं। हादसे के बाद परिवार और क्षेत्र में शोक का माहौल है।

एनएचपीसी देगी 75 लाख, लैप्रोस्कोपी मशीन से बेहतर होगा उपचार

चंबा में स्वास्थ्य सेवाओं को मिलेंगे आधुनिक उपचार साधन

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता , शिमला। आकांक्षी जिला चंबा में स्वास्थ्य सुविधाओं को आधुनिक और सुदृढ़ बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गई है। भाजपा राज्यसभा सांसद एवं ऊर्जा संबंधी स्थायी संसदीय समिति के सदस्य हर्ष महाजन ने बताया कि एनएचपीसी चमेरा-द्वद्व पावर स्टेशन ने कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व के तहत जिले में स्वास्थ्य सेवाओं के लिए 75 लाख रुपये की राशि स्वीकृत की है। इस राशि का उपयोग आधुनिक चिकित्सा उपकरण उपलब्ध कराने के साथ गरीब और जरूरतमंद मरीजों को नि:शुल्क उपचार मुहैया करवाने में किया जाएगा।

हर्ष महाजन ने बताया कि स्वीकृत राशि में से 50 लाख रुपये की लागत से अत्याधुनिक लैप्रोस्कोपी मशीन उपलब्ध करवाई जाएगी। इस मशीन के आने से चंबा में विभिन्न प्रकार की शल्य चिकित्सा को आधुनिक तकनीक के माध्यम से करने में मदद मिलेगी। इससे मरीजों को बेहतर उपचार सुविधा मिलने के साथ जटिल मामलों में भी चिकित्सा सेवाओं की क्षमता बढ़ेगी। स्थानीय स्तर पर आधुनिक उपकरण उपलब्ध होने से मरीजों को उपचार के लिए दूसरे जिलों या बड़े शहरों का रुख करने की आवश्यकता भी कम होगी।

उन्होंने बताया कि शेष 25 लाख रुपये गरीब एवं जरूरतमंद मरीजों के नि:शुल्क ऑपरेशन और शल्य चिकित्सा सहायता के लिए खर्च किए जाएंगे। इससे आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को बड़ी राहत मिलेगी। धन के अभाव में उपचार से वंचित रहने वाले मरीजों को आवश्यक चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने में यह राशि महत्वपूर्ण साबित होगी।

महाजन ने कहा कि चंबा देश के आकांक्षी जिलों में शामिल है। जिले की भौगोलिक परिस्थितियां कठिन होने के कारण कई ग्रामीण और दुर्गम क्षेत्रों के लोगों को स्वास्थ्य सुविधाओं तक पहुंचने में परेशानी होती है। ऐसे में स्थानीय स्तर पर आधुनिक चिकित्सा सेवाओं का विस्तार करना बेहद जरूरी है।

उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार के सार्वजनिक उपक्रमों द्वारा सामाजिक उत्तरदायित्व के तहत स्थानीय विकास में भागीदारी की जा रही है। एनएचपीसी द्वारा चंबा के लिए 75 लाख रुपये की सहायता इसी दिशा में सराहनीय कदम है। इससे स्वास्थ्य क्षेत्र को मजबूती मिलने के साथ जरूरतमंद लोगों को सीधा लाभ मिलेगा। हर्ष महाजन ने एनएचपीसी प्रबंधन और चमेरा पावर स्टेशन के जनहितकारी प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि भविष्य में भी चंबा की स्वास्थ्य सेवाओं और अन्य आधारभूत सुविधाओं को मजबूत करने के लिए ऐसे प्रयास जारी रखे जाएंगे।

पिता-पुत्री ने एक साथ की एलएलबी, बेटी बनी टॉपर, पिता ने हासिल किया तीसरा स्थान

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। पढ़ाई की कोई उम्र नहीं होती और मजबूत इच्छाशक्ति के साथ जीवन के किसी भी पड़ाव पर नई शुरुआत की जा सकती है। हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा जिले के आलमपुर निवासी पिता-पुत्री ने अपनी मेहनत और लगन से इस बात को साबित किया है। दोनों ने एक साथ हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय से तीन वर्षीय एलएलबी की पढ़ाई पूरी की और विश्वविद्यालय की परीक्षा में शीर्ष स्थान हासिल कर परिवार और क्षेत्र का नाम रोशन किया।

एचपीयू के धर्मशाला स्थित क्षेत्रीय केंद्र में वर्ष 2023 से जून 2026 तक एलएलबी की पढ़ाई करने वाली 23 वर्षीय अंशिका राणा ने विश्वविद्यालय में प्रथम स्थान हासिल किया है। वहीं, उनके पिता प्रवीण राणा ने इसी पाठ्यक्रम में तीसरा स्थान प्राप्त किया। अंशिका नियमित छात्रा थीं, जबकि प्रवीण ने पत्राचार माध्यम से एलएलबी की पढ़ाई पूरी की।

विश्वविद्यालय की ओर से हाल ही में एलएलबी के छठे और अंतिम सेमेस्टर का परिणाम घोषित किया गया। परिणाम सामने आने के बाद पिता-पुत्री की इस उपलब्धि की जानकारी सामने आई। एक ही पाठ्यक्रम में पढ़ते हुए बेटी का विश्वविद्यालय में पहला और पिता का तीसरा स्थान हासिल करना परिवार के लिए गौरव का विषय है।

प्रवीण राणा हिमाचल प्रदेश पुलिस प्रशिक्षण केंद्र, दरोह में निरीक्षक के पद पर सेवाएं दे रहे हैं। उन्होंने 50 वर्ष की उम्र पार करने के बाद दोबारा पढ़ाई शुरू करने का फैसला किया। पुलिस विभाग की जिम्मेदारियों के साथ कानून की पढ़ाई करना उनके लिए चुनौतीपूर्ण था, लेकिन उन्होंने नियमित रूप से पढ़ाई के लिए समय निकाला और तीन साल का पाठ्यक्रम सफलतापूर्वक पूरा किया।

इस दौरान पिता और बेटी ने एक-दूसरे का हौसला बढ़ाया। दोनों साथ पढ़ाई करते और परीक्षा की तैयारियों में एक-दूसरे को प्रेरित करते थे। पढ़ाई के दौरान आने वाली कठिनाइयों और विषयों को समझने में भी दोनों ने एक-दूसरे का सहयोग किया।

अंशिका ने बताया कि पिता के साथ एलएलबी की पढ़ाई करना उनके लिए बेहद यादगार अनुभव रहा। उन्होंने कहा कि दोनों ने पूरे पाठ्यक्रम के दौरान एक-दूसरे को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया और एक-दूसरे की उपलब्धियों पर खुशी जताई।

घर-द्वार पहुंची पशु चिकित्सक टीम गाय-बछड़े को मिला नया जीवन

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। जुन्गा तहसील की ग्राम पंचायत सतलाई के वार्ड जुग्गर में पशुपालन विभाग की विशेषज्ञ चिकित्सक टीम ने 11 वर्षीय जरसी गाय की आंख का सफल ऑपरेशन कर उसे नई जिंदगी दी। इसके अलावा टीम ने भरांडी गांव में एक बछड़े की टूटी टांग का भी सफल ऑपरेशन कर उसमें रॉड लगाई। उपचार के बाद बछड़ा अब धीरे-धीरे चलने योग्य हो गया है। पशुपालन विभाग की टीम के इस प्रयास की स्थानीय लोगों ने सराहना की है।

जुग्गर निवासी सुशील कुमार ने बताया कि उनकी 11 वर्षीय जरसी गाय की एक आंख में करीब तीन वर्षों से लालिमा और अन्य समस्या बनी हुई थी। गाय प्रतिदिन लगभग 12 किलोग्राम दूध देती है और परिवार की आय का एक महत्वपूर्ण अतिरिक्त साधन है। पिछले चार महीनों में उसकी आंख के बाहर मांस असामान्य रूप से बढ़ने लगा। इसके कारण गाय की आंख की रोशनी भी चली गई।

समस्या बढ़ने पर सुशील कुमार ने पशुपालन विभाग कोटी के चिकित्सक डॉ. जयपाल बास्टा से संपर्क किया। जांच के दौरान गाय की आंख में स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा बीमारी की पुष्टि हुई। मामले की गंभीरता को देखते हुए डॉ. जयपाल बास्टा ने पॉलीक्लिनिक रामपुर के सर्जन एवं पशु नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. अक्षय कुमार को विशेष रूप से जुग्गर बुलाया।

कोटी अस्पताल की टीम के साथ चिकित्सकों ने मौके पर पहुंचकर करीब तीन घंटे की कड़ी मेहनत के बाद गाय की आंख का सफल ऑपरेशन किया। उपचार के बाद गाय की स्थिति में सुधार बताया गया है।

इसके बाद टीम भरांडी गांव पहुंची, जहां निवासी हीरा सिंह के घर एक बछड़े की टूटी टांग का उपचार किया गया।

प्राथमिक शिक्षकों का क्रमिक अनशन 29वें दिन जारी, पांच सितंबर तक समाधान की उम्मीद

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश राजकीय प्राथमिक शिक्षक संघ का क्रमिक अनशन रविवार को 29वें दिन भी जारी रहा। स्कूल शिक्षा निदेशालय, शिमला में शिक्षक अनुशासन और शांतिपूर्ण तरीके से अपनी मांगों को लेकर आंदोलन कर रहे हैं। रविवार को जिला कांगड़ा के राजकीय प्राथमिक शिक्षक संघ के ब्लॉक कोटला के पदाधिकारियों ने अनशन में भाग लिया और सरकार से शिक्षकों की न्यायोचित मांगों को जल्द पूरा करने की अपील की।

संघ के अनुसार प्रदेशभर के प्राथमिक शिक्षक आंदोलन में पूरी निष्ठा के साथ भाग ले रहे हैं। कांगड़ा जिला प्राथमिक शिक्षक संघ के अध्यक्ष कुलदीप पठानिया, ब्लॉक कोटला अध्यक्ष संग्राम सिंह, महासचिव नरताज सिंह, हिमाचल प्रदेश राजकीय प्राथमिक शिक्षक संघ के प्रवक्ता सुरेंद्र गुलेरिया और कांगड़ा जिला प्राथमिक शिक्षक संघ के प्रवक्ता जगदेव जसरोटिया ने रविवार को क्रमिक अनशन में हिस्सा लिया।

◗ शिक्षक बोले- मांगें पूरी नहीं हुईं तो पांच सितंबर के बाद आंदोलन होगा तेज

गांधीवादी तरीके से जारी है आंदोलन: ब्लॉक कोटला के पदाधिकारियों ने कहा कि शिक्षक अपनी मांगों को लेकर शांतिपूर्ण और गांधीवादी तरीके से संघर्ष कर रहे हैं। उनका उद्देश्य सरकार के साथ टकराव पैदा करना नहीं, बल्कि अपनी न्यायोचित मांगों का समाधान करवाना है। उन्होंने सरकार से आग्रह किया कि प्राथमिक शिक्षकों की समस्याओं पर गंभीरता से विचार करते हुए जल्द सकारात्मक निर्णय लिया जाए।

संघ के अनुसार आंदोलन की शुरुआत 11 जुलाई को हुई थी। उस दिन शिक्षकों ने पैदल न्याय यात्रा शुरू की थी, जो शिमला पहुंची। इसके बाद 26 जुलाई को शिमला के चौड़ा मैदान में शिक्षकों ने बड़ा धरना दिया। धरने के बाद स्कूल शिक्षा निदेशालय में क्रमिक अनशन शुरू किया गया, जो अब 29वें दिन में पहुंच गया है।

पांच सितंबर तक फैसले का इंतजार : संघ ने बताया कि 26 जुलाई को मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू धरना स्थल पर पहुंचे थे। संघ के अनुसार मुख्यमंत्री ने शिक्षकों को आश्वासन दिया था कि न्यू कॉम्प्लेक्स प्रणाली से जुड़ी अधिसूचना वापस लेने सहित अन्य मांगों पर भी कार्रवाई की जाएगी।

ई-बस पीरन रूट पर 150 किलोमीटर सफर, 65 प्रतिशत बैटरी खर्च में चल रही ई-बस सेवा

पीरन के लिए शुरू हुई इलेक्ट्रिक बस, रोजाना बचेंगे 2800 रुपए

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता , शिमला। हिमाचल प्रदेश पथ परिवहन निगम के ढली डिपो ने जुन्गा तहसील के पीरन गांव के लिए इलेक्ट्रिक बस सेवा शुरू कर दी है। नई बस सेवा शुरू होने से क्षेत्रवासियों में खुशी है। लोगों ने इसे पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ पहाड़ी क्षेत्रों में सार्वजनिक परिवहन को आधुनिक और सुविधाजनक बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया है। स्थानीय लोगों को उम्मीद है कि इलेक्ट्रिक बस सेवा से उन्हें आने-जाने में सुविधा मिलेगी और प्रदूषण में भी कमी आएगी।

बस के चालक मदन और परिचालक हरिपाल चौहान के अनुसार इलेक्ट्रिक बस से यात्रियों को पहले की तुलना में अधिक आरामदायक, शांत और सुविधाजनक सफर मिलेगा। डीजल बसों से निकलने वाले धुएं के कारण होने वाले वायु प्रदूषण को कम करने में भी इलेक्ट्रिक बसें मददगार हैं। इसके अलावा इंजन का शोर कम होने के कारण यात्रियों को अपेक्षाकृत शांत वातावरण में सफर करने का अवसर मिलेगा।

रोजाना 2800 रुपये की बचत : परिचालक हरिपाल चौहान ने बताया कि ढली शिमला से वाया जुन्गा पीरन तक आने-जाने में डीजल बस पर पहले करीब 4000 रुपये प्रतिदिन ईंधन खर्च होता था। इलेक्ट्रिक बस शुरू होने के बाद बैटरी चार्ज करने में आने-जाने का बिजली खर्च करीब 1200 रुपये प्रतिदिन रह गया है। इस तरह परिवहन निगम को रोजाना लगभग 2800 रुपये की बचत हो रही है।

यदि प्रतिदिन होने वाली इस बचत को लंबे समय के आधार पर देखा जाए तो निगम के परिचालन खर्च में भी उल्लेखनीय कमी आ सकती है। इससे सार्वजनिक परिवहन में स्वच्छ ऊर्जा के इस्तेमाल को बढ़ावा मिलने के साथ निगम पर ईंधन खर्च का दबाव भी कम होगा।

150 किलोमीटर सफर में 65 प्रतिशत बैटरी खर्च : परिचालक के अनुसार इलेक्ट्रिक बस करीब 150 किलोमीटर का सफर तय करने में लगभग 65 प्रतिशत बैटरी खर्च करती है। इससे यह भी संकेत मिलता है कि निर्धारित मार्ग पर बस का संचालन बैटरी क्षमता के लिहाज से किया जा सकता है। हालांकि पहाड़ी क्षेत्र में बस की क्षमता, सड़क की स्थिति, मौसम और मार्ग की चढ़ाई जैसे कारक इसके प्रदर्शन को प्रभावित कर सकते हैं।

प्रदूषण कम करने में मिलेगी मदद: इलेक्ट्रिक बसों का सबसे बड़ा लाभ पर्यावरण संरक्षण से जुड़ा है। इनमें डीजल या पेट्रोल के सीधे इस्तेमाल की जरूरत नहीं होती, जिससे सड़क पर धुआं और स्थानीय स्तर पर उत्सर्जन कम होता है। ध्वनि प्रदूषण में कमी के कारण यात्रियों के साथ-साथ सड़क किनारे रहने वाले लोगों को भी राहत मिल सकती है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि पहाड़ी क्षेत्रों में इलेक्ट्रिक बसों का संचालन बढ़ाया जाता है तो सार्वजनिक परिवहन को अधिक पर्यावरण-अनुकूल बनाने में मदद मिलेगी। इससे जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता घटाने की दिशा में भी सकारात्मक परिणाम सामने आ सकते हैं।

खराब सड़कों की चुनौती : चालक मदन ने बताया कि पहाड़ी क्षेत्रों में कई स्थानों पर सड़कों की हालत खराब है। सड़क पर बने गहरे गड्ढों के कारण बस के अगले हिस्से को नुकसान पहुंचने की आशंका रहती है। इलेक्ट्रिक बसों का सुचारू और सुरक्षित संचालन सुनिश्चित करने के लिए मार्ग की सड़कों की स्थिति सुधारना भी जरूरी है।

कर्णप्रयाग में कांग्रेस नगर कार्यकारिणी का विस्तार कई लोगों ने ली सदस्यता

भारतेंदु संवाददाता, उदित नैनवाल

कांग्रेस पार्टी की नगर कार्यकारिणी के विस्तार और सम्मान समारोह को लेकर रविवार को बैठक आयोजित की गई। नगर अध्यक्ष महेश खंडूरी और जिला अध्यक्ष सुरेश कुमार डिमरी की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में नगर कार्यकारिणी का विस्तार किया गया। इस दौरान कई लोगों ने कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की। सुदामा लाल, जयप्रकाश पटेल, त्रिलोक सिंह नेगी, पूर्ण सिंह, बुद्धि लाल, मोहन कोटियाल और फट्टे सिंह रावत ने पार्टी की सदस्यता ली। जिला अध्यक्ष सुरेश कुमार डिमरी ने नए सदस्यों का स्वागत करते हुए संगठन को मजबूत करने पर जोर दिया। कार्यक्रम में मुकेश नेगी, ईश्वरी मैखुरी, रामेश्वरी मणि, विनोद बिनवाल, अंशी बिष्ट, ओमप्रकाश आगरी सहित पार्टी के कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे। बैठक में संगठन विस्तार और आगामी गतिविधियों को लेकर भी चर्चा हुई।

हर की पैड़ी पर मुल्तान ज्योत महोत्सव की धूम, एक साथ मनाई होली और दीपावली

मुल्तान ज्योत महोत्सव में दिखी अनूठी परंपरा, गंगा में अर्पित की गई ज्योत

भारतेंदु संवाददाता, हरिद्वार

हरिद्वार की हरकी पैड़ी पर रविवार को मुल्तान ज्योत महोत्सव श्रद्धा, उल्लास और परंपरा के रंगों से सराबोर नजर आया। महोत्सव में बड़ी संख्या में मुल्तानी समाज के श्रद्धालु शामिल हुए। गंगा तट पर आयोजित इस आयोजन में एक साथ होली और दीपावली जैसे दृश्य दिखाई दिए। श्रद्धालुओं ने गंगाजी के साथ दूध की होली खेली, वहीं शोभायात्रा के दौरान आतिशबाजी और प्रकाश व्यवस्था ने वातावरण को रोशन कर दिया। पूरे हरिद्वार को महोत्सव के लिए आकर्षक ढंग से सजाया गया था।

अखिल भारतीय मुलतान संगठन के अध्यक्ष डॉ. महेंद्र नागपाल के नेतृत्व में विभिन्न क्षेत्रों से आए श्रद्धालु बाल्टियों में दूध लेकर हरकी पैड़ी पहुंचे। इसके बाद श्रद्धालुओं ने पिचकारियों में दूध भरकर एक-दूसरे के साथ होली खेली। गंगा के तट पर दूध की होली का यह दृश्य लोगों के आकर्षण का केंद्र बना रहा। महोत्सव में शामिल लोगों ने इसे धार्मिक आस्था और सामाजिक एकता से जुड़ी महत्वपूर्ण परंपरा बताया।

दूध की पिचकारियों से खेली होली, दीपों और आतिशबाजी से रोशन हुई हरकी पैड़ी।

मुल्तान ज्योत महोत्सव के तहत एक सप्ताह से विशेष ज्योत प्रज्वलित की जा रही थी। शोभायात्रा के साथ इस ज्योत को हरकी पैड़ी लाया गया। शोभायात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने हिस्सा लिया। इस दौरान पुष्पवर्षा और आतिशबाजी की गई। बिजली की नई तकनीक का इस्तेमाल कर तैयार की गई विशेष ज्योत भी आकर्षण का केंद्र रही। विधि-विधान के साथ ज्योत को गंगा में अर्पित किया गया।

महोत्सव के आयोजन में मुल्तानी समाज की पुरानी परंपरा और सांस्कृतिक विरासत की झलक भी देखने को मिली। संगठन के अध्यक्ष डॉ. महेंद्र नागपाल ने बताया कि हरिद्वार में पहली मुल्तान ज्योत वर्ष 1911 में भक्त रूपचंद पाकिस्तान के मुल्तान शहर से पैदल लेकर आए थे। बताया जाता है कि समाज में भाईचारे, शांति और सद्भाव की कामना के उद्देश्य से इस ज्योत को गंगा में अर्पित किया गया था।

मुल्तान ज्योत महोत्सव में उमड़े श्रद्धालु

महोत्सव के दौरान हरकी पैड़ी और आसपास का क्षेत्र श्रद्धालुओं से भरा रहा। धार्मिक अनुष्ठानों के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रमों और शोभायात्रा ने आयोजन को भव्य रूप दिया। दूध की होली ने जहां होली के उत्सव का अहसास कराया, वहीं ज्योत और आतिशबाजी ने दीपावली जैसा वातावरण बना दिया। श्रद्धालुओं ने गंगा तट पर पूजा-अर्चना कर सुख-शांति और समाज में भाईचारे की कामना की। मुल्तान ज्योत महोत्सव ने एक बार फिर यह संदेश दिया कि परंपराएं समय के साथ आगे बढ़ते हुए समाज को अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ने का काम करती हैं। हरकी पैड़ी पर आयोजित इस भव्य कार्यक्रम में आस्था, संस्कृति और सामाजिक एकता का अनूठा संगम देखने को मिला।

बागेश्वर में सड़क आंदोलन तेज

डामरीकरण की मांग को लेकर सड़क पर उतरे ग्रामीण

भारतेंदु संवाददाता, बागेश्वर

बागेश्वर के पौसा गांव में नरगोली-बेरीनाग मोटर मार्ग की बदहाली को लेकर कमस्यार घाटी के ग्रामीणों का आक्रोश रविवार को खुलकर सामने आया। सड़क के डामरीकरण की मांग को लेकर ग्रामीणों ने करीब आठ किलोमीटर लंबी मानव श्रृंखला बनाकर जोरदार प्रदर्शन किया। ग्रामीणों ने नारेबाजी करते हुए शासन और प्रशासन से जल्द सड़क की स्थिति सुधारने की मांग उठाई। उनका कहना है कि वर्षों से मार्ग बदहाल पड़ा है और इसका खामियाजा क्षेत्र के हजारों लोगों को भुगतना पड़ रहा है।

ग्रामीणों के अनुसार नरगोली-बेरीनाग मोटर मार्ग कमस्यार घाटी के कई गांवों को बेरीनाग क्षेत्र से जोड़ने वाला महत्वपूर्ण संपर्क मार्ग है। सड़क पर डामरीकरण नहीं होने के कारण बरसात के मौसम में स्थिति और खराब हो जाती है। जगह-जगह बड़े गड्ढे, कीचड़ और मलबा जमा होने से वाहनों की आवाजाही मुश्किल हो जाती है। कई स्थानों पर पहाड़ी से पत्थर और पेड़ गिरने के कारण यातायात बाधित होने का खतरा भी बना रहता है।

ग्रामीणों ने बताया कि सड़क की खराब स्थिति का सबसे अधिक असर मरीजों, बुजुर्गों, स्कूली बच्चों और नौकरीपेशा लोगों पर पड़ रहा है। आपात स्थिति में मरीजों को अस्पताल पहुंचाने में परेशानी होती है। वहीं विद्यार्थियों को प्रतिदिन जोखिम उठाकर आवागमन करना पड़ता है। ग्रामीणों का कहना है कि लंबे समय से सड़क के डामरीकरण की मांग उठाई जा रही है, लेकिन अब तक ठोस कार्रवाई नहीं हुई है।

सड़क समस्या को लेकर ग्रामीणों ने दिखाई एकजुटता

प्रदर्शन के दौरान ग्रामीणों ने कहा कि सड़क क्षेत्र के विकास की महत्वपूर्ण कड़ी है। बेहतर सड़क सुविधा मिलने से लोगों को आवागमन में राहत मिलेगी और शिक्षा, स्वास्थ्य तथा रोजगार से जुड़ी गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांग पर जल्द सकारात्मक कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन को और व्यापक किया जाएगा। आठ किलोमीटर लंबी मानव श्रृंखला के माध्यम से ग्रामीणों ने अपनी एकजुटता और नाराजगी प्रशासन तक पहुंचाने का प्रयास किया। ग्रामीणों ने सरकार से नरगोली-बेरीनाग मोटर मार्ग का जल्द डामरीकरण कराने और सड़क की स्थायी व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की है।

बार-बार चुनाव विकास में बाधक, संत समाज करे जनजागरण : शिवराज

◆ हरिद्वार में शिवराज का आह्वान, एक राष्ट्र-एक चुनाव पर करें जनजागरण

भारतेंदु संवाददाता,अनिल थपलियाल

हरिद्वार के प्राचीन अवधूत मंडल आश्रम में आयोजित संत समागम को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने एक राष्ट्र-एक चुनाव को देश की जरूरत बताया। उन्होंने कहा कि बार-बार होने वाले चुनावों से समय, धन और प्रशासनिक संसाधनों की बड़ी मात्रा खर्च होती है तथा विकास कार्यों की गति प्रभावित होती है। चुनावों के दौरान प्रशासनिक अधिकारी, शिक्षक, पुलिस और सुरक्षा बल चुनावी दायित्वों में लग जाते हैं, जिससे जनसेवा प्रभावित होती है। चौहान ने संत समाज से एक राष्ट्र-एक चुनाव के पक्ष में जनजागरण करने की अपील की। उन्होंने कहा कि संतों की प्रभावशाली भूमिका से यह विचार आम जनता तक पहुंच सकता है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने भी इस पहल को राष्ट्रहित, सुशासन और संसाधनों के बेहतर उपयोग से जुड़ा विषय बताया। उन्होंने कहा कि लोकसभा और विधानसभा चुनाव एक साथ होने से प्रशासन को विकास, रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य और आधारभूत सुविधाओं पर अधिक ध्यान देने का अवसर मिलेगा। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में संत, जनप्रतिनिधि और भाजपा नेता मौजूद रहे।

आपदा के बीच चमोली पुलिस को बड़ी मदद, 56 आधुनिक टॉर्च वितरित

◆ आपदा के अंधेरे में राहत कार्यों को रोशन करेंगी अत्याधुनिक टार्च

भारतेंदु संवाददाता,उदित नैनवाल

चमोली में अतिवृष्टि और दैवीय आपदा के दौरान रात्रिकालीन खोज एवं बचाव अभियानों को प्रभावी बनाने के लिए पुलिस और ग्राम प्रहरियों को अत्याधुनिक टॉर्च उपलब्ध कराई गई हैं। नगर पालिका अध्यक्ष कर्णप्रयाग गणेश लाल शाह ने थाना नंदानगर को पांच एलईडी टॉर्च सौंपीं। इसके अलावा थाना नंदानगर क्षेत्र में तैनात 51 ग्राम प्रहरियों को भी एक-एक टॉर्च वितरित की गई। इस सहयोग से आपदा के समय रात में होने वाले खोज, बचाव और राहत कार्यों में पुलिस तथा स्थानीय लोगों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित हो सकेगा। नगर पालिका अध्यक्ष ने कहा कि मानसून के दौरान अतिवृष्टि और भूस्खलन जैसी घटनाओं के बीच पुलिस जवान और ग्राम प्रहरी दिन-रात राहत एवं बचाव कार्यों में जुटे रहते हैं। रात के समय पर्याप्त रोशनी उपलब्ध होना ऐसे अभियानों के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। उन्होंने अपने परिवार के नंदानगर क्षेत्र से पुराने जुड़ाव का भी उल्लेख किया। इससे पहले उन्होंने पुलिस कार्यालय गोपेश्वर में पुलिस अधीक्षक चमोली सुरजीत सिंह पंवार से मुलाकात कर प्रतीक स्वरूप अत्याधुनिक टॉर्च भेंट की थी।

चीनी की जमाखोरी पर प्रशासन सख्त पौड़ी के 11 बाजारों में एक साथ छापेमारी

भारतेंदु संवाददाता,पौड़ी गढ़वाल। पौड़ी गढ़वाल में त्योहारी सीजन के दौरान चीनी की उपलब्धता बनाए रखने और जमाखोरी व कालाबाजारी पर रोक लगाने के लिए प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। जिलाधिकारी स्वाति एस. भदौरिया के निर्देश पर खाद्य एवं पूर्ति विभाग ने जिलेभर में व्यापक जांच अभियान चलाया। जिला पूर्ति अधिकारी अरुण कुमार वर्मा के नेतृत्व में गठित 11 टीमों ने अलग-अलग बाजारों में एक साथ छापेमारी कर दुकानों में चीनी के स्टॉक और उपलब्धता की जांच की।

अधिकारियों ने कोटद्वार, पौड़ी, श्रीनगर, पाबौ, लैंसडाउन, सतपुली, लक्ष्मणझूला, चौबट्टाखाल, रिखणीखाल, दुगड्डा और उफरैंखाल बाजारों में दुकानों का औचक निरीक्षण किया। टीमों ने व्यापारियों को निर्धारित नियमों के अनुसार कारोबार करने और उपभोक्ताओं की जरूरत को देखते हुए चीनी का

◆ **त्योहारों से पहले प्रशासन अलर्ट, चीनी के अवैध भंडारण पर 11 टीमों ने मारा छापा**

अनावश्यक भंडारण नहीं करने के निर्देश दिए। जिला पूर्ति अधिकारी ने कहा कि आम लोगों को आवश्यक खाद्य सामग्री आसानी से उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिकता है। बाजारों में नियमित निरीक्षण के साथ अचानक जांच भी जारी रहेगी।

चमोली में भूस्खलन बना बाधा, गर्भवती महिला ने 10 किमी पैदल तय किया रास्ता

भारतेंदु संवाददाता, चमोली। चमोली की निजमुला घाटी के ईराणी गांव में भूस्खलन से सड़क बंद होने के कारण गर्भवती हेमा नेगी को अस्पताल पहुंचाने में परेशानी हुई। आशा कार्यकर्ता और स्वजन उन्हें करीब 10 किलोमीटर पैदल पगना गांव तक लेकर पहुंचे। रास्ते में उफनते नाले को भी पार करना पड़ा। पगना पहुंचने के बाद महिला को वाहन से जिला अस्पताल गोपेश्वर ले जाया गया। घटना ने पहाड़ों में स्वास्थ्य सुविधाओं की चुनौती उजागर की।

न्यूज ब्रीफ

अंतरराष्ट्रीय वॉलीबॉल खिलाड़ी रतीश नायर को खिलाड़ियों ने दी भावभीनी श्रद्धांजलि

भारतेंदु संवाददाता,अनिल थपलियाल। देहरादून में ओएनजीसी के वॉलीबॉल मैदान पर अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी रतीश नायर को भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई। 2003 विश्व चैंपियनशिप में कप्तान रहे रतीश नायर का 46 वर्ष की उम्र में निधन हो गया था। वह लंबे समय से कैंसर से जूझ रहे थे। उनके नेतृत्व में उत्तराखंड की वॉलीबॉल टीम ने सात बार राष्ट्रीय चैंपियनशिप में राज्य का प्रतिनिधित्व किया और कई बार राष्ट्रीय स्तर पर शानदार प्रदर्शन किया। उत्तराखंड में आयोजित 38वें राष्ट्रीय खेलों में रतीश नायर राज्य टीम के मुख्य कोच भी रहे। ओएनजीसी में कार्यरत इस प्रतिभाशाली खिलाड़ी के आकस्मिक निधन से खेल जगत में शोक की लहर है। रविवार को ओएनजीसी परिसर में आयोजित श्रद्धांजलि सभा में खिलाड़ियों और खेल प्रेमियों ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। खेल समन्वयक अवनीश यादव, अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी अरुण कुमार सूद, पवन सैनी सहित कई खिलाड़ियों ने रतीश नायर के योगदान को याद किया और उनके निधन को वॉलीबॉल जगत के लिए अपूरणीय क्षति बताया।

सहस्त्रधारा में स्नान के दौरान बहा व्यक्ति दो किमी दूर मिला शव

भारतेंदु संवाददाता,अनिल थपलियाल। देहरादून के पर्यटक स्थल सहस्त्रधारा में रविवार को स्नान के दौरान तेज बहाव में बह गए करीब 50 वर्षीय व्यक्ति की तलाश में एसडीआरएफ ने सघन अभियान चलाया। सूचना मिलते ही सहस्त्रधारा स्थित एसडीआरएफ टीम अतिरिक्त उपनिरीक्षक मनोज जोशी के नेतृत्व में मौके पर पहुंची और संभावित स्थानों पर तलाश शुरू की। लगातार खोजबीन के दौरान जवानों ने झरने से करीब दो किलोमीटर दूर पांडव वाला पुल के पास व्यक्ति का शव बरामद किया। मृतक की पहचान नौथ राम निवासी दिल्ली के रूप में हुई है। शव आवश्यक कार्रवाई के लिए जिला पुलिस को सौंप दिया गया।

गुरुकुल आश्रम पोंधा में रोपे 100 से अधिक पौधे

भारतेंदु संवाददाता,अनिल थपलियाल। देहरादून के पोंधा स्थित गुरुकुल आश्रम में क्लीन एंड ग्रीन एनवायरनमेंट समिति ने मानसून सत्र का सातवां वृक्षारोपण अभियान चलाया। इस दौरान कनेर, चंपा, गुलमोहर, नीम, बांस और रात की रानी समेत 100 से अधिक पौधे लगाए गए। समिति अध्यक्ष राम कपूर ने कहा कि साल के पेड़ों के बीच खाली स्थानों पर फूलदार पौधे लगाने से आश्रम की सुंदरता बढ़ेगी। गुरुकुल के बच्चों ने भी अभियान में सहयोग किया।

भारी बारिश के बीच माल रोड पर गिरा पेड होटल की छत क्षतिग्रस्त

भारतेंदु संवाददाता,अनिल थपलियाल। मसूरी में लगातार हो रही भारी बारिश के बीच रविवार देर रात माल रोड स्थित गढ़वाल टैरेस के पास एक पेड़ अचानक सड़क पर गिर गया। पेड़ की चपेट में आने से सड़क किनारे लगी रेलिंग टूट गई और होटल सूर्य किरण की छत व वहां खड़ी गाड़ी क्षतिग्रस्त हो गई। राहत की बात रही कि कोई पर्यटक या अन्य व्यक्ति घायल नहीं हुआ। सूचना पर विभागीय टीम ने पेड़ हटाकर यातायात सुचारू कराया।

ऋषिकेश में 600 श्रमिक परिवारों को मिली स्वास्थ्य, पोषण और शिक्षा की सौगात

ऋषिकेश में श्रमिक कल्याण कार्यक्रम, महिलाओं और बच्चों को मिली सहायता

भारतेंदु संवाददाता,अनिल थपलियाल

ऋषिकेश में उत्तराखंड भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड की ओर से श्रम विभाग में पंजीकृत श्रमिकों के लिए विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। भारत मंदिर पब्लिक स्कूल प्रांगण, झंडा चौक में आयोजित कार्यक्रम में ऋषिकेश विधायक एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री डॉ. प्रेमचंद अग्रवाल ने प्रतिभाग किया। इस दौरान श्रमिकों का स्वास्थ्य परीक्षण कराया गया और करीब 600 लाभार्थियों को स्वास्थ्य पोषक आहार किट, बच्चों के लिए शिक्षा किट तथा महिलाओं के लिए महिला स्वास्थ्य किट वितरित की गई।

◆ **श्रमिक प्रदेश और देश के विकास की आधारशिला हैं: डॉ. अग्रवाल**

डॉ. अग्रवाल ने कहा कि श्रमिक प्रदेश और देश के विकास की आधारशिला हैं। उनके परिश्रम से निर्माण कार्यों को गति मिलती है। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार श्रमिकों के सामाजिक, आर्थिक और स्वास्थ्य संबंधी हितों के लिए लगातार कार्य कर रही हैं। श्रमिकों के लिए सामाजिक सुरक्षा, स्वास्थ्य सुविधा, कौशल विकास, रोजगार और कल्याणकारी योजनाएं संचालित की जा रही हैं।

उन्होंने कहा कि श्रमिक परिवारों के बच्चों की शिक्षा और महिलाओं के स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए भी सरकार गंभीरता से प्रयास कर रही है। उन्होंने श्रम विभाग और कर्मकार कल्याण बोर्ड के अधिकारियों से अधिक से अधिक पंजीकृत श्रमिकों को सरकारी योजनाओं की जानकारी देकर उनका लाभ दिलाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में विभागीय अधिकारी, जनप्रतिनिधि और अन्य लोग मौजूद रहे।

ऋषिकेश में 'किंग ऑफ उत्तराखंड' गैंग पर पुलिस का शिकंजा, तीन गिरफ्तार

भारतेंदु संवाददाता,अनिल थपलियाल। ऋषिकेश पुलिस ने भूमि और पारिवारिक विवादों में दखल देकर लोगों को डराने-धमकाने, मारपीट, अवैध वसूली और ब्लैकमेलिंग के आरोप में गैंग लीडर जगजीत उर्फ जग्गा समेत तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार जग्गा खुद को 'किंग ऑफ उत्तराखंड' बताकर लोगों पर रौब जमाता था। उसकी निशानदेही पर घर से 'किंग ऑफ उत्तराखण्ड' लिखा बोर्ड भी बरामद किया गया। गिरफ्तार आरोपितों में प्रणव उर्फ राघव बत्रा और दीपेश कुमार शामिल हैं। गिरोह के एक अन्य सदस्य रवि गुप्ता की तलाश में पुलिस लगातार दबिश दे रही है। पुलिस के मुताबिक वर्ष 2016 से 2026 के बीच गिरोह से जुड़े आरोपितों पर 11 मुकदमे दर्ज हैं। इनमें मारपीट, धमकी, ब्लैकमेलिंग सहित अन्य गंभीर मामले शामिल हैं। पुलिस ने गिरोह के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट के तहत भी कार्रवाई शुरू की है।

चंपावत में पिरूल से तैयार हो रहा खास ईंधन, ग्रामीणों को रोजगार

चंपावत। उत्तराखंड के पहाड़ी क्षेत्रों में चीड़ की सूखी पत्तियां यानी पिरूल लंबे समय से जंगलों में आग का बड़ा कारण बनती रही हैं। अब इन्हीं पत्तियों को उपयोगी ईंधन में बदलकर चंपावत ने पर्यावरण संरक्षण और ग्रामीण आजीविका का नया मॉडल प्रस्तुत किया है। लधियाघाटी के भिगराड़ा गांव में स्थापित पिरूल ब्रिकेट इकाई में पिरूल से जैव ईंधन तैयार किया जा रहा है। इस परियोजना से जंगलों में बिखरे पिरूल को हटाने में मदद मिल रही है, जिससे वनाग्नि का खतरा कम होने की उम्मीद है।

◆ **चीड़ की पत्तियां बनीं ऊर्जा का साधन, चंपावत मॉडल की बढ़ी चर्चा**

उत्तराखंड राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद को नोडल एजेंसी बनाकर भारतीय पेट्रोलियम संस्थान के सहयोग से शुरू की गई यह परियोजना स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा दे रही है। इकाई में पिरूल को प्रसंस्कृत कर ब्रिकेट तैयार किए जाते हैं, जिनका उपयोग ईंधन के रूप में किया जा सकता है। इससे पारंपरिक ईंधन पर निर्भरता कम करने में मदद मिल सकती है।

पिरूल मॉडल की खासियत यह है कि इससे पर्यावरण संरक्षण के साथ ग्रामीणों के लिए रोजगार और आय के अवसर भी तैयार होते हैं। पिरूल एकत्र करने से ग्रामीणों को आर्थिक लाभ मिल सकता है। इस तरह जंगलों की सफाई, वनाग्नि नियंत्रण, स्वच्छ ऊर्जा और ग्रामीण रोजगार को एक साथ बढ़ावा देने का प्रयास किया जा रहा है। चंपावत का यह मॉडल पहाड़ी क्षेत्रों में प्रकृति के अनुरूप विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

राधा-कृष्ण के जयकारों से गूंजा गोपेश्वर पुलिस लाइन मंदिर परिसर

भारतेंदु संवाददाता,उदित नैनवाल

गोपेश्वर रिजर्व पुलिस लाइन स्थित मंदिर में श्री राधा-कृष्ण की नवीन मूर्तियों की विधि-विधान से प्राण प्रतिष्ठा की गई। वैदिक मंत्रोच्चार, पूजा-अर्चना और हवन के साथ धार्मिक अनुष्ठान संपन्न हुआ। पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों ने आहुति देकर सुख-शांति एवं समृद्धि की कामना की। एसपी चमोली सुरजीत सिंह पंवार ने पूजा कर जनपदवासियों और पुलिस परिवार के मंगलमय जीवन की प्रार्थना की।

देशसेवा सीमा सुरक्षा और नशामुक्ति के संदेश के साथ दौड़ा देहरादून, मैराथन में उमड़ा उत्साह

नशे से दूर रहकर राष्ट्र निर्माण में योगदान दें युवा : डॉ. शैलेंद्र

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून

देहरादून के परेड ग्राउंड में रविवार को सीमा सुरक्षा और नशामुक्ति के संदेश के साथ 'परेड ग्राउंड मैराथन-2026' का आयोजन किया गया। सीमा जागरण मंच उत्तराखंड एवं विमला देवी मेमोरियल शिक्षा समिति के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस मैराथन में बड़ी संख्या में धावकों और युवाओं ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य लोगों में देश की सीमाओं की सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने के साथ ही युवाओं को नशे से दूर रहने और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना था। आयोजन के दौरान देशभक्ति का माहौल देखने को मिला और प्रतिभागियों में खासा उत्साह नजर आया।

मैराथन का शुभारंभ राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रांत प्रचारक डॉ. शैलेंद्र ने मुख्य शिक्षा अधिकारी गोविंद राम जायसवाल, कार्यक्रम अध्यक्ष मेजर जनरल गुलाब सिंह रावत और पीसीएस अधिकारी रमेंदी मंद्रवाल के साथ हरी झंडी दिखाकर किया। इस अवसर पर डॉ. शैलेंद्र ने कहा कि देश की सीमाओं की सुरक्षा केवल सीमा पर तैनात जवानों की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि प्रत्येक नागरिक का भी दायित्व है। उन्होंने लोगों से राष्ट्रीय सुरक्षा के प्रति सजग और जागरूक रहने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि देश की सुरक्षा को मजबूत

◆ **परेड ग्राउंड मैराथन में दिखा देशभक्ति का जज्बा, विजेताओं को किया सम्मानित**

बनाने के लिए नागरिकों में जिम्मेदारी और राष्ट्रहित की भावना जरूरी है।

डॉ. शैलेंद्र ने युवाओं को देश की सबसे बड़ी शक्ति बताते हुए उन्हें नशे से दूर रहने की अपील की। उन्होंने कहा कि युवा अपनी ऊर्जा और क्षमता का उपयोग सकारात्मक कार्यों में करें। स्वस्थ, अनुशासित और जागरूक युवा ही मजबूत राष्ट्र की नींव तैयार कर सकते हैं। उन्होंने धावकों से खेल भावना और अनुशासन के साथ राष्ट्रहित से जुड़े कार्यों में योगदान देने का आह्वान किया। उनके संबोधन के दौरान युवाओं में उत्साह दिखाई दिया।

मैराथन के दौरान देशभक्ति गीतों और 'ऑपरेशन सिंदूर' से जुड़ी प्रस्तुतियों ने भी प्रतिभागियों का उत्साह बढ़ाया। कार्यक्रम स्थल पर राष्ट्रभक्ति का माहौल बना रहा। प्रतिभागियों ने पूरे जोश के साथ दौड़ में हिस्सा लिया। आयोजकों ने बताया कि मैराथन के माध्यम से लोगों को यह संदेश देने का प्रयास किया गया कि शारीरिक रूप से स्वस्थ और मानसिक रूप से जागरूक समाज ही देश को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

प्रतिभागियों ने राष्ट्रहित के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दिखाई

मैराथन में सीमा सुरक्षा और नशामुक्ति जैसे महत्वपूर्ण विषयों को जोड़कर आम लोगों तक संदेश पहुंचाने का प्रयास किया गया। कार्यक्रम में शामिल प्रतिभागियों ने भी स्वस्थ जीवन, अनुशासन और राष्ट्रहित के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दिखाई। देहरादून में आयोजित यह मैराथन युवाओं को सकारात्मक दिशा देने और नागरिकों में राष्ट्रीय सुरक्षा के प्रति जिम्मेदारी की भावना बढ़ाने का माध्यम बनी।

प्रतियोगिता में पुरुष वर्ग में मुकेश ने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया। रोहित दूसरे और प्रिंस तीसरे स्थान पर रहे। महिला वर्ग में रविन ने प्रथम स्थान हासिल किया, जबकि तनु दूसरे और गायत्री तीसरे स्थान पर रहीं। प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन करने वाले विजेताओं को खेल प्रमाण पत्र और नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। सम्मान मिलने पर विजेताओं और उनके समर्थकों में खुशी का माहौल रहा। आयोजन में विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े पदाधिकारी और कार्यकर्ता भी मौजूद रहे। प्रदेश संगठन मंत्री आशीष वाजपेयी, प्रांत कार्यकारिणी सदस्य विपुल गुप्ता, सह प्रांत प्रचारक चंद्रशेखर, महानगर प्रचारक देव राज, सीमा जागरण मंच के सह संयोजक शैलेश शर्मा, हरविंदर सिंह, दुर्गेश भट्ट, राजन गुप्ता, ओमप्रकाश शुक्ला और अरविंद तिवारी सहित कई लोग कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

जालंधर में तैनात हुई बाज ड्रोन बटालियन, सीमा सुरक्षा होगी और मजबूत

पाकिस्तान सीमा पर बढ़ेगी निगरानी, आधुनिक ड्रोन प्रणालियों से लैस होगी नई बटालियन, मजबूत होगी सुरक्षा व्यवस्था

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

पंजाब में सीमा सुरक्षा को मजबूत करने की दिशा में भारतीय सेना ने अहम कदम उठाते हुए जालंधर कैंट में 11वीं वज्र कोर के तहत 'बाज ड्रोन बटालियन' की तैनाती की है। सेना ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर नई यूनिट की जानकारी और तस्वीरें साझा की हैं। पंजाब में तैनात होने वाली यह महत्वपूर्ण ड्रोन यूनिट सीमावर्ती क्षेत्रों की निगरानी के साथ ड्रोन आधारित सैन्य क्षमताओं को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाएगी।

नई यूनिट के जरिए पाकिस्तान सीमा से सटे पंजाब के संवेदनशील इलाकों में निगरानी व्यवस्था को और प्रभावी बनाने पर जोर दिया जाएगा। फिरोजपुर, फाजिल्का, अमृतसर, गुरदासपुर और पठानकोट जैसे सीमावर्ती जिलों में ड्रोन गतिविधियों पर नजर रखने के लिए जालंधर की स्थिति रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण मानी जा रही है। जालंधर कैंट में वज्र कोर की मौजूदगी और सैन्य सुविधाओं के कारण यहां से ड्रोन यूनिट के संचालन तथा कमांड-कंट्रोल में भी सुविधा मिलने की उम्मीद है।

स्वदेशी ड्रोन के साथ अत्याधुनिक प्रणालियां : 'बाज ड्रोन बटालियन' में भारत में विकसित ड्रोन प्रणालियों के अलावा हेरॉन और हर्मीस जैसे आधुनिक ड्रोन सिस्टम भी शामिल किए गए हैं। इन प्रणालियों के जरिए निगरानी, सूचना जुटाने और विभिन्न सैन्य अभियानों में सहायता लेने की क्षमता बढ़ेगी। यूनिट में तकनीकी विशेषज्ञों की टीम भी तैनात है, जो ड्रोन से प्राप्त जानकारी और आंकड़ों की वास्तविक समय में प्रक्रिया करने तथा आधुनिक ड्रोन संचालन को संभालने में सक्षम होगी।

पंजाब की अंतरराष्ट्रीय सीमा लंबे समय से ड्रोन गतिविधियों के कारण सुरक्षा एजेंसियों के लिए चुनौती बनी हुई है। सीमा पार से ड्रोन के माध्यम से हथियार, नशीले पदार्थ और अन्य संदिग्ध सामग्री भेजे जाने के मामले सामने आते रहे हैं। ऐसे में आधुनिक ड्रोन तकनीक के माध्यम से सीमा पर लगातार निगरानी रखना सुरक्षा व्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा बन गया है।

फिरोजपुर से पठानकोट तक निगरानी पर जोर : पंजाब का पाकिस्तान के साथ लगने वाला सीमा क्षेत्र सुरक्षा की दृष्टि से बेहद संवेदनशील है। फिरोजपुर और फाजिल्का सेक्टर से लेकर अमृतसर, गुरदासपुर और पठानकोट तक सीमा पर ड्रोन गतिविधियों पर सुरक्षा एजेंसियां लगातार नजर रखती हैं। नई बटालियन की तैनाती से इन क्षेत्रों में निगरानी क्षमता को तकनीकी रूप से मजबूत करने में मदद मिलने की उम्मीद है।

जालंधर इन सीमावर्ती क्षेत्रों के बीच अपेक्षाकृत केंद्रीय स्थान पर स्थित है। यहां 11वीं वज्र कोर का मुख्यालय होने के साथ आसपास सैन्य और वायु सुविधाएं भी मौजूद हैं। इस कारण नई ड्रोन बटालियन को संचालन, सूचना के आदान-प्रदान और कमांड-कंट्रोल के लिहाज से रणनीतिक लाभ मिल सकता है।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद ड्रोन युद्धक क्षमता पर बढ़ा फोकस: हाल के सैन्य अभियानों में ड्रोन की बढ़ती भूमिका ने आधुनिक युद्ध की रणनीति को तेजी से बदला है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भी पंजाब के कई इलाकों में पाकिस्तानी ड्रोन गतिविधियों की खबरें सामने आई थीं। इसके बाद सीमा पर ड्रोन की पहचान, निगरानी, उन्हें निष्क्रिय करने और जरूरत पड़ने पर जवाबी कार्रवाई की क्षमता बढ़ाने पर विशेष जोर दिया गया है।

नशामुक्त पंजाब का संकल्प, जालंधर में यूथ रन को मिला जबरदस्त जनसमर्थन

भारतेन्दु संवाददाता, जालंधर

पंजाब सरकार की ओर से नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत रविवार को जालंधर में पंजाब यूथ रन-2026 का आयोजन किया गया। दौड़ में बच्चों, युवाओं, महिलाओं और बुजुर्गों सहित विभिन्न वर्गों के लोगों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। प्रतिभागियों ने नशे के खिलाफ आवाज बुलंद करते हुए स्वस्थ और नशामुक्त पंजाब का संदेश दिया।

दौड़ की शुरुआत शिवानी पार्क से हुई। प्रतिभागी गुरु अमरदास चौक, गुरु नानक मिशन चौक, स्काईलार्क चौक और संविधान चौक से होते हुए वापस शिवानी पार्क पहुंचे। पूरे मार्ग पर लोगों में खासा उत्साह देखने को मिला। प्रतिभागियों ने नशे से दूर रहने और युवाओं को खेलों से जोड़ने का संदेश दिया।

कार्यक्रम में आम आदमी पार्टी के पंजाब प्रभारी मनीष सिसोदिया मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उनके अलावा सेंट्रल हलके के प्रभारी नितिन कोहली, मेयर एवं नार्थ हलके के प्रभारी वनीत धीर, जालंधर कैंट प्रभारी राजविंदर कौर थियारा और काकू आहलुवालिया सहित कई नेता मौजूद रहे।

प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को पदक, स्मृति चिह्न और नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। आयोजकों ने कहा कि दौड़ में बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक की भागीदारी यह दर्शाती है कि समाज नशे के खिलाफ एकजुट है।

कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि नशे की समस्या के कारण कई परिवार प्रभावित हो रहे हैं और युवाओं का भविष्य खराब हो रहा है। इसलिए पंजाब को नशामुक्त बनाने के लिए सामूहिक प्रयास जरूरी हैं। युवाओं को नशे से दूर रखने के लिए उन्हें खेल और सकारात्मक गतिविधियों से जोड़ना महत्वपूर्ण है।

उन्होंने कहा कि 'खेड़ा वतन पंजाब दियां' के आगामी चौथे सत्र में भी विभिन्न वर्गों के लोगों को खेलों से जोड़ने का प्रयास किया जाएगा। खेल युवाओं को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने और अपनी प्रतिभा निखारने का बेहतर अवसर देते हैं।

न्यूज ब्रीफ

चंडीगढ़ से छह राज्यों तक शराब तस्करी 2371 पेटियां की जब्त

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़। चंडीगढ़ से शराब की कथित अंतरराज्यीय तस्करी का बड़ा नेटवर्क सामने आया है। पिछले करीब दो महीनों में पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, उत्तर प्रदेश और बिहार समेत छह राज्यों में चंडीगढ़ की शराब की बड़ी खेप पकड़ी गई है। अलग-अलग स्थानों से अब तक 2371 से अधिक पेटियां बरामद होने की जानकारी सामने आई है। मामले ने चंडीगढ़ के आबकारी विभाग की कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। इतनी बड़ी मात्रा में शराब शहर से दूसरे राज्यों तक पहुंचने के बावजूद विभाग अभी तक यह पता नहीं लगा पाया है कि शराब चंडीगढ़ के किस ठेके या बाटलिंग प्लांट से निकलकर तस्करी के लिए भेजी जा रही थी। जानकारी के अनुसार, पिछले दो महीनों के दौरान विभिन्न राज्यों में पुलिस और आबकारी विभाग की कार्रवाई में चंडीगढ़ की शराब बरामद हुई। इससे संकेत मिल रहे हैं कि शराब की आपूर्ति का नेटवर्क शहर से बाहर तक सक्रिय है। जांच एजेंसियां अब यह पता लगाने में जुटी हैं कि खेप किन रास्तों से दूसरे राज्यों तक पहुंचाई जा रही थी और इसमें कौन-कौन लोग शामिल हैं।

मोती नगर पुल पर हथियार दिखाकर लूटी बाइक

भारतेन्दु संवाददाता, लुधियाना। मोती नगर पुल पर देर रात बाइक सवार युवक को हथियार के बल पर रोककर मोटरसाइकिल लूटने का मामला सामने आया है। घर लौट रहे युवक को तीन अज्ञात बाइक सवार बदमाशों ने घेर लिया और तेजधार हथियार दिखाकर उसकी होंडा एसपी-125 मोटरसाइकिल छीनकर फरार हो गए। पीड़ित सुभाष सिंह ने पुलिस को बताया कि एक अगस्त को वह अपनी काले रंग की मोटरसाइकिल से घर जा रहा था। मोती नगर पुल पर पहुंचते ही एक बाइक पर सवार तीन युवकों ने उसे जबरन रोक लिया। आरोपितों ने लोहे का तेजधार हथियार निकालकर उसे जान से मारने की धमकी दी और उसकी मोटरसाइकिल लूट ली। इसके बाद तीनों बदमाश हथियार लहराते हुए मौके से फरार हो गए। पीड़ित की शिकायत पर थाना मोती नगर पुलिस ने अज्ञात आरोपितों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है। फुटेज के आधार पर बदमाशों के भागने के रास्ते और उनकी पहचान का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है।

ईसीएचएस में 100 करोड़ के फर्जीवाड़े का सीबीआई ने किया पर्दाफाश

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़। पूर्व सैनिकों और उनके आश्रितों के इलाज के लिए संचालित ईसीएचएस योजना में 100 करोड़ रुपये से अधिक के कथित फर्जीवाड़े का मामला सामने आया है। सीबीआई जांच में मरीजों को बिना जरूरत अस्पताल में भर्ती दिखाकर मेडिकल प्रतिपूर्ति के दावे लेने, फर्जी जांच रिपोर्ट और दवाओं के बढ़े हुए बिल तैयार करने जैसी अनियमितताओं के आरोप सामने आए हैं। जांच एजेंसी के अनुसार एक ही मरीज को अलग-अलग समय में कई अस्पतालों में भर्ती दिखाकर कथित तौर पर फर्जी दावे किए गए। मंथन हेल्थकेयर, धर्म अस्पताल, केयर पार्टनर हार्ट सेंटर और दो बिल क्लर्क समेत आठ आरोपितों के खिलाफ मामला दर्ज है।

अमृतसर में हथियार तस्करी गिरोह का भंडाफोड़ दो आरोपित गिरफ्तार

भारतेन्दु संवाददाता, अमृतसर। काउंटर इंटेलिजेंस की अमृतसर टीम ने हथियार तस्करी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से 10 विदेशी पिस्टल, 10 मैगजीन और नौ एमएम के 10 जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपित विदेश में बैठे एक हैंडलर के संपर्क में थे। पूछताछ के दौरान आरोपितों ने बताया कि बरामद हथियार कुछ दिन पहले ड्रोन के माध्यम से सीमा पार से भारतीय क्षेत्र में पहुंचाए गए थे। इसके बाद हथियारों को एकत्र कर पंजाब में आगे सप्लाई करने की तैयारी थी।

डीबीए चुनाव की तारीख तय, 11 सितंबर को मतदान; महिला अधिवक्ताओं को कई पदों में मिलेगा आरक्षण

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

जिला बार एसोसिएशन (डीबीए), चंडीगढ़ के वर्ष 2026 के चुनाव का कार्यक्रम जारी कर दिया गया है। चुनाव समिति की ओर से जारी कार्यक्रम के अनुसार 11 सितंबर 2026 को जिला न्यायालय परिसर, सेक्टर-43 में मतदान होगा। चुनाव की घोषणा के साथ ही अधिवक्ताओं के बीच चुनावी गतिविधियां तेज होने की संभावना है।

उम्मीदवार 25 और 26 अगस्त को अपने नामांकन पत्र दाखिल कर सकेंगे। नामांकन पत्र जिला न्यायालय परिसर के सर्विस ब्लॉक की पहली मंजिल स्थित कार्यकारी समिति के कार्यालय में जमा किए जाएंगे। नामांकन पत्रों की जांच 27 अगस्त तक पूरी की जाएगी। वहीं, उम्मीदवार 29 अगस्त को दोपहर 2:15 बजे से शाम 4 बजे तक अपना नामांकन वापस ले सकेंगे।

मतदान 11 सितंबर को दो पालियों में कराया जाएगा। पहली पाली में सुबह 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक और दूसरी पाली में दोपहर 2 बजे से शाम 4:30 बजे तक मतदान होगा। मतदान स्थल जिला न्यायालय परिसर, सेक्टर-43 के सर्विस ब्लॉक की पहली मंजिल स्थित जेंट्स बार रूम रहेगा।

कई पदों पर होगा चुनाव : डीबीए चुनाव में अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, महिला अधिवक्ताओं के लिए आरक्षित उपाध्यक्ष, सचिव, संयुक्त सचिव, कोषाध्यक्ष और महिला अधिवक्ताओं के लिए आरक्षित लाइब्रेरी सचिव के पद शामिल हैं। इसके अलावा वरिष्ठ और कनिष्ठ कार्यकारी सदस्यों के पांच-पांच पदों के लिए भी चुनाव होगा। दोनों श्रेणियों में दो-दो पद महिला अधिवक्ताओं के लिए आरक्षित रखे गए हैं।

चुनाव समिति ने विभिन्न पदों के लिए नामांकन शुल्क भी तय किया है। अध्यक्ष पद के लिए 41 हजार रुपये, उपाध्यक्ष और सचिव पद के लिए 31-31 हजार रुपये, संयुक्त सचिव व कोषाध्यक्ष के लिए 21-21 हजार रुपये शुल्क निर्धारित है। लाइब्रेरी सचिव के लिए भी 21 हजार रुपये शुल्क होगा।

डडूमाजरा में 40 फीट नीचे मिला कचरा 220 करोड़ खर्च पर उठे गंभीर सवाल

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

डडूमाजरा डंपिंग ग्राउंड में कचरा प्रबंधन के नाम पर वर्षों से करोड़ों रुपये खर्च किए जाने के बावजूद जमीन के नीचे 9 से 13 मीटर यानी करीब 30 से 40 फीट तक पुराना कचरा मिलने का मामला सामने आया है। आम आदमी पार्टी ने इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन लिमिटेड की व्यवहार्यता रिपोर्ट का हवाला देते हुए नगर निगम की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए हैं। पार्टी नेताओं ने पूरे मामले की निष्पक्ष और स्वतंत्र उच्चस्तरीय जांच की मांग की है।

आप चंडीगढ़ के मुख्य प्रवक्ता योगेश ढींगरा, पूर्व मेयर एवं पार्षद कुलदीप कुमार ढालोर और कोर कमेटी अध्यक्ष प्रेम गर्ग ने प्रेस कान्फ्रेंस में कहा कि डडूमाजरा में कचरा प्रसंस्करण, जैव-खनन और पुराने कचरे के निस्तारण पर करीब 220 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं। इसके बावजूद तकनीकी आकलन में जमीन के नीचे बड़ी मात्रा में पुराना कचरा पाया गया है।

आप नेताओं के अनुसार नवंबर 2025 में नगर निगम और आईओसीएल के बीच अलग किए गए जैविक नगर ठोस कचरे से संपीड़ित जैव गैस संयंत्र लगाने की प्रक्रिया शुरू हुई थी। प्रस्तावित स्थल के तकनीकी, वित्तीय और भू-तकनीकी आकलन के दौरान 9 से 13 मीटर तक पुराना कचरा मिला। इसके नीचे कठोर मिट्टी की परत भी सामने आई। ऐसे में मौजूदा जमीन को संयंत्र के लिए उपयुक्त नहीं माना गया और वैकल्पिक स्थल की जरूरत पड़ी।

योगेश ढींगरा ने सवाल उठाया कि यदि वर्षों से वैज्ञानिक तरीके से कचरे की प्रोसेसिंग और जैव-खनन किया जा रहा था तो जमीन के नीचे इतनी गहराई तक पुराना कचरा कैसे मौजूद रहा। उन्होंने कचरा प्रसंस्करण, जैव-खनन, परिवहन और लैंडफिल प्रबंधन पर हुए खर्च का पूरा ब्योरा सार्वजनिक करने की मांग की।

पार्टी ने यह भी पूछा कि अब तक कितने टन कचरे की प्रोसेसिंग हुई, कितना आरडीएफ, खाद और जैव-मिट्टी तैयार हुई तथा कितना अनुपयोगी कचरा लैंडफिल में भेजा गया।

पुलिस महानिदेशक को हर सोमवार समीक्षा बैठक कर लंबित जांच जल्द पूरी कराने के निर्देश

पंजाब में लंबित मामलों की जांच पर हाई कोर्ट सख्त, तीन साल पुराने मामलों पर मांगी रिपोर्ट

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट ने पंजाब में आपराधिक मामलों की जांच में हो रही अत्यधिक देरी को गंभीरता से लेते हुए पुलिस विभाग को कड़े निर्देश जारी किए हैं। न्यायमूर्ति एनएस शेखावत की अदालत ने राज्य के सभी वरिष्ठ पुलिस अधीक्षकों और पुलिस आयुक्तों को अपने-अपने क्षेत्रों में तीन वर्ष से अधिक समय से लंबित आपराधिक मामलों की पूरी सूची दाखिल करने का आदेश दिया है।

अदालत ने पंजाब के पुलिस महानिदेशक को भी प्रत्येक सोमवार सभी वरिष्ठ पुलिस अधीक्षकों और पुलिस आयुक्तों के साथ आभासी बैठक करने के निर्देश दिए हैं। इन बैठकों में लंबित जांच की समीक्षा कर उन्हें जल्द पूरा कराने की निगरानी की जाएगी।

अमृतसर ग्रामीण में 565 प्राथमिकी लंबित : मामला जसमाल सिंह उर्फ घोघा उर्फ सोनू की याचिका की सुनवाई के दौरान सामने आया। अदालत ने इससे पहले 23 जुलाई को पाया था कि अमृतसर ग्रामीण के कंबोज थाने में एक सितंबर 2023 को भारतीय दंड संहिता की धारा 302/34 के तहत दर्ज प्राथमिकी में नामजद आरोपितों को दो वर्ष से अधिक समय तक गिरफ्तार नहीं किया गया था। हाई कोर्ट के आदेश के बाद पुलिस सक्रिय हुई और याचिकाकर्ता को गिरफ्तार किया गया।

इसके बाद अदालत ने अमृतसर ग्रामीण जिले में तीन वर्ष से अधिक समय से लंबित सभी जांच का विस्तृत ब्योरा मांगा। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक की ओर से दाखिल हलफनामे में सामने आया कि जिले के विभिन्न थानों में 565 प्राथमिकी की जांच तीन वर्ष से अधिक समय से लंबित है।

इन मामलों में 1219 आरोपितों को गिरफ्तार किया जा चुका है, जबकि 105 आरोपितों को निर्दोष पाया गया है। इसके बावजूद 1168 आरोपित अभी भी गिरफ्तार नहीं किए गए हैं। रिपोर्ट के अनुसार केवल 48 आरोपितों को भगोड़ा घोषित किया गया है। हाई कोर्ट ने इस स्थिति को बेहद गंभीर माना।

80 मामलों की जांच फाइलें गायब : सुनवाई के दौरान एक और गंभीर तथ्य सामने आया। जिले में 80 मामलों की जांच से संबंधित फाइलें ही उपलब्ध नहीं हैं। अदालत ने इस पर कड़ी नाराजगी जताते हुए कहा कि तीन वर्ष से अधिक समय बीत जाने के बाद भी जांच फाइलों का गायब होना पुलिस की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े करता है।

अदालत ने कहा कि 565 प्राथमिकी की जांच इतने लंबे समय तक लंबित रहना पीड़ादायक है। जांच में इस तरह की देरी का सीधा असर अपराध के पीड़ितों पर पड़ता है और उन्हें न्याय के लिए लंबे समय तक इंतजार करना पड़ता है।

पुलिस अधिकारियों की निगरानी पर सवाल : हाई कोर्ट ने संबंधित थानों के पर्यवेक्षण अधिकारियों की भूमिका पर भी सवाल उठाए। अदालत ने कहा कि पिछले तीन वर्षों के दौरान संबंधित वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने इन मामलों की गंभीरता से निगरानी नहीं की।

निज्जर की हत्या पर बराड़ का दावा तीन साल बाद वायरल हुआ ऑडियो

◆ वायरल ऑडियो में निज्जर हत्याकांड की जिम्मेदारी का दावा, जांच में जुटीं एजेंसियां

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़। कनाडा में खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के करीब तीन साल बाद आतंकी घोषित गोल्डी बराड़ ने कथित तौर पर इस हत्या की जिम्मेदारी ली है। इंटरनेट मीडिया पर सामने आए एक कथित ऑडियो में बराड़ आतंकी परमजीत सिंह उर्फ पम्मा से बातचीत के दौरान निज्जर को निशाना बनवाने का दावा करता सुनाई दे रहा है। हालांकि, इस ऑडियो की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हुई है।

निज्जर की 18 जून 2023 को कनाडा के सरे में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। घटना के बाद से ही उसकी हत्या को लेकर कई तरह के दावे और जांच सामने आती रही हैं। अब वायरल कथित ऑडियो में गोल्डी बराड़ ने निज्जर को निशाना बनाए जाने के पीछे अपने भाइयों की हत्या का बदला लेने की बात कही है।

ऑडियो में बराड़ कथित तौर पर कहता है कि उसके भाइयों की हत्या के बाद सुक्खा दुनेके और अर्श डल्ला जैसे लोग निज्जर की कोठी में रहते थे। बराड़ के अनुसार, जिन स्थानों पर उसके भाइयों को मरवाने की साजिश रची गई, वे उन्हीं लोगों से जुड़े थे। इसी कारण उसके मन में निज्जर के प्रति गुस्सा था और वह उसे छोड़ना नहीं चाहता था।

बराड़ ने कथित बातचीत में निज्जर को अपने भाइयों की हत्या के लिए जिम्मेदार ठहराते हुए बदले की बात कही है। हालांकि, ऑडियो की प्रामाणिकता और उसमें किए गए दावों की आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है। निज्जर की हत्या के बाद कनाडा में इस मामले को लेकर जांच और राजनीतिक विवाद भी सामने आया था। अब कथित ऑडियो के सामने आने से मामला एक बार फिर चर्चा में आ गया है।

वड़िंग ने पूर्व डीजीपी मुस्तफा को भेजा कानूनी नोटिस, की सार्वजनिक माफी की मांग

मानहानि के आरोपों पर वड़िंग का पलटवार, मुस्तफा से माफी और बयान वापस लेने की मांग

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

पंजाब कांग्रेस में जारी अंदरूनी खींचतान के बीच लुधियाना से सांसद और पंजाब प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग ने पूर्व डीजीपी मोहम्मद मुस्तफा को कानूनी नोटिस भेजा है। मुस्तफा वरिष्ठ कांग्रेस नेता और पूर्व कैबिनेट मंत्री रजिया सुल्ताना के पति हैं। वड़िंग ने आरोप लगाया है कि एक साक्षात्कार के दौरान मुस्तफा ने उनके खिलाफ झूठे, निराधार, अपमानजनक और मानहानिकारक बयान दिए।

वड़िंग की ओर से भेजे गए नोटिस में मुस्तफा से कथित बयानों को तत्काल वापस लेने, बिना शर्त सार्वजनिक माफी मांगने और भविष्य में इस तरह के बयान देने से बचने को कहा गया है। नोटिस में कहा गया है कि वड़िंग की प्रतिष्ठा वर्षों की सार्वजनिक सेवा और राजनीतिक कार्य का परिणाम है। उनकी छवि को नुकसान पहुंचाने का कोई भी प्रयास उनकी व्यक्तिगत प्रतिष्ठा के साथ-साथ सार्वजनिक और राजनीतिक जीवन को भी प्रभावित करता है।

नेतृत्व को लेकर टिप्पणी पर आपत्ति : नोटिस के अनुसार मोहम्मद मुस्तफा ने एक साक्षात्कार में राजा वड़िंग और उनके नेतृत्व को लेकर टिप्पणी की थी। वड़िंग का आरोप है कि साक्षात्कार में उनकी बुद्धिमत्ता, क्षमता, निर्णय लेने की योग्यता और नेतृत्व संबंधी जिम्मेदारियां निभाने की क्षमता को लेकर व्यक्तिगत टिप्पणियां की गईं।

वड़िंग ने इन आरोपों को पूरी तरह खारिज किया है। उनका कहना है कि मुस्तफा के बयान राजनीतिक फैसले, नीतियों या उनके किसी सार्वजनिक कार्य की आलोचना तक सीमित नहीं थे, बल्कि व्यक्तिगत हमले थे। नोटिस में कहा गया है कि कथित टिप्पणियों का कोई तथ्यात्मक आधार नहीं है और इससे उनकी प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने की कोशिश की गई।

राजनीतिक आलोचना पर आपत्ति नहीं : कानूनी नोटिस में यह भी स्पष्ट किया गया है कि राजा वड़िंग को अपने राजनीतिक फैसलों, नीतियों या विचारों को लेकर वैध असहमति और सद्भावनापूर्ण आलोचना से कोई आपत्ति नहीं है। राजनीतिक विमर्श में मतभेद स्वाभाविक हैं और नेताओं को अपने विचार रखने का अधिकार है। हालांकि, किसी नेता की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने या उसका उपहास करने के उद्देश्य से व्यक्तिगत टिप्पणी को स्वीकार नहीं किया जा सकता।

वड़िंग की ओर से कहा गया है कि सार्वजनिक जीवन में रहने वाले लोगों के खिलाफ राजनीतिक आलोचना तथ्यों और नीतियों पर आधारित होनी चाहिए। व्यक्तिगत आरोपों और कथित तौर पर अपमानजनक टिप्पणियों से राजनीतिक बहस का स्तर प्रभावित होता है।

मुस्तफा के पद का भी दिया हवाला : नोटिस में मोहम्मद मुस्तफा के पूर्व पुलिस महानिदेशक पद का भी उल्लेख किया गया है। इसमें कहा गया है कि अपने पूर्व पद और सार्वजनिक पहचान के कारण मुस्तफा के बयानों को लोगों के बीच अतिरिक्त विश्वसनीयता मिल सकती है। इसलिए उनसे सार्वजनिक टिप्पणियों में अधिक जिम्मेदारी और सावधानी बरतने की अपेक्षा की जाती है। वड़िंग ने नोटिस के माध्यम से मुस्तफा से कथित मानहानिकारक टिप्पणियों को वापस लेने और सार्वजनिक रूप से बिना शर्त माफी मांगने की मांग की है। साथ ही भविष्य में इस तरह की टिप्पणियां न करने की चेतावनी दी गई है।

पंजाब कांग्रेस में पहले से चल रही अंदरूनी राजनीतिक खींचतान के बीच इस कानूनी नोटिस ने पार्टी के भीतर जारी मतभेदों को और चर्चा में ला दिया है। अब सबकी नजर इस बात पर है कि पूर्व डीजीपी मोहम्मद मुस्तफा की ओर से इस नोटिस पर क्या प्रतिक्रिया दी जाती है।

पंजाब के सरकारी स्कूलों में चलेगा सफाई अभियान, परखी जाएगी सुरक्षा व्यवस्था

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

पंजाब के सरकारी स्कूलों में विद्यार्थियों को स्वच्छ, सुरक्षित और बेहतर वातावरण उपलब्ध कराने के लिए शिक्षा विभाग ने प्रदेशभर में विशेष स्कूल क्लीनलिनेस एंड रेडीनेस ड्राइव चलाने के निर्देश दिए हैं। विभाग ने सभी जिला शिक्षा अधिकारियों को सरकारी स्कूलों में सफाई व्यवस्था दुरुस्त करने के साथ-साथ विद्यार्थियों की सुरक्षा और बुनियादी सुविधाओं की भी जांच सुनिश्चित करने को कहा है।

शिक्षा विभाग की ओर से 21 अगस्त को जारी पत्र में कहा गया है कि निरीक्षण के दौरान कई स्कूलों में परिसर और आसपास का क्षेत्र साफ-सुथरा नहीं पाया जाता। कई स्थानों पर कूड़े के ढेर लगे रहते हैं और स्कूल परिसर में अव्यवस्था की स्थिति बनी रहती है। विभाग ने इसे गंभीरता से लेते हुए स्कूलों में विशेष सफाई अभियान चलाने का निर्णय लिया है।

अभियान के तहत स्कूल परिसर, कक्षाओं, बरामदों और आसपास के क्षेत्रों की सफाई पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। इसके अलावा विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध शौचालयों की स्थिति, स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था और बिजली की फिटिंग की भी जांच की जाएगी। स्कूलों में अग्निशमन यंत्र सही स्थिति में हैं या नहीं, इसकी भी पड़ताल की जाएगी। किसी आपात स्थिति में विद्यार्थियों को तत्काल प्राथमिक सहायता मिल सके, इसके लिए प्राथमिक उपचार किट की उपलब्धता और उसकी स्थिति भी जांची जाएगी।

विभाग ने स्कूलों में मिड-डे मील व्यवस्था को भी अभियान का हिस्सा बनाया है। भोजन तैयार करने और परोसने वाली जगह की स्वच्छता, खाद्य सामग्री के सुरक्षित रखरखाव तथा विद्यार्थियों को मिलने वाले भोजन की गुणवत्ता पर भी नजर रखने के निर्देश दिए गए हैं।

शिक्षा विभाग का उद्देश्य केवल स्कूलों की साफ-सफाई कराना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के लिए सुरक्षित और स्वास्थ्यकर शैक्षणिक वातावरण सुनिश्चित करना है। जिला शिक्षा अधिकारियों को अभियान की निगरानी करने तथा स्कूलों में सामने आने वाली कमियों को दूर कराने के निर्देश दिए गए हैं। माना जा रहा है कि इस अभियान से सरकारी स्कूलों में स्वच्छता, सुरक्षा और बुनियादी सुविधाओं की स्थिति में सुधार होगा।

न्यूज ब्रीफ

लद्दाख में डेयरी क्रांति से युवाओं को मिलेगा रोजगार

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। लद्दाख के युवाओं को रोजगार के लिए दूसरे शहरों की ओर पलायन न करना पड़े, इसके लिए प्रशासन डेयरी क्षेत्र को मजबूत करने की तैयारी में जुट गया है। स्थानीय जमीन और पशुधन के जरिए युवाओं की आय बढ़ाने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। लक्ष्य है कि लद्दाख के गांवों में उत्पादित दूध को सीधे प्रसंस्करण संयंत्रों तक पहुंचाकर डेयरी कारोबार को नई गति दी जाए।मुख्य सचिव आशीष कुंद्रा ने लेह स्थित लद्दाख ओमा डेयरी संयंत्र का दौरा कर पूरे डेयरी तंत्र की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को पशुओं की नस्ल सुधारने, वैज्ञानिक तरीके से उनके पोषण और देखभाल तथा बेहतर प्रजनन पद्धतियों को अपनाने के निर्देश दिए।उन्होंने चारा विकास पर भी विशेष ध्यान देने को कहा, ताकि पशुपालकों को चारे के लिए बाहरी क्षेत्रों पर निर्भर न रहना पड़े। प्रशासन का मानना है कि आधुनिक तकनीक, बेहतर पशुपालन और मजबूत प्रसंस्करण व्यवस्था के जरिए ग्रामीण परिवारों की आय बढ़ाई जा सकती है। इससे स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर पैदा होने के साथ लद्दाख में डेयरी क्षेत्र को आत्मनिर्भर बनाने में भी मदद मिलेगी।

कश्मीर में वन्यजीवों से निपटने का नया अहिंसक तरीका

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। कश्मीर में बढ़ते मानव-वन्यजीव संघर्ष को कम करने के लिए वन्यजीव विभाग अब जंगली जानवरों को आबादी वाले इलाकों से दूर रखने के लिए अहिंसक उपाय अपनाने की तैयारी कर रहा है। इसके तहत जानवरों को बिना नुकसान पहुंचाए भगाने के लिए संगीत, हल्के बिजली के झटके देने वाले उपकरण, डंडे और पेपर स्प्रे का इस्तेमाल किया जाएगा। कश्मीर के क्षेत्रीय वन्यजीव वार्डन तौहीद अहमद देवा ने बताया कि विभाग मानव और जंगली जानवरों के बीच टकराव की घटनाओं को रोकने के लिए बचाव के उपाय मजबूत कर रहा है। उनका कहना है कि जब जंगली जानवर रिहायशी इलाकों के नजदीक पहुंचते हैं, तब इन साधनों से उन्हें सुरक्षित तरीके से वापस जंगल की ओर भेजने में मदद मिलेगी। विभाग स्थानीय लोगों को भी आवश्यक बचाव उपकरण उपलब्ध कराने की योजना बना रहा है। अधिकारियों का मानना है कि इन उपायों से वन्यजीवों को नुकसान पहुंचाए बिना लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और मानव-वन्यजीव संघर्ष की घटनाओं को कम करने में मदद मिलेगी।

आरएस पुरा में अपनी पार्टी का एक दिवसीय किसान अधिवेशन आयोजित

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू। जम्मू-कश्मीर अपनी पार्टी की ओर से आरएस पुरा में एक दिवसीय किसान अधिवेशन आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जम्मू-कश्मीर किसान सेल के राज्य प्रधान बद्रीनाथ शर्मा ने की। अधिवेशन में पार्टी के प्रांतीय प्रधान एवं पूर्व मंत्री सरदार मंजीत सिंह, जिला प्रधान हरप्रीत सिंह सहित बड़ी संख्या में किसान और पार्टी कार्यकर्ता शामिल हुए। पूर्व मंत्री सरदार मंजीत सिंह ने जम्मू-कश्मीर में हर वर्ग की अनदेखी किए जाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि बढ़ती महंगाई के कारण आम लोग परेशान हैं और किसानों को भी कई समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने भाजपा की केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि जम्मू-कश्मीर में भाजपा के 29 विधायक और तीन सांसद होने के बावजूद लोगों की समस्याओं का समाधान नहीं हो रहा है। उन्होंने चुनावों के दौरान किए गए वादे पूरे नहीं होने का आरोप लगाते हुए कहा कि रोजगार और लोगों की आर्थिक स्थिति में सुधार के दावे धरातल पर दिखाई नहीं दे रहे। उन्होंने सरकार से आम जनता और किसानों की समस्याओं का जल्द समाधान करने की मांग की। अधिवेशन में किसानों और पार्टी कार्यकर्ताओं ने विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की तथा संगठन को मजबूत करने पर भी जोर दिया।

मालपुर में कस्टोडियन जमीन पर अवैध निर्माण जब्त

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू। मालपुर नंबर-1 में कस्टोडियन भूमि पर कथित रूप से अवैध तरीके से बनाई गई संपत्ति के खिलाफ प्रशासन ने कार्रवाई करते हुए उसे जब्त कर लिया। प्रशासन की इस कार्रवाई के बाद क्षेत्र में अवैध निर्माण को लेकर चर्चा तेज हो गई है।जानकारी के अनुसार कुछ महीने पहले मालपुर नंबर-1 के स्थानीय निवासियों ने एक मकान में संदिग्ध गतिविधियां देखीं। इसके बाद उन्होंने इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलने पर पुलिस ने संबंधित लोगों को हिरासत में लेकर मामले की जानकारी अधिकारियों को दी।मामले की जांच के दौरान राजस्व विभाग और कस्टोडियन विभाग की टीम ने संबंधित संपत्ति का निरीक्षण किया। जांच में सामने आया कि मकान का निर्माण कस्टोडियन भूमि पर कथित तौर पर अवैध रूप से किया गया था। इसके बाद संपत्ति से संबंधित दस्तावेजों और भूमि की स्थिति की जांच की गई। जांच प्रक्रिया पूरी होने के बाद तहसीलदार भलवाल मोनिका शर्मा की ओर से आवश्यक कार्रवाई की गई। प्रशासन ने नियमों के तहत संबंधित संपत्ति को जब्त कर लिया। अधिकारियों की कार्रवाई के बाद कस्टोडियन भूमि पर किए गए कथित अवैध निर्माण के खिलाफ प्रशासन की सख्ती का संदेश गया है।

चिनाब में फंसे तीन लोगों को सेना ने सुरक्षित बचाया

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू। अखनूर में शनिवार रात करीब नौ बजे चिनाब नदी में फंसे तीन लोगों को सेना, जम्मू-कश्मीर पुलिस और राज्य आपदा मोचन बल की संयुक्त टीम ने सफलतापूर्वक सुरक्षित बाहर निकाल लिया। बचाए गए लोगों की पहचान अखनूर के सप्लाई मोहल्ला निवासी मानिक, सुनील कुमार और अर्जुन सिंह के रूप में हुई है। सूचना मिलते ही सेना, पुलिस और बचाव दल मौके पर पहुंचे और तत्काल संयुक्त अभियान शुरू किया। अभियान की निगरानी अखनूर और घरोटा के थाना प्रभारियों तथा उपमंडल पुलिस अधिकारी ने मौके पर रहकर की। बचाव दल ने कड़ी मशक्कत के बाद तीनों को सुरक्षित नदी से बाहर निकाला। समय पर हुई कार्रवाई से बड़ा हादसा टल गया।

विधानसभा सत्र से पहले भाजपा की बैठक में जनमुद्दों पर बनी रणनीति

जितेंद्र सिंह की मौजूदगी में भाजपा ने सत्र में उठाए जाने वाले मुद्दों पर किया विचार-विमर्श

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर

केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने रविवार को श्रीनगर में भारतीय जनता पार्टी के जम्मू-कश्मीर प्रदेश पदाधिकारियों की बैठक में हिस्सा लिया। बैठक में आगामी जम्मू-कश्मीर विधानसभा सत्र को लेकर पार्टी की रणनीति और जनता से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। इस दौरान प्रदेश के अलग-अलग क्षेत्रों से पहुंचे भाजपा नेताओं और पदाधिकारियों ने अपने-अपने इलाकों की समस्याओं और जन अपेक्षाओं को सामने रखा।

जम्मू-कश्मीर विधानसभा में विपक्ष के नेता सुनील शर्मा ने कहा कि बैठक का मुख्य उद्देश्य आगामी विधानसभा सत्र के दौरान उठाए जाने वाले जनहित के मुद्दों पर चर्चा करना था। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर के विभिन्न क्षेत्रों से पार्टी पदाधिकारियों को बुलाया गया, ताकि स्थानीय स्तर पर लोगों को प्रभावित करने वाले विषयों की जानकारी जुटाई जा सके और उन्हें विधानसभा में प्रभावी तरीके से उठाया जा सके।

सुनील शर्मा ने कहा कि भाजपा जनता से जुड़े मुद्दों को प्राथमिकता के साथ विधानसभा के भीतर उठाएगी। इनमें शासन, विकास, बुनियादी सुविधाओं और जनकल्याण से संबंधित विषय शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि पार्टी की कोशिश रहेगी कि लोगों की समस्याएं सदन में मजबूती के साथ रखी जाएं और सरकार से उनके समाधान को लेकर जवाब मांगा जाए।

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला पर निशाना साधते हुए सुनील शर्मा ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री को विपक्ष पसंद नहीं है। उन्होंने कहा कि भाजपा लोकतांत्रिक व्यवस्था में अपनी जिम्मेदारी को पूरी गंभीरता से निभाएगी और जनता के मुद्दों को विधानसभा तथा आम लोगों के सामने रखेगी।

उन्होंने कहा कि विपक्ष का काम केवल सरकार की आलोचना करना नहीं, बल्कि जनता की आवाज को सदन तक पहुंचाना भी है।

31 अगस्त तक गर्म और उमस भरा रहेगा मौसम

जम्मू-कश्मीर में 29 से बदलेगा मौसम, बारिश बढ़ने के आसार

◆ **अचानक बाढ़, भूस्खलन की चेतावनी, लोगों को सतर्क रहने की सलाह**

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू। जम्मू-कश्मीर में अगले कुछ दिनों तक मौसम गर्म और उमस भरा रहने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार 23 से 28 अगस्त तक मौसम सामान्यतः गर्म रहेगा। इस दौरान कुछ स्थानों पर सुबह और दोपहर के समय हल्की बारिश या गरज के साथ बौछारें पड़ सकती हैं। हालांकि, 29 से 31 अगस्त के बीच जम्मू संभाग में मौसम अधिक सक्रिय होने के आसार हैं।

इस अवधि में जम्मू संभाग के कई स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश और गरज के साथ बौछारें पड़ सकती हैं। कुछ इलाकों में सुबह और दोपहर के समय अचानक तेज बारिश भी हो सकती है। मौसम विभाग ने स्थानीय स्तर पर होने वाली तेज बारिश को देखते हुए लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है।

तेज बारिश के कारण निचले इलाकों में अचानक जलभराव या बाढ़ जैसी स्थिति बन सकती है। वहीं, संवेदनशील पहाड़ी क्षेत्रों में भूस्खलन और मलबा गिरने की घटनाओं का खतरा भी बना रहेगा। लोगों को नदी-नालों और अन्य संवेदनशील स्थानों से दूरी बनाए रखने तथा मौसम संबंधी जानकारी पर नजर रखने की सलाह दी गई है।

शनिवार को जम्मू में अधिकतम तापमान 32.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि पिछले 24 घंटे में 3.2 मिलीमीटर बारिश हुई। जम्मू का न्यूनतम तापमान 24.9 डिग्री रहा।

कश्मीर संभाग में श्रीनगर का अधिकतम तापमान 32.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 2.2 डिग्री अधिक था। यहां न्यूनतम तापमान 20.6 डिग्री रहा। पहलगाम में अधिकतम तापमान 25.5 और न्यूनतम 15.4 डिग्री दर्ज किया गया।

छठे जत्थे में श्रद्धालुओं ने जलाभिषेक कर की पूजा-अर्चना

बूढ़ा अमरनाथ पहुंचे 2000 शिव भक्त, छठे जत्थे ने किए पवित्र दर्शन

भारतेंदु संवाददाता, पुंछ

विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल की ओर से आयोजित राष्ट्रव्यापी श्री बूढ़ा अमरनाथ यात्रा के छठे जत्थे में देश के विभिन्न हिस्सों से पहुंचे करीब 2000 शिव भक्तों ने रविवार को पवित्र श्री बूढ़ा अमरनाथ मंदिर में पूजा-अर्चना की। श्रद्धालुओं ने स्वयंभू शिवलिंग के दर्शन कर जलाभिषेक किया और भगवान शिव से सुख-शांति की कामना की।

बजरंग दल के राष्ट्रीय सहसंयोजक विवेक कुलकर्णी और इंद्रप्रस्थ की राष्ट्रीय संयोजिका सीमा शर्मा के नेतृत्व में श्रद्धालु मंदिर पहुंचे। इस दौरान पूरे यात्रा मार्ग और मंदिर परिसर में हर-हर महादेव, जय श्रीराम और बम-बम भोले के जयकारे गूंजते रहे। भक्तों में भगवान शिव के दर्शन और पूजा को लेकर खासा उत्साह देखने को मिला।

मंदिर पहुंचने के बाद श्रद्धालुओं ने विधिवत पूजा-अर्चना की। स्वयंभू शिवलिंग पर जलाभिषेक कर श्रद्धालुओं ने धार्मिक अनुष्ठान में हिस्सा लिया। देश के अलग-अलग क्षेत्रों से आए श्रद्धालुओं के लिए यात्रा के दौरान धार्मिक और सामाजिक संगठनों की ओर से विभिन्न व्यवस्थाएं की गई थीं।

पूजा-अर्चना के बाद मंदिर प्रांगण में मंदिर समिति तथा सामाजिक और धार्मिक संगठनों की ओर से लगाए गए निशुल्क सेवा स्टालों पर श्रद्धालुओं ने भोजन ग्रहण किया। इसके बाद छठे जत्थे में शामिल शिव भक्त जम्मू की ओर रवाना हो गए।

यात्रा में शामिल श्रद्धालुओं ने श्री बूढ़ा अमरनाथ धाम की धार्मिक और आध्यात्मिक महत्ता को विशेष बताया। कई श्रद्धालु ऐसे भी रहे जो पिछले कई वर्षों से लगातार इस यात्रा में शामिल होते आ रहे हैं। उनका कहना था कि हर वर्ष यात्रा में श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ रही है, जो लोगों की आस्था और भगवान शिव के प्रति श्रद्धा को दर्शाता है।

रूहुल्लाह बोले- जम्मू-कश्मीर ने ताकत खोई, नेतृत्व अधिकार लौटाने में रहा नाकाम

भारतेंदु संवाददाता, बारामुला। श्रीनगर लोकसभा क्षेत्र से नेशनल कॉन्फ्रेंस के सांसद आगा रुहुल्लाह मेहदी ने रविवार को कहा कि जम्मू-कश्मीर ने पिछले कुछ वर्षों में लगातार अपनी राजनीतिक ताकत और अधिकार खोए हैं, जबकि राजनीतिक नेतृत्व उन्हें वापस पाने में सफल नहीं रहा है।

बारामुला में पत्रकारों से बातचीत में रुहुल्लाह ने कहा कि उनकी टिप्पणी किसी व्यक्ति या राजनीतिक दल के खिलाफ नहीं है, बल्कि जम्मू-कश्मीर की व्यापक राजनीतिक स्थिति को लेकर है। उन्होंने कहा कि राज्य का दर्जा हो या अनुच्छेद 370, जम्मू-कश्मीर ने लगातार खोया है और उसे राजनीतिक रूप से कुछ हासिल नहीं हुआ। नेशनल कॉन्फ्रेंस के रुख पर सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा कि 2019 के बाद खोए अधिकारों को लेकर पार्टी ने अपना रुख बदला है। उन्होंने कहा कि 2024 के विधानसभा चुनाव में लोगों ने इन अधिकारों की बहाली के वादों के आधार पर पार्टी पर भरोसा किया था।

नुब्रा घाटी से दिसंबर में शुरू होंगी नागरिक उड़ानें, बढ़ेगा पर्यटन

थोइस से नागरिक उड़ानें शुरू होने से नुब्रा की राह होगी आसान

◆ **नुब्रा घाटी को मिलेगी हवाई कनेक्टिविटी, पर्यटन को नई उड़ान**

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। लद्दाख के नुब्रा घाटी क्षेत्र के लोगों और पर्यटकों के लिए बड़ी राहत की खबर है। थोइस वायुसेना स्टेशन से दिसंबर तक नागरिक हवाई सेवा शुरू करने का लक्ष्य तय किया गया है। इसके लिए नई दिल्ली में उच्चस्तरीय बैठक में तैयारियों की समीक्षा की गई। बैठक की अध्यक्षता लद्दाख के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने की। इसमें रक्षा मंत्रालय, वायुसेना, भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण और लद्दाख प्रशासन के अधिकारी शामिल हुए।

वायुसेना ने थोइस में नागरिक टर्मिनल विकसित करने के लिए पांच एकड़ जमीन उपलब्ध कराई है। मौजूदा समय में थोइस हवाई अड्डे का इस्तेमाल मुख्य रूप से वायुसेना करती है। नागरिक उड़ानें शुरू होने से नुब्रा घाटी, तुरतुक, द्रास, कारगिल और सियाचिन आधार शिविर जाने वाले यात्रियों को बेहतर हवाई संपर्क मिलेगा।

अधिकारियों के अनुसार, रनवे की दोबारा सतह बिछाने का काम चल रहा है, जिसे नवंबर तक पूरा करने का लक्ष्य है। भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण जल्द ही नागरिक उड़ानों के संचालन के लिए जरूरी सुविधाओं की जानकारी देगा। इसके बाद लोक निर्माण विभाग आवश्यक निर्माण कार्य शुरू करेगा। सभी तैयारियां समय पर पूरी होने और जरूरी मंजूरियां मिलने पर दिसंबर से उड़ानें शुरू हो सकती हैं। थोइस नुब्रा घाटी में श्योक नदी के पास स्थित महत्वपूर्ण सामरिक वायुसेना स्टेशन है।

200 यूनिट मुफ्त बिजली के वादे पर घिरी नेकां सरकार

चुनावी वादा अधूरा, बिजली दर बढ़ने से सरकार पर सवाल, बढ़े टैरिफ पर उठे सवाल

◆ **पार्टी सांसद आगा रुहुल्ला ने सरकार की आलोचना की**

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू

जम्मू-कश्मीर में नेशनल कान्फ्रेंस सरकार का 2024 विधानसभा चुनाव के दौरान किया गया 200 यूनिट मुफ्त बिजली देने का वादा अब उसके लिए चुनौती बनता जा रहा है। सत्ता में आने के करीब दो साल बाद भी सरकार यह वादा पूरा नहीं कर सकी है। इसी मुद्दे पर अब विपक्ष के साथ-साथ पार्टी के भीतर से भी सरकार पर सवाल उठने लगे हैं।

नेशनल कान्फ्रेंस सांसद आगा सैयद रुहुल्ला ने सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि पार्टी ने चुनाव के दौरान हर घर को 200 यूनिट मुफ्त बिजली देने का वादा किया था, लेकिन दो साल बीतने के बावजूद इसे लागू नहीं किया गया। उन्होंने मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के 100 प्रतिशत बिजली मीटर लगाने के बयान का भी जिक्र किया।

रुहुल्ला ने कहा कि वह मीटरिंग की जरूरत और सरकार की मंशा को समझते हैं, लेकिन सरकार को बिजली दर बढ़ाने के बजाय अपने चुनावी वादे पर जवाब देना चाहिए। उन्होंने कहा कि मुफ्त 200 यूनिट बिजली देने के बजाय बिजली दरों में करीब 6.83 प्रतिशत की बढ़ोतरी की जा रही है। उन्होंने पार्टी नेतृत्व पर अहंकार का आरोप लगाते हुए कहा कि ऐसा रवैया नेशनल कान्फ्रेंस को नुकसान पहुंचा सकता है।

पीपुल्स कान्फ्रेंस के अध्यक्ष सज्जाद लोन ने भी बिजली दरों में बढ़ोतरी को लेकर सरकार पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर के लोगों को बिजली के लिए अब अधिक भुगतान करना पड़ेगा। उन्होंने सवाल उठाया कि जब चुनाव के दौरान 200 यूनिट मुफ्त बिजली देने का वादा किया गया था, तो करीब दो साल में लोगों को इसका लाभ क्यों नहीं मिला।

पीडीपी नेता वहीद उर रहमान पारा ने भी सरकार की आलोचना की। उन्होंने कहा कि बेरोजगारी और महंगाई के बीच बिजली दरों में 6.83 प्रतिशत की बढ़ोतरी आम लोगों की परेशानी बढ़ाएगी।

श्रीनगर के हनुमान मंदिर में महंत की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। राजधानी श्रीनगर के अमीरा कदल इलाके में स्थित हनुमान मंदिर परिसर में रविवार को 76 वर्षीय बुजुर्ग महंत अचेत अवस्था में मिले। उन्हें उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर मौत के कारणों की जांच शुरू कर दी है। मृतक की पहचान महंत विष्णु दास पुत्र बाबा बजरंग दास के रूप में हुई है। बताया गया है कि वह मूल रूप से उत्तर प्रदेश के रहने वाले थे और वर्तमान में श्रीनगर के दुर्गानाग, डलगेट इलाके में रह रहे थे। वह अमीरा कदल स्थित हनुमान मंदिर से जुड़े हुए थे। पुलिस के अनुसार, शहीद गंज पुलिस थाने की टीम को सूचना मिली थी कि हनुमान मंदिर परिसर में एक व्यक्ति बेहोश पड़ा हुआ है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और महंत विष्णु दास को तत्काल उपचार के लिए एसएमएचएस अस्पताल पहुंचाया गया। अस्पताल में ड्यूटी पर मौजूद चिकित्सकों ने उनकी जांच की, लेकिन उन्हें मृत लाया हुआ घोषित कर दिया।

जम्मू के गांधीनगर अस्पताल में अचानक पहुंचे डिप्टी सीएम, अव्यवस्थाओं पर जताई कड़ी नाराजगी

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू। गांधीनगर अस्पताल में मरीजों को हो रही परेशानियों और सुविधाओं की कमी की शिकायतों के बाद उपमुख्यमंत्री सुरिंदर चौधरी ने शनिवार को अस्पताल का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने सीटी स्कैन और अन्य जांचों में हो रही देरी पर अस्पताल प्रबंधन को कड़ी फटकार लगाई। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि मरीजों को जांच के लिए अनावश्यक इंतजार न करना पड़े और सभी जरूरी जांच समय पर की जाएं। उपमुख्यमंत्री ने अस्पताल के आपातकालीन विभाग सहित विभिन्न हिस्सों का निरीक्षण किया। उन्होंने मरीजों और उनके तीमारदारों से सीधे बातचीत कर अस्पताल में मिल रही सुविधाओं की जानकारी ली। सीटी स्कैन, अल्ट्रासाउंड और अन्य जांचों के लिए बाहर बैठे मरीजों से जब उन्होंने समय के बारे में पूछा तो कई मरीजों ने बताया कि जांच करवाने में काफी समय लग रहा है। इस पर उपमुख्यमंत्री ने चिकित्सा अधीक्षक को निर्देश दिए कि मरीजों की सुविधा सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि अस्पताल आने वाले मरीज पहले ही स्वास्थ्य संबंधी परेशानी से जूझ रहे होते हैं, इसलिए उन्हें जांच और उपचार के लिए अनावश्यक परेशान नहीं किया जाना चाहिए।

डिजिटलीकरण क्यूआर कोड से असली कश्मीरी हस्तशिल्प की होगी पहचान, कारीगरों को मिलेगा बाजार

कश्मीरी हस्तशिल्प को डिजिटल पहचान, नकली उत्पादों पर लगेगी लगाम

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। कश्मीर के सदियों पुराने हस्तशिल्प को नई पहचान देने और नकली उत्पादों की बिक्री पर रोक लगाने के लिए हस्तशिल्प एवं हथकरघा विभाग ने महत्वपूर्ण पहल शुरू की है। श्रीनगर स्थित क्वालिटी कंट्रोल डिवीजन में अत्याधुनिक भौगोलिक संकेतक (जीआई) क्यूआर कोड प्रबंधन प्रणाली शुरू की गई है। इसका उद्देश्य प्रमाणित कश्मीरी हस्तशिल्प को डिजिटल पहचान देना और ग्राहकों को असली उत्पाद की पहचान करने में मदद करना है।

नई व्यवस्था के तहत प्रमाणित उत्पादों पर विशेष क्यूआर कोड वाला लेबल लगाया जाएगा। ग्राहक अपने मोबाइल से क्यूआर कोड को स्कैन कर उत्पाद से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। इसमें उत्पाद कहां बनाया गया, किस कारीगर ने तैयार किया, कौन सी सामग्री इस्तेमाल हुई और वह सरकार द्वारा प्रमाणित जीआई उत्पाद है या नहीं, जैसी जानकारी शामिल होगी। इससे नकली उत्पादों की बिक्री पर अंकुश लगाने में मदद मिलेगी।

लुप्त होते शिल्पों को मिलेगा संरक्षण : इस पहल का विशेष ध्यान उन पारंपरिक शिल्पों पर है, जो धीरे-धीरे बाजार और मशीन निर्मित सामान की प्रतिस्पर्धा में पीछे छूट रहे हैं। इनमें वाग्गुव, गब्बा, नमदा, अखरोट की लकड़ी की नक्काशी, चेन स्टिच, खतमबंद और क्रूल जैसे शिल्प शामिल हैं। इन उत्पादों की देश-विदेश में मांग होने के बावजूद उचित पहचान और बाजार उपलब्ध नहीं होने से कारीगरों को मेहनत का उचित मूल्य नहीं मिल पाता था।

कश्मीर पश्मीना, हाथ से बुने कालीन, कानी और सोजनी शॉल जैसे उत्पाद पहले से ही विश्व स्तर पर प्रसिद्ध हैं। अब क्यूआर कोड आधारित जीआई व्यवस्था के माध्यम से अन्य पारंपरिक शिल्पों को भी व्यापक बाजार और बेहतर पहचान मिलने की उम्मीद है।

पुंछ में संदिग्ध परिस्थितियों में लगी आग रिहायशी मकान जलकर पूरी तरह राख

भारतेंदु संवाददाता, पुंछ। पुंछ जिले की मंडी तहसील के नियंत्रण रेखा के निकटवर्ती गगड़ियां क्षेत्र के गांव छूल में रविवार तड़के संदिग्ध परिस्थितियों में एक रिहायशी मकान में आग लग गई। देखते ही देखते आग ने पूरे मकान को अपनी चपेट में ले लिया और दो मंजिला घर सामान समेत पूरी तरह जलकर राख हो गया। हादसे में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

जानकारी के अनुसार गांव छूल निवासी सैफ दीन पुत्र हबीबुल्लाह लोन का टीन और लकड़ी से बना दो मंजिला मकान था। रविवार सुबह अचानक मकान में आग लग गई। आग की लपटें देखकर परिवार के सदस्यों में अफरा-तफरी मच गई। सभी लोग तुरंत घर से बाहर निकल आए और अपनी जान बचाई।

आग की सूचना मिलते ही आसपास के ग्रामीण भी मौके पर पहुंचे और आग बुझाने का प्रयास शुरू किया। साथ ही मंडी स्थित दमकल विभाग को घटना की जानकारी दी गई। हालांकि गांव दूरदराज और पहाड़ी क्षेत्र में होने के कारण दमकल की गाड़ियों को मौके तक पहुंचने में समय लग गया। जब तक दमकल कर्मी घटनास्थल पर पहुंचते, तब तक मकान पूरी तरह जल चुका था।

ग्रामीणों ने काफी प्रयास कर आग को आसपास के मकानों तक फैलने से रोका। गनीमत रही कि इस घटना में किसी प्रकार का जानी नुकसान नहीं हुआ।

नेशनल कॉन्फ्रेंस में बढ़ी अंदरूनी तकरार रुहुल्ला-वानी की जुबानी जंग से गरमाई सियासत

नेशनल कॉन्फ्रेंस में बढ़ी नेताओं की तकरार

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर

सत्ताधारी नेशनल कॉन्फ्रेंस में अंदरूनी मतभेद एक बार फिर खुलकर सामने आने लगे हैं। पार्टी सांसद आगा सैयद रुहुल्ला और मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के सलाहकार नासिर असलम वानी के बीच जुबानी जंग तेज हो गई है। दोनों नेताओं की सार्वजनिक टिप्पणियों से पार्टी के भीतर चल रही खींचतान को लेकर राजनीतिक चर्चाएं तेज हो गई हैं।

रुहुल्ला ने शनिवार को नासिर असलम वानी पर कटाक्ष करते हुए कहा कि वह जहां भी हैं, जनता के विश्वास की वजह से हैं। उन्होंने वानी पर निशाना साधते हुए कहा कि कुछ लोग जनता के समर्थन से नहीं, बल्कि किसी व्यक्ति विशेष की कृपा से अपने पद पर हैं। रुहुल्ला ने कहा कि जनता ने उन्हें चुना है और उनका राजनीतिक आधार लोगों का विश्वास है।

दरअसल, मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के सलाहकार नासिर असलम वानी ने हाल में रुहुल्ला को लेकर टिप्पणी की थी। उन्होंने कहा था कि रुहुल्ला नेशनल कॉन्फ्रेंस में हैं या नहीं, यह सवाल उनसे ही पूछा जाना चाहिए। यदि उन्हें पार्टी की नीतियों से आपत्ति है तो उन्हें पार्टी से इस्तीफा दे देना चाहिए।

वानी की इस टिप्पणी के बाद रुहुल्ला ने पलटवार किया। उन्होंने कहा कि वह नेशनल कॉन्फ्रेंस में हों या बाहर, जहां भी हैं, जनता के भरोसे की वजह से हैं। उन्होंने वानी पर निशाना साधते हुए कहा कि वह उनकी तरह नहीं हैं, जो किसी व्यक्ति विशेष की मेहरबानी से किसी स्थान पर पहुंचे हों। रुहुल्ला ने यह भी कहा कि जनता ने वानी को चुनाव में नकार दिया है।

नासिर असलम वानी वर्ष 2014 और 2024 के विधानसभा चुनाव हार चुके हैं। उन्हें बडगाम से चुनाव लड़ने की कोशिश भी हुई थी, लेकिन रुहुल्ला की नाराजगी के कारण पार्टी ने उन्हें वहां से उम्मीदवार नहीं बनाया था।

भेदभाव मिटाकर ही मजबूत होगी सामाजिक एकता और राष्ट्रीय एकजुटता

रेखा शर्मा
स्वतंत्र लेखिका

भारतीय जनता पार्टी द्वारा संत शिरोमणि श्री गुरु रविदास जयंती (650वीं) के उपलक्ष्य में हिमाचल प्रदेश में निकाली जा रही कलश यात्राएं सामाजिक समरसता की दिशा में एक सकारात्मक पहल मानी जा रही हैं। भाजपा ने 29 जुलाई से 20 फरवरी 2027 तक पूरे देश में संत श्री गुरु रविदास जयंती समरसता संकल्प अभियान शुरू किया है। इस अभियान का उद्देश्य संत गुरु रविदास के विचारों को समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचाना तथा जातिवाद, भेदभाव और सामाजिक असमानता के विरुद्ध जनजागरण करना है। संत, महात्मा और विद्वान किसी एक जाति या वर्ग के नहीं होते, बल्कि उनके विचार संपूर्ण मानव समाज के लिए होते हैं। इसलिए उनके बताए मार्ग पर चलकर ही मानवता, समानता और भाईचारे की भावना को मजबूत किया जा सकता है।

देश में वर्षों से जय श्री राम का उद्घोष सुनाई देता रहा है, वहीं अब भाजपा का यह संदेश भी सामने आया है कि जय भीम और जय गुरु रविदास जैसे सम्मानजनक नारों के माध्यम से सामाजिक समरसता और इंसानियत का मार्ग भी अपनाया जाए। यह पहल जातिवाद को समाप्त करने और समाज में आपसी भाईचारा बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण साबित हो सकती है। सामाजिक समरसता के सिद्धांत को अपनाए बिना किसी भी राष्ट्र में स्थायी एकता स्थापित नहीं की जा सकती। स्वतंत्रता प्राप्ति के सात दशक से अधिक समय बीत जाने के बावजूद आज भी देश के विभिन्न हिस्सों में जातिगत भेदभाव और सामाजिक अन्याय की घटनाएं सामने आती रहती हैं, जो मानवता को शर्मसार करती हैं। जातिवाद एक ऐसी सामाजिक बुराई है, जिसने समाज के गरीब और वंचित वर्गों को लंबे समय तक असहाय और उपेक्षित बनाए रखा।

भारतीय संस्कृति में जब-जब मानवता पर संकट आया, तब-तब संतों, महापुरुषों और अवतारों ने समाज को नई दिशा देने का कार्य किया। धार्मिक आस्था सबसे अधिक गरीब और वंचित वर्गों में देखने को मिलती है। ऐसे समय में जब दलित समाज का जीवन अत्यंत कठिन परिस्थितियों में बीत रहा था, तब संत श्री गुरु रविदास का जन्म हुआ। उन्होंने अपने विचारों और उपदेशों के माध्यम से समानता, प्रेम और मानवता का संदेश दिया। चित्तौड़ की रानी झाला भी उनके उपदेशों से अत्यंत प्रभावित थीं। भगवान श्रीकृष्ण ने अपने मित्र सुदामा के साथ समानता और सच्ची मित्रता का उदाहरण प्रस्तुत किया। भगवान श्रीराम ने वनवास के दौरान माता शबरी के प्रेमपूर्वक दिए गए बेर ग्रहण कर यह संदेश दिया कि मनुष्य की महानता उसकी जाति से नहीं, बल्कि उसके प्रेम, श्रद्धा और भावनाओं से होती है। महर्षि वाल्मीकि ने रामायण जैसी महान कृति की रचना कर यह सिद्ध किया कि प्रतिभा किसी जाति की मोहताज नहीं होती। संत कबीर की वाणी आज भी समाज को सत्य, प्रेम और समानता का संदेश देती है। संविधान निर्माता बाबा साहब भीमराव अंबेडकर ने अत्यंत कठिन परिस्थितियों में शिक्षा प्राप्त कर अनेक उच्च डिग्रियां हासिल कीं और देश-विदेश में सम्मान अर्जित किया। उन्होंने भारत का संविधान तैयार कर लोकतंत्र की मजबूत नींव रखी। जातिगत भेदभाव और सामाजिक अपमान से आहत होकर उन्होंने अंततः बौद्ध धर्म अपनाया। आज भी यह विषय गंभीर चर्चा का विषय होना चाहिए कि आखिर उन्हें ऐसा निर्णय क्यों लेना पड़ा। दुर्भाग्य से आज भी कहीं-कहीं उनकी प्रतिमाओं को नुकसान पहुंचाने जैसी घटनाएं सामने आती हैं, जो सामाजिक सौहार्द के लिए उचित नहीं हैं।

आरक्षण को लेकर भी समाज में अनेक भ्रांतियां हैं। बहुत से लोग आरक्षण का दोष बाबा साहब अंबेडकर को देते हैं, जबकि उनका स्पष्ट मत था कि संविधान तभी सफल होगा जब उसे चलाने वाली सरकारें न्यायपूर्ण और ईमानदारी से कार्य करेंगी।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

मां मनसा देवी शक्तिपीठ की पौराणिक गाथा और अटूट आस्था का अद्भुत संगम

विरेंद्र शर्मा
स्वतंत्र लेखक

यूं तो उत्तर भारत में स्थित हिमाचल प्रदेश देवभूमि देश-विदेश में धार्मिक एवं पर्यटन की दृष्टि से प्रख्यात है, लेकिन इस राज्य के साथ सटा हरियाणा भी इससे अछूता नहीं है। वैसे भी हिमालय क्षेत्र सदा से मानवता का केंद्र रहा है। प्राचीन काल में ऋषि-मुनियों की तपोभूमि आज भी अपनी धार्मिक धरोहरों को चार चांद लगाती हैं। उत्तरी भारत के हरियाणा राज्य के पंचकूला में अवस्थित ऐतिहासिक व प्राचीन मां मनसा देवी का पुरातन मंदिर श्रद्धालुओं की अटूट आस्था, श्रद्धा और विश्वास का केंद्र है। यही वजह है कि प्रतिवर्ष लाखों श्रद्धालु मां के दर्शनार्थ हेतु यहां आते रहते हैं।

किंवदंतियों के अनुसार श्री माता मनसा देवी का इतिहास उतना ही प्राचीन है जितना अन्य शक्तिपीठों का। इन शक्तिपीठों का कैसे और कब प्रादुर्भाव हुआ इसके बारे में शिवपुराण में विस्तृत वर्णन मिलता है। धर्मग्रंथ तंत्र चूड़ामणि के अनुसार ऐसे सिद्ध देवीपीठों की संख्या 51 है, जबकि देवी भगवत पुराण में 108 सिद्धपीठों का उल्लेख मिलता है जो सती के अंगों के गिरने से प्रकट हुए। शिवपुराण के अनुसार मां पार्वती राजा दक्ष की पुत्री थी और हिमालय पर उनका राज्य था। पार्वती अपने पति शिवजी के साथ कैलाश पर्वत पर उनका वास था।

एक बार राजा दक्ष ने अश्वमेघ यज्ञ रचाया और उसमें पिता दक्ष प्रजापति द्वारा पार्वती जी के प्राणेश्वर भगवान शिवजी को आमंत्रित नहीं किया गया। इसे पार्वती ने अपने प्राणेश्वर का अपमान समझा और क्रोधित होकर चल रहे उस यज्ञ में कूदकर प्राणोत्सर्ग कर दिए। इस पर शिवजी ने उनके दग्ध शरीर को कंधे पर उठाकर तांडव करते हुए देश-देशांतर में विचरण करने लगे। भोले शंकर का यह उग्र रूप देखकर ब्रह्मादि देवताओं को बड़ी चिंता होने लगी। शिवाजी का अपनी पत्नी के प्रति अत्याधिक मोह को देखकर भगवान विष्णुजी ने अपने सुदर्शन चक्र से लक्ष्यभेद कर सती के शरीर को खंड-खंड कर दिया। यह अंग जहां-जहां गिरे वहीं 51 शक्तिपीठों की स्थापना हुई।

कहा जाता है कि हरियाणा के मनीमाजरा के निकट शिवालिक पर्वतमालाओं पर देवी के मष्तिष्क का अग्र भाग गिरने से मानसा देवी आदि शक्तिपीठ अवस्थित हुआ, जो लाखों भक्तों की अगाध श्रद्धा, विश्वास व पूजा स्थल बन गया। कहा जाता है कि माता मनसा देवी मंदिर का निर्माण तत्कालीन मनीमाजरा के राजा गोपाल सिंह जी ने मां के द्वार पर उनके द्वारा मां के चरणों में मांगी गई मनोकामना पूर्ण होने पर इस मंदिर का निर्माण अपनी देखरेख में 1815 ईस्वी में सम्पन्न करवाया था, जोकि लगभग चार वर्षों में बनकर तैयार हुआ था तथा आगे चलकर लाखों श्रद्धालुओं के लिए यह आस्था का केंद्र बन गया।

एक अन्य जनश्रुति अनुसार मनसा देवी का नाम महंत मंशा नाथ के नाम पर पड़ा बताया जाता है। मुग़लकालीन बादशाह सम्राट अकबर के दौरान लगभग 450 वर्ष पूर्व बिलासपुर गांव में मां देवी भक्त श्रद्धालु महंत मंशा नाथ रहता था। उस समय यहां देवी की पूजा अर्चना करने दूर-दूर से लोग आते थे। दिल्ली सूबे की ओर से यहां मेले पर आने वाले प्रत्येक व्यक्ति से एक रुपया कर टैक्स के रूप में वसूल किया जाता था। इसका महंत मंशा नाथ ने डटकर विरोध किया। हुकूमत के डर से राजपूतों ने उनकी मंदिर में प्रवेश पर रोक लगा दी। माता का अनन्य भक्त होने के नाते उसने वर्तमान मंदिर से कुछ ही दूर पहाड़ों पर अपना डेरा जमा लिया और वहीं से माता की पूजा-अर्चना करने लगे। महंत मंशा नाथजी का धुना आज भी मनसा देवी की सीढ़ियों के प्रारम्भ में बाईं ओर अविरल जलता रहता है।

एक अन्य दंतकथा के मुताबिक मनीमाजरा से सटी शिवालिक पहाड़ियों पर एक गाय प्रतिदिन विचरण करने आती थी और पहाड़ियों पर सटे पत्थरों पर अपना दूध अर्पण करती थी। स्थानीय निवासियों ने जब इस अद्भुत दृश्य को देखा तो पता चला कि वहां तीन अनूठी पवित्र शिलाएं हैं जिन्हें देखकर लोगों में अगाध श्रद्धा समा गई और उन शिलाओं की प्रतिदिन पूजा अर्चना की जाने लगी।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

संपादकीय

नारों से नहीं बदलेगा देश

दिल्ली के जंतर-मंतर पर छात्र-युवाओं के धरने को जिन राजनीतिक दलों, नेताओं और प्रभावशाली लोगों ने खुलकर या चुपचाप समर्थन दिया था, वे रांची के मुंडा स्टेडियम में दिखाई नहीं दिए। दोनों स्थानों पर मुद्दा शैक्षिक परीक्षाओं में गड़बड़ी के विरोध से जुड़ा था, लेकिन राजनीतिक समर्थन का स्वरूप अलग-अलग रहा। यह अंतर बताता है कि युवा शक्ति और आंदोलनों को केवल भावनात्मक दृष्टि से नहीं, बल्कि विवेक और राजनीतिक संदर्भ के साथ समझना आवश्यक है।

हर युग में युवाओं के भीतर ऊर्जा, आदर्शवाद और न्याय की भावना अधिक प्रबल होती है। जब किसी व्यवस्था में लगातार गड़बड़ियां, अन्याय या अनुचित घटनाएं सामने आती हैं तो युवाओं में स्वाभाविक रूप से आक्रोश पैदा होता है। कई बार यही आक्रोश आंदोलन का रूप ले लेता है। इतिहास बताता है कि ऐसे आंदोलनों को दिशा देने में राजनीतिक नेतृत्व की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। जब स्थापित राजनीतिक दलों में प्रभावी और विश्वसनीय नेतृत्व का अभाव दिखाई देता है, तब कोई अप्रत्याशित घटना युवाओं को व्यापक सामाजिक और राजनीतिक परिदृश्य में ला सकती है।

हाल के घटनाक्रमों में युवाओं के एक आंदोलन को लेकर हुई टिप्पणियों और उसके बाद उभरी राजनीतिक प्रतिक्रियाओं ने भी इसी सवाल को जन्म दिया है कि युवा आंदोलनों के पीछे वास्तविक मुद्दा कितना है और राजनीतिक समर्थन की भूमिका कितनी। यदि राजनीतिक दल समय रहते युवाओं की समस्याओं और उनकी चिंताओं को गंभीरता से लेते, तो शायद कई आंदोलनों को अलग दिशा लेने की आवश्यकता नहीं पड़ती। इस दृष्टि से ऐसे आंदोलनों का उभार राजनीतिक दलों की सामूहिक उदासीनता पर भी सवाल खड़ा करता है।

भारतीय राजनीति में छात्र आंदोलनों का इतिहास लंबा रहा है। जनता पार्टी के उभार से लेकर असम आंदोलन और बाद के विभिन्न राजनीतिक आंदोलनों तक यह देखा गया कि छात्र और युवा किसी आंदोलन की प्रारंभिक शक्ति तो बनते हैं, लेकिन बाद में पेशेवर राजनीतिक नेतृत्व उनके आंदोलन को अपने राजनीतिक हितों के अनुसार दिशा देने लगता है। सत्ता प्राप्त होने के बाद आंदोलन के मूल उद्देश्यों और उसमें सक्रिय बौद्धिकों तथा कार्यकर्ताओं की भूमिका कमजोर पड़ जाना कोई नई बात नहीं है। इसलिए किसी भी आंदोलन में नेतृत्व की गुणवत्ता और उसके उद्देश्य की स्पष्टता अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है।

केवल भीड़ का आकार किसी आंदोलन की सफलता का प्रमाण नहीं हो सकता। भीड़ में ऊर्जा होती है, लेकिन हमेशा विचार की स्पष्टता नहीं होती। यदि नेतृत्व विवेकशील न हो तो भीड़ को किसी भी दिशा में मोड़ा जा सकता है। दृढ़ता, समर्पण और संगठन क्षमता जैसे गुण अच्छे नेतृत्व में भी हो सकते हैं और कट्टर या मतांध नेतृत्व में भी। इसलिए भीड़ देखकर उत्साहित होने के बजाय यह देखना अधिक आवश्यक है कि आंदोलन का उद्देश्य क्या है, उसकी दिशा कौन तय कर रहा है और उसके पीछे दीर्घकालिक सोच कितनी है।

इतिहास में कई आंदोलनों ने सत्ता परिवर्तन तो किया, लेकिन अपने घोषित उद्देश्यों को पूरी तरह हासिल नहीं कर पाए। जेपी आंदोलन और असम छात्र आंदोलन जैसे उदाहरण बताते हैं कि भ्रष्टाचार समाप्त करने या अवैध घुसपैठ रोकने जैसे बड़े उद्देश्यों को केवल आंदोलन और सत्ता परिवर्तन के माध्यम से हासिल नहीं किया जा सकता। इसके लिए ठोस नीतियां, सक्षम प्रशासन, दीर्घकालिक योजना और निरंतर सामाजिक प्रयास आवश्यक होते हैं। सत्ता बदल जाना समस्या का समाधान नहीं है। नई सत्ता यदि बेहतर नीति और प्रभावी व्यवस्था स्थापित नहीं कर पाती तो परिस्थितियां पहले से भी खराब हो सकती हैं।

लोकतंत्र में जनता की भूमिका सर्वोपरि है, लेकिन जनता स्वयं हर नीति नहीं बनाती। उसके नाम पर चुने गए प्रतिनिधि और राजनीतिक नेतृत्व निर्णय लेते हैं। इसलिए जनता के नाम पर की जाने वाली राजनीति को भी विवेक की कसौटी पर परखा जाना चाहिए। नेताओं द्वारा भीड़ की प्रशंसा करना और उसके भावनात्मक समर्थन को अपने पक्ष में इस्तेमाल करना आसान राजनीतिक तरीका हो सकता है, लेकिन इससे जटिल समस्याओं का स्थायी समाधान नहीं निकलता।

किसी भी आंदोलन की शुरुआत अक्सर किसी वास्तविक समस्या से होती है। परीक्षा व्यवस्था में गड़बड़ी, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार या अन्याय जैसी समस्याएं वास्तविक चिंता का विषय हैं। लेकिन इनके समाधान के लिए नारे और आवेश पर्याप्त नहीं हैं। वैज्ञानिक अध्ययन, तथ्य आधारित चर्चा, प्रशासनिक सुधार और व्यापक सामाजिक सहमति की जरूरत होती है। दुर्भाग्य से दलीय राजनीति कई बार समस्या के समाधान से अधिक प्रतिद्वंद्वी को कमजोर करने पर केंद्रित हो जाती है। परिणामस्वरूप मुद्दा पीछे छूट जाता है और सत्ता संघर्ष आगे आ जाता है।

इसलिए किसी भी आंदोलन की सरसरी चापलूसी या आदतन आलोचना दोनों ही उचित नहीं हैं। आंदोलन में उठाए गए मुद्दे की वास्तविकता को समझना चाहिए और उसके समाधान की दिशा पर गंभीर विचार होना चाहिए। लोकतंत्र की सफलता भीड़ की संख्या से नहीं, बल्कि विचार की गुणवत्ता और निर्णय की विवेकशीलता से तय होती है।

- शिवांश धाकड़

कविता

जिंदगी, जीने का नाम है

(डॉ. उर्मिल कौंडल)

बुरे ख्यालों में क्यों रहते हो हर पल,
क्यों नहीं आते तुम दिन के उजालों में।
जिंदगी ने दिए होंगे गहरे जख्म तुम्हें,
क्यों कुरेदते रहते हो उन्हें बार-बार यादों में।
दर्द को सहना और उसे दबाना सीख लो,
अगर आजमाना है जिंदगी को, तो आजमा के देख लो।
निराश मत होना कभी इस जिंदगी से,
जिंदगी को जीने का नाम है, इसे मुस्कुराकर जी लो।
खुशी में जीना ही खुदा का फरमान है,
हर सांस में छिपा एक नया अरमान है।
जो बीत गया उसे जाने दो तुम,
आने वाले कल को खुशियों से सजाने दो तुम।
हम आए हैं इस जहां में खुदा से मिलने,
तो फिर क्यों भटकते हो उसे बाहर ढूंढने।
खुदा कहीं दूर नहीं, वह दिलों में रहता है,
हर इंसान के भीतर प्रेम बनकर बहता है।
अगर खुदा से मिलना चाहते हो दिल से,
तो इबादत कर लो सच्चे मन से।
उसे मंदिर-मस्जिद की दीवारों में मत ढूंढो,
अपने भीतर झांको और वहीं उसे महसूस करो।
दर्द आए तो हिम्मत से उसका सामना करो,
गिरो अगर राह में तो फिर उठकर चला करो।
जिंदगी अनमोल है, इसे यूं न गंवाओ,
हर पल को प्रेम, उम्मीद और मुस्कान से सजाओ।

पुलिस कार्रवाई और लाठीचार्ज के आरोपों के बीच भी आंदोलनकारियों का संघर्ष रहा जारी

विशाल कल्याण
स्वतंत्र लेखक

जंतर मंतर पर लगभग एक महीने तक चले छात्रों और युवाओं के आंदोलन ने पूरे देश का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया। आंदोलन के दौरान सरकार और उसके समर्थकों पर यह आरोप लगाया गया कि उन्होंने आंदोलन को बदनाम करने का हरसंभव प्रयास किया। आंदोलनकारियों को देशद्रोही, विदेशी ताकतों से धन लेने वाला, टुकड़े गैंग का सदस्य, पाकिस्तान समर्थक और देश के विकास में बाधा डालने वाला बताया गया। सोशल मीडिया पर भी आंदोलन में शामिल छात्रों और युवाओं के खिलाफ अपमानजनक भाषा का प्रयोग किया गया। आंदोलनकारियों का कहना था कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में अपनी मांगों को लेकर शांतिपूर्ण प्रदर्शन करना प्रत्येक नागरिक का अधिकार है, लेकिन उन्हें लगातार संदेह की दृष्टि से देखा गया।

जंतर मंतर पर बड़ी संख्या में छात्र, छात्राएं और युवा पोस्टर तथा बैनर लेकर पहुंचे। कई छात्राएं अपने छात्रावास और घरों से निकलकर बिना किसी भय के आंदोलन में शामिल हुईं। प्रदर्शनकारियों ने खुले आसमान के नीचे रातें बिताईं, जमीन पर सोए, पुलिस की कार्रवाई और कठिन परिस्थितियों का सामना किया, लेकिन आंदोलन से पीछे नहीं हटे। उनका कहना था कि वे न्याय मिलने तक संघर्ष जारी रखेंगे। हर सुबह नई ऊर्जा और उत्साह के साथ प्रदर्शन स्थल पर पहुंचने वाले युवाओं ने अपने धैर्य और संकल्प का परिचय दिया।

इस आंदोलन की एक विशेष बात यह रही कि नीट परीक्षा से जुड़े अनेक विद्यार्थियों के माता-पिता भी विभिन्न राज्यों से दिल्ली पहुंचे और अपने बच्चों की मांगों के समर्थन में खड़े हुए। उन्होंने भी भय का वातावरण छोड़कर आंदोलन में भाग लिया। इसी दौरान सोनम वांगचुक ने भूख हड़ताल शुरू की और लंबे समय तक अनशन पर रहे। आंदोलनकारियों का कहना था कि देशभर के लोग उनकी चिंता कर रहे थे, लेकिन सरकार ने उनकी मांगों पर गंभीरता से ध्यान नहीं दिया। प्रदर्शनकारियों का आरोप था कि पुलिस के माध्यम से आंदोलन को दबाने, लाठीचार्ज करने और मुकदमे दर्ज करने जैसी कार्रवाइयों का सहारा लिया गया। आंदोलन के दौरान शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग प्रमुख रूप से उठाई गई और विभिन्न प्रकार के नारे लगाए गए।

आंदोलनकारियों का कहना था कि उन्हें भोजन और पानी उपलब्ध कराने के लिए बड़ी संख्या में लोग आगे आए, लेकिन कई स्थानों पर पुलिस ने सहायता पहुंचाने वालों को भी रोका। प्रदर्शनकारियों ने इसे लोकतांत्रिक मूल्यों के विपरीत बताया। उनका प्रश्न था कि यदि छात्र अपने अधिकारों और भविष्य को लेकर आंदोलन कर रहे हैं, तो उनके भोजन और पानी तक को रोकना किस प्रकार उचित ठहराया जा सकता है। आंदोलन के दौरान विपक्षी दलों के कई नेता भी समर्थन देने पहुंचे। किसी ने जंतर मंतर पर जाकर प्रदर्शनकारियों से मुलाकात की तो किसी ने अलग स्थान पर धरना और अनशन किया। विपक्ष ने संसद में भी इस मुद्दे को उठाते हुए शिक्षा मंत्री के इस्तीफे, पेपर लीक पर कठोर कानून और राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी में सुधार की मांग की।

बीस जुलाई को जब प्रदर्शनकारी संसद की ओर बढ़े तो पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच टकराव की स्थिति उत्पन्न हो गई। आंदोलनकारियों का आरोप था कि पुलिस ने लाठीचार्ज किया, अनेक छात्र घायल हुए और कई लोगों को गंभीर चोटें आईं। इसके बावजूद प्रदर्शन जारी रहा। बाद में विपक्ष के सड़क पर उतरने के बाद सरकार ने तेज गति से कार्रवाई करते हुए फास्ट ट्रैक अदालत, नए कानून और विभिन्न सुधारों की घोषणाएं कीं।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

रिश्वतखोरी केवल अपराध नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र के विकास को भीतर से खोखला करने वाली बीमारी

तारा ठाकुर
स्वतंत्र लेखक

रिश्वतखोरी केवल एक आर्थिक अपराध नहीं है, बल्कि यह समाज और राष्ट्र के विकास को भीतर ही भीतर खोखला करने वाली गंभीर बीमारी है। यह व्यवस्था में लोगों के विश्वास को कमजोर करती है, ईमानदार लोगों का मनोबल तोड़ती है और भ्रष्टाचार को बढ़ावा देती है। जब किसी सरकारी या निजी कार्य को नियमों के बजाय पैसे के बल पर करवाने की प्रवृत्ति बढ़ने लगती है, तब न्याय, समानता और पारदर्शिता जैसी लोकतांत्रिक मूल अवधारणाएं प्रभावित होती हैं। ऐसी स्थिति में योग्य व्यक्ति स्वयं को उपेक्षित महसूस करने लगता है और व्यवस्था के प्रति उसका विश्वास धीरे-धीरे समाप्त होने लगता है।

रिश्वतखोरी का प्रभाव केवल व्यक्ति या किसी एक विभाग तक सीमित नहीं रहता। इसका असर पूरे सामाजिक और प्रशासनिक ढांचे पर पड़ता है। जब किसी काम के लिए योग्यता और नियमों के बजाय धन तथा प्रभाव को अधिक महत्व मिलने लगे तो समाज में असमानता बढ़ती है। जिन लोगों के पास आर्थिक संसाधन होते हैं वे अपने काम आसानी से करवा लेते हैं, जबकि गरीब और कमजोर वर्ग अपने वैध अधिकारों के लिए भी कार्यालयों के चक्कर लगाने को मजबूर हो जाता है। उसके पास रिश्वत देने के लिए पर्याप्त साधन नहीं होते, इसलिए उसे सरकारी योजनाओं और सेवाओं का लाभ समय पर नहीं मिल पाता। इससे सामाजिक न्याय की भावना कमजोर होती है और नागरिकों में निराशा तथा असंतोष का वातावरण पैदा होता है।

रिश्वतखोरी का सबसे गंभीर दुष्प्रभाव यह है कि यह योग्यता और ईमानदारी को पीछे धकेल देती है। किसी समाज में यदि मेहनत, प्रतिभा और नियमों के पालन से अधिक महत्व पैसे तथा संपर्कों को मिलने लगे तो प्रतिभाशाली युवाओं का विश्वास टूट सकता है। उन्हें लगने लगता है कि सफलता केवल योग्यता से नहीं बल्कि आर्थिक और राजनीतिक प्रभाव से हासिल की जा सकती है। ऐसी सोच किसी भी राष्ट्र की प्रगति के लिए बेहद नुकसानदायक है। देश की वास्तविक ताकत उसकी प्रतिभा, मेहनत और ईमानदार नागरिकों में होती है। यदि यही वर्ग व्यवस्था से निराश होने लगे तो विकास की गति स्वाभाविक रूप से प्रभावित होगी।

आज रिश्वतखोरी का असर शिक्षा, स्वास्थ्य, राजस्व, निर्माण कार्य, भर्ती प्रक्रियाओं, ठेकों, परिवहन और अनेक सरकारी सेवाओं तक दिखाई देता है। कई बार विकास कार्यों में भ्रष्टाचार के कारण निर्धारित धनराशि का सही उपयोग नहीं हो पाता। परियोजनाओं की लागत बढ़ जाती है, गुणवत्ता प्रभावित होती है और जनता के लिए बनाई गई सुविधाएं अपेक्षित स्तर की नहीं रह पातीं। सड़कें जल्दी टूटती हैं, पुलों और भवनों की गुणवत्ता पर सवाल उठते हैं तथा सार्वजनिक संसाधनों का दुरुपयोग होता है। अंततः इसका आर्थिक बोझ भी आम नागरिकों को ही उठाना पड़ता है।

यदि विद्यालयों, अस्पतालों, सड़कों, पुलों और अन्य सार्वजनिक परियोजनाओं में पारदर्शिता का अभाव रहेगा तो उसका सीधा प्रभाव आम लोगों के जीवन पर पड़ेगा। सरकारी योजनाओं का उद्देश्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक सुविधा पहुंचाना होता है, लेकिन भ्रष्टाचार इस उद्देश्य को कमजोर कर देता है। जिस धन का इस्तेमाल गरीबों, विद्यार्थियों, मरीजों या ग्रामीण क्षेत्रों के विकास के लिए होना चाहिए, उसका एक हिस्सा गलत तरीके से निजी लाभ में चला जाए तो यह केवल सरकारी धन की हानि नहीं बल्कि जनता के अधिकारों का हनन भी है।

रिश्वतखोरी से निपटने के लिए केवल कठोर कानून बनाना पर्याप्त नहीं है। कानूनों का निष्पक्ष और प्रभावी पालन भी उतना ही आवश्यक है। रिश्वत लेने और देने वाले दोनों के विरुद्ध समयबद्ध तथा निष्पक्ष कार्रवाई होनी चाहिए। भ्रष्टाचार के मामलों की जांच में किसी भी प्रकार का राजनीतिक या आर्थिक दबाव स्वीकार नहीं किया जाना चाहिए। दोषियों को ऐसा दंड मिलना चाहिए जिससे समाज में स्पष्ट संदेश जाए कि भ्रष्टाचार किसी भी परिस्थिति में स्वीकार्य नहीं है।

न्याय व्यवस्था की गति भी इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। भ्रष्टाचार से जुड़े मामलों का लंबे समय तक लंबित रहना व्यवस्था के प्रति गलत संदेश दे सकता है। यदि दोषी वर्षों तक कानूनी प्रक्रिया में उलझे रहें और उन्हें समय पर दंड न मिले तो भ्रष्ट लोगों के मन में कानून का भय कम हो सकता है। इसलिए भ्रष्टाचार के मामलों के शीघ्र निपटारे के लिए प्रभावी तंत्र विकसित करना आवश्यक है। कानून तभी प्रभावी होता है जब उसका क्रियान्वयन निष्पक्ष, पारदर्शी और समयबद्ध हो।

रिश्वतखोरी पर अंकुश लगाने में डिजिटल व्यवस्था भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। सरकारी सेवाओं का अधिक से अधिक डिजिटलीकरण और ऑनलाइन व्यवस्था भ्रष्टाचार की संभावनाओं को कम कर सकती है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

व्यक्तित्व विशेष

स्वतंत्रता संग्राम की निर्भीक बेटी

भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में अनेक ऐसे क्रांतिकारी हुए, जिन्होंने देश की आजादी के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया। इनमें **बीना दास** का नाम विशेष सम्मान के साथ लिया जाता है। उनका जन्म **24 अगस्त** 1911 को बंगाल प्रेसिडेंसी के नदिया जिले के कृष्णनगर में हुआ था, जो वर्तमान में पश्चिम बंगाल में स्थित है। वह ऐसे दौर में बड़ी हुईं, जब देश अंग्रेजी शासन की गुलामी से मुक्त होने के लिए संघर्ष कर रहा था और युवाओं में राष्ट्रवादी चेतना तेजी से बढ़ रही थी।

बीना दास
जन्म : 24 अगस्त 1911

बीना दास का परिवार भी राष्ट्रवादी विचारों से प्रभावित था। उनके पिता वेणी माधव दास प्रसिद्ध शिक्षक और राष्ट्रवादी विचारों वाले व्यक्ति थे। परिवार के वातावरण ने बीना के भीतर देशप्रेम और स्वतंत्रता की भावना को मजबूत किया। शिक्षा प्राप्त करने के दौरान ही वह स्वतंत्रता आंदोलन से जुड़ीं और ब्रिटिश शासन के विरुद्ध सक्रिय राष्ट्रवादी गतिविधियों में भाग लेने लगीं।

1932 में बीना दास ने ब्रिटिश शासन के खिलाफ अपने साहसिक कदम से पूरे देश का ध्यान आकर्षित किया। उन्होंने कलकत्ता विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में तत्कालीन बंगाल के गवर्नर स्टेनली जैक्सन पर गोली चलाने का प्रयास किया। उनका उद्देश्य ब्रिटिश शासन के प्रतिनिधि के विरुद्ध अपना विरोध दर्ज कराना और स्वतंत्रता आंदोलन की भावना को मजबूती देना था। हालांकि उनका प्रयास सफल नहीं हुआ और उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया, लेकिन उनके साहस ने भारतीय युवाओं में गहरी प्रेरणा पैदा की।

बीना दास को इस कार्रवाई के लिए कारावास की सजा मिली। जेल में रहते हुए भी उनके भीतर देश के प्रति समर्पण कम नहीं हुआ। वह स्वतंत्रता आंदोलन में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी की महत्वपूर्ण प्रतीक बन गईं। उनका जीवन इस बात का प्रमाण है कि भारत की आजादी की लड़ाई केवल पुरुषों का संघर्ष नहीं थी, बल्कि महिलाओं ने भी अपने साहस, त्याग और संघर्ष से उसमें महत्वपूर्ण योगदान दिया। स्वतंत्रता के बाद बीना दास ने सार्वजनिक जीवन में भी योगदान दिया। उन्होंने सामाजिक और राजनीतिक गतिविधियों में हिस्सा लिया तथा समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को निभाया।

'भारतेन्दु शिखर

प्रकाशक, मुद्रक, संपादक एवं स्वामी शिवांश धाकड़ द्वारा शर्मा भवन, न्यू रणजीत नगर, एप्पल फ्रूट मंडी, नजदीक ढली टनल, शिमला (हि.प्र.) 171006 से प्रकाशित एवं बायोसर्ट इंटरनेशनल प्रा. लि. प्लॉट नंबर 8, फेज-2 इंडस्ट्रियल एरिया, नगरोटा बगवां, जिला कांगड़ा (हि.प्र.), पिन नंबर-176047 से मुद्रित। समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन के लिए पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद शिमला न्यायालय के अधीन होंगे।

आरएनआई संदर्भ संख्या-HPHIN/2000/02437
ई-मेल : bhartendunewsmedia@gmail.com, फोन नंबर : 88946-77702

मेरठ: 200 गांवों तक पहुंचेगा एचआईवी जागरूकता अभियान

एजेंसी, मेरठ

मेरठ में एचआईवी संक्रमण की रोकथाम और समय पर जांच को बढ़ावा देने के लिए विशेष अभियान शुरू किया जा रहा है। नेशनल एड्स कंट्रोल आर्गेनाइजेशन की ओर से चलाए जा रहे आई स्कैन अभियान के तहत मेरठ को प्रदेश के एचआईवी जांच के लिए उच्च प्राथमिकता वाले नौ शहरों में शामिल किया गया है। जिले में अब तक करीब 4200 एचआईवी संक्रमित मरीज पंजीकृत किए जा चुके हैं। ऐसे में ग्रामीण क्षेत्रों तक जागरूकता और जांच की सुविधा पहुंचाने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। आई स्कैन अभियान 24 अगस्त से 30 सितंबर तक चलेगा। इस दौरान मेरठ के 200 गांवों में खुली बैठकें आयोजित कर लोगों को एचआईवी संक्रमण से बचाव और जांच के प्रति जागरूक किया जाएगा। प्रत्येक गांव में क्यूआर कोड वाले पंपलेट भी वितरित किए जाएंगे। लोग अपने मोबाइल फोन से क्यूआर कोड को स्कैन कर स्वयं जोखिम का आकलन कर सकेंगे। यदि किसी व्यक्ति को संक्रमण का जोखिम महसूस होता है तो वह नजदीकी केंद्र पर जाकर निश्शुल्क जांच करा सकेगा। जिला क्षय रोग अधिकारी डा. विपुल कुमार के अनुसार आई स्कैन क्यूआर कोड की शुरुआत हो चुकी है। अभियान का उद्देश्य लोगों को एचआईवी के प्रति सही जानकारी उपलब्ध कराना और जांच के लिए प्रोत्साहित करना है। उन्होंने कहा कि एचआईवी से बचाव के लिए जागरूकता बेहद जरूरी है। समय पर जांच होने से संक्रमित व्यक्ति को आवश्यक परामर्श और उपचार संबंधी सेवाएं उपलब्ध कराई जा सकती हैं। अभियान के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों की झिझक दूर करने और एचआईवी जांच को लेकर जागरूकता बढ़ाने का प्रयास किया जाएगा। स्वास्थ्य विभाग का जोर है कि अधिक से अधिक लोग सुरक्षित व्यवहार अपनाएं और आवश्यकता होने पर बिना संकोच जांच कराएं।

न्यूज ब्रीफ

वाराणसी में चीनी की बढ़ती कीमतों पर प्रशासन सख्त

एजेंसी, वाराणसी। वाराणसी में चीनी की बढ़ती कीमतों को लेकर जिला प्रशासन ने लोगों को राहत देने का प्रयास किया है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जिले में चीनी की पर्याप्त मात्रा में उपलब्धता है और बाजार में किसी तरह की कमी नहीं है। अपर जिलाधिकारी अमित कुमार भारतीय की ओर से जारी पत्र में कहा गया कि खाद्य एवं रसद विभाग के अधिकारी लगातार बाजार का निरीक्षण कर रहे हैं और चीनी की उपलब्धता के साथ कीमतों पर भी निगरानी रखी जा रही है। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि वे अपनी आवश्यकता के अनुसार खुले बाजार से चीनी खरीद सकते हैं और किसी तरह की अफवाह पर ध्यान न दें। हालांकि, प्रशासन के आश्वासन के बावजूद बाजार में चीनी की कीमतों को लेकर स्थिति पूरी तरह स्पष्ट नहीं है। बढ़ती कीमतों से ग्राहकों की चिंता बढ़ी हुई है। प्रशासन ने जमाखोरी और कालाबाजारी करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी है। अधिकारियों का कहना है कि बाजार में कृत्रिम कमी पैदा करने की कोशिश करने वालों पर नजर रखी जा रही है। प्रशासन के इस कदम से आने वाले दिनों में चीनी की कीमतों में स्थिरता आने की उम्मीद है।

कानपुर में बोले वायुसेना अध्यक्ष, चरणबद्ध सुधारों से मजबूत होगी सैन्य क्षमता

एजेंसी, कानपुर। कानपुर में वायु सेना अध्यक्ष एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने थिएटराइजेशन को लेकर भारतीय वायुसेना का रुख स्पष्ट किया। उन्होंने कहा कि वायुसेना थिएटराइजेशन के खिलाफ नहीं है, लेकिन किसी भी नई व्यवस्था को लागू करते समय मौजूदा ढांचे में न्यूनतम व्यवधान होना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत को किसी दूसरे देश की सैन्य व्यवस्था की नकल करने के बजाय अपनी जरूरतों और सुरक्षा चुनौतियों के अनुरूप सुधार करने चाहिए। थिएटराइजेशन के तहत सेना, नौसेना और वायुसेना की इकाइयां एकीकृत कमांड के तहत काम करेंगी। वायु सेना अध्यक्ष ने सैन्य क्षमता बढ़ाने, आधुनिक तकनीक अपनाने और रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को मजबूत करने पर भी जोर दिया। उनका कहना था कि सुधार चरणबद्ध और व्यावहारिक तरीके से किए जाने चाहिए।

पूर्वोत्तर रेलवे के रनिंग स्टाफ का बढ़ा सेल भत्ता

एजेंसी, गोरखपुर। पूर्वोत्तर रेलवे के रनिंग स्टाफ को अब बढ़ा हुआ सेल भत्ता मिलेगा। रेलवे प्रशासन ने मासिक सेल भत्ते को 120 रुपये से बढ़ाकर 320 रुपये कर दिया है। इससे लोको पायलट, ट्रेन मैनेजर सहित रनिंग स्टाफ को सीधा लाभ मिलेगा। अभी तक आठ सेल की खरीद के लिए 15 रुपये प्रति सेल के हिसाब से 120 रुपये दिए जाते थे। अब 40 रुपये प्रति सेल के हिसाब से आठ सेल के लिए 320 रुपये मासिक मिलेंगे। कर्मचारियों की यह मांग लंबे समय से लंबित थी। एनई रेलवे मेंस कांग्रेस के महामंत्री अखिलेश पांडेय ने स्थायी वार्ता तंत्र की बैठक में मुद्दा उठाया था। महाप्रबंधक के निर्देश के बाद निर्णय लिया गया। इससे रेलकर्मियों में खुशी है।

योगी सरकार ने हटाई मातृत्व अवकाश में दो साल के अंतराल की बाध्यता

एजेंसी, लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने महिला सरकारी कर्मचारियों को बड़ी राहत देते हुए मातृत्व अवकाश के नियमों में बदलाव किया है। अब दूसरे बच्चे के जन्म पर मातृत्व अवकाश लेने के लिए पहले मातृत्व अवकाश की समाप्ति के बाद दो वर्ष का अंतराल पूरा करने की बाध्यता नहीं होगी। शनिवार को कैबिनेट बाई सर्कुलेशन संबंधित प्रस्ताव को मंजूरी दे दी गई। इससे उन महिला कर्मचारियों को राहत मिलेगी जिन्हें दूसरे बच्चे के जन्म के समय अवकाश लेने में नियमों के कारण परेशानी होती थी। अभी तक 180 दिनों तक के मातृत्व अवकाश के लिए दो साल के अंतराल की शर्त लागू थी। इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लखनऊ खंडपीठ में इस व्यवस्था के खिलाफ याचिका दायर की गई थी। इसके बाद सरकार ने नियम में बदलाव का फैसला लिया।

गंगा का रौद्र रूप, 12 घंटे में नदी में समाई 10 फुट जमीन

एजेंसी, बुलंदशहर। बुलंदशहर के अहार क्षेत्र में गंगा का जलस्तर भले ही कम हुआ है, लेकिन कटान की समस्या लगातार गंभीर बनी हुई है। पिछले 12 घंटों में गंगा की तेज धार करीब 10 फुट जमीन और सीसी मार्ग के हिस्से को अपने साथ बहा ले गई। सिद्ध बाबा घाट तक पहुंचने वाली लगभग 150 मीटर सीसी सड़क भी गंगा में समा चुकी है। घाट का चबूतरा, मेला स्थल और यज्ञ स्थल भी कटान की चपेट में हैं। करीब 20 दिन पहले बनाई गई सुरक्षा दीवार भी तेज धारा में बह गई। शनिवार को एडीएम वित्त एवं राजस्व अभिषेक कुमार ने एसडीएम स्याना के साथ प्रभावित क्षेत्र का निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों से कटान की स्थिति की जानकारी लेते हुए प्रभावित फसलों का सर्वे कराने और लगातार निगरानी रखने के निर्देश दिए।

वाराणसी में श्रीलंकाई उच्चायुक्त बोलीं, भारत-श्रीलंका रिश्ते घर जैसे

वाराणसी में गूंजी भारत-श्रीलंका दोस्ती की बात

एजेंसी, वाराणसी

भारत और श्रीलंका के बीच सदियों पुराने सांस्कृतिक, धार्मिक और ऐतिहासिक संबंधों को और मजबूत करने पर जोर दिया जा रहा है। वाराणसी के एक होटल में आयोजित एफएचआरएआई के 56वें वार्षिक सम्मेलन में भारत में श्रीलंका की उच्चायुक्त महिशिनी कोलोन्ने ने दोनों देशों के रिश्तों को बेहद आत्मीय बताते हुए कहा कि भारत और श्रीलंका एक-दूसरे के लिए घर जैसे हैं। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच भौगोलिक दूरी भले ही अलग-अलग देशों की पहचान कराती हो लेकिन यहां आने पर किसी तरह का विदेशीपन महसूस नहीं होता। दोनों देशों के लोगों के बीच लंबे समय से मजबूत सामाजिक और सांस्कृतिक जुड़ाव रहा है।

सम्मेलन के दौरान उच्चायुक्त ने पर्यटन, संस्कृति और ऐतिहासिक विरासत को दोनों देशों के संबंधों का महत्वपूर्ण आधार बताया। उन्होंने कहा कि भारत और श्रीलंका के बीच पर्यटन को बढ़ावा देने की काफी संभावनाएं हैं। धार्मिक और आध्यात्मिक पर्यटन के क्षेत्र में भी दोनों देशों के बीच सहयोग बढ़ाया जा सकता है। इससे न केवल पर्यटकों की आवाजाही बढ़ेगी बल्कि दोनों देशों के लोगों के बीच आपसी समझ और संबंध भी मजबूत होंगे। उन्होंने भारत के प्रमुख धार्मिक और सांस्कृतिक स्थलों के प्रति श्रीलंकाई लोगों की आस्था का भी उल्लेख किया।

महिशिनी कोलोन्ने ने रामेश्वरम और श्रीलंका के बीच भौगोलिक नजदीकी का जिक्र करते हुए बताया कि उनकी माता हाल ही में रामेश्वरम गई थीं। उन्होंने कहा कि रामेश्वरम से श्रीलंका बेहद करीब है और समुद्री दूरी दोनों देशों के पुराने संबंधों को भी दर्शाती है। इस नजदीकी के कारण धार्मिक यात्राओं और पर्यटन को बढ़ावा देने की काफी संभावनाएं हैं। उन्होंने दोनों देशों के बीच संपर्क सुविधाओं को बेहतर बनाने की आवश्यकता पर भी जोर दिया।

वाराणसी के महत्व का उल्लेख करते हुए श्रीलंकाई उच्चायुक्त ने कहा कि काशी उनके दिल के बेहद करीब है। उन्होंने कहा कि बचपन में किसी शहर के महत्व और उसकी आध्यात्मिक शक्ति को पूरी तरह समझ पाना संभव नहीं होता, लेकिन उम्र बढ़ने के साथ काशी की विशेषता और आध्यात्मिक ऊर्जा का अनुभव अधिक गहराई से होता है। वाराणसी की धार्मिक और सांस्कृतिक पहचान भारत और श्रीलंका के बीच साझा विरासत को समझने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

उन्होंने कोलंबो से वाराणसी के बीच सीधी उड़ान सेवा दोबारा शुरू करने की जरूरत पर भी जोर दिया। उनका मानना है कि सीधी हवाई सेवा शुरू होने से दोनों देशों के बीच पर्यटकों, श्रद्धालुओं और व्यापारिक यात्रियों की आवाजाही आसान होगी।

सीएम योगी ने अमर शहीद गुलाब सिंह लोधी को दी श्रद्धांजलि

एजेंसी, लखनऊ। लखनऊ में रविवार को अमर शहीद और स्वतंत्रता संग्राम सेनानी गुलाब सिंह लोधी के 91वें बलिदान दिवस पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अमीनाबाद स्थित ऐतिहासिक झंडेवाला पार्क पहुंचकर उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की और देश की आजादी के लिए दिए गए उनके सर्वोच्च बलिदान को याद किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि गुलाब सिंह लोधी ने ब्रिटिश हुकूमत को चुनौती देते हुए भारत की स्वतंत्रता और तिरंगे की आन-बान-शान के लिए अपने प्राण न्योछावर कर दिए थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गुलाब सिंह लोधी ने महज 32 वर्ष की आयु में मातृभूमि के लिए अपना सर्वस्व समर्पित कर दिया। उनका बलिदान आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता संग्राम के ऐसे महान सेनानियों ने देश को गुलामी की बेड़ियों से मुक्त कराने के लिए असाधारण साहस और त्याग का परिचय दिया। उनके योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने उन्नाव में गुलाब सिंह लोधी की स्मृति को स्थायी रूप देने के लिए कई महत्वपूर्ण घोषणाएं भी कीं। उनके नाम पर पार्क, स्वास्थ्य केंद्र और पुलिस प्रशिक्षण केंद्र का नामकरण किया गया है। सरकार का उद्देश्य स्वतंत्रता संग्राम के महान सेनानियों और बलिदानियों की स्मृतियों को संरक्षित करते हुए नई पीढ़ी को उनके जीवन और संघर्ष से परिचित कराना है।

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रदेश सरकार महान स्वतंत्रता सेनानियों के सम्मान और उनकी स्मृतियों को जीवंत बनाए रखने के लिए लगातार काम कर रही है। सरकार द्वारा लगभग 500 करोड़ रुपये खर्च कर विभिन्न महान सेनानियों और बलिदानियों से जुड़े स्थलों के विकास और संरक्षण का कार्य किया जा रहा है।

प्रयागराज की जलनिकासी व्यवस्था पर मुख्यमंत्री योगी ने उठाए सवाल

एजेंसी, प्रयागराज

प्रयागराज में बारिश के बाद शहर में हुए जलभराव को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कड़ी नाराजगी जताई। उन्होंने नगर निगम के अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए नगर आयुक्त सीलम साईं तेजा से जवाब मांगा कि जब शहर में जलनिकासी की पर्याप्त व्यवस्था की गई थी तो फिर जलभराव की स्थिति कैसे पैदा हो गई। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से पूछा कि नगर निगम की पूरी टीम आखिर क्या कर रही थी और समय रहते जलनिकासी की व्यवस्था क्यों नहीं कराई गई। उन्होंने स्पष्ट किया कि बारिश के दौरान लोगों को परेशानी से बचाना स्थानीय प्रशासन और नगर निगम की जिम्मेदारी है।

मुख्यमंत्री ने इस बात पर भी नाराजगी जताई कि प्रयागराज में जलभराव की समस्या को लेकर इलाहाबाद हाई कोर्ट को संज्ञान लेना पड़ा। उन्होंने अधिकारियों से पूछा कि जब शहर में व्यापक स्तर पर विकास और सौंदर्यीकरण के कार्य कराए गए हैं तो फिर जलनिकासी व्यवस्था प्रभावी क्यों नहीं रही। उन्होंने अधिकारियों को व्यवस्थाओं की नियमित निगरानी करने और कमियों को तत्काल दूर करने के निर्देश दिए।

बैठक के दौरान महाकुंभ के समय सड़कों के किनारे बनाए गए फुटपाथों पर दुकानों के आवंटन का मुद्दा भी उठा। मुख्यमंत्री ने कहा कि महाकुंभ के दौरान शहर की सड़कों को चौड़ा कराया गया था और पैदल चलने वाले लोगों की सुविधा के लिए बेहतर फुटपाथ बनाए गए थे। ऐसे में उन फुटपाथों पर दुकानें आवंटित किए जाने से पैदल यात्रियों की सुविधा प्रभावित नहीं होनी चाहिए।

मेरठ को जाम से मिलेगी राहत, भूड़बराल और मोदीपुरम में बनेंगे बस अड्डे

एजेंसी, मेरठ

◆ **प्रशासन** और परिवहन विभाग की इस योजना को मेरठ की यातायात व्यवस्था में महत्वपूर्ण बदलाव के तौर पर देखा जा रहा है। हालांकि नए बस अड्डों के निर्माण और उन्हें पूरी तरह संचालित करने में अभी समय लगेगा। जमीन संबंधी प्रक्रिया पूरी होने के बाद अब निर्माण से जुड़ी औपचारिकताओं पर ध्यान दिया जाएगा।

मेरठ शहर को जाम की समस्या से राहत दिलाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया है। शहर के बीच स्थित भैंसाली बस अड्डे को अब शहर के बाहर स्थानांतरित करने की तैयारी तेज हो गई है। इसके लिए भूड़बराल और मोदीपुरम में दो नए बस अड्डे विकसित किए जाएंगे। दोनों स्थानों पर बस अड्डों के निर्माण के लिए जमीन जुटाने की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। लंबे समय से प्रस्तावित इस योजना के धरातल पर आने से शहर के अंदर रोडवेज बसों की आवाजाही कम होने और यातायात व्यवस्था में सुधार की उम्मीद है।

भैंसाली बस अड्डा वर्तमान में शहर के प्रमुख और व्यस्त इलाकों में स्थित है। यहां उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों के अलावा दूसरे राज्यों से आने-जाने वाली बसों का भी संचालन होता है। बड़ी संख्या में बसों के शहर के भीतर आने और निकलने के कारण कई प्रमुख मार्गों पर यातायात का दबाव बढ़ जाता है। यात्रियों और स्थानीय लोगों को भी कई बार जाम की समस्या का सामना करना पड़ता है। इसी समस्या को देखते हुए बस अड्डे को शहर के बाहरी क्षेत्रों में स्थानांतरित करने की योजना तैयार की गई थी।

योजना के तहत भूड़बराल में बस अड्डे के लिए 28 हजार वर्ग मीटर जमीन की व्यवस्था की गई है। इस जमीन के मालिकों को मुआवजे के रूप में 42 करोड़ रुपये का भुगतान किया जा चुका है। अधिकारियों के अनुसार भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया पूरी हो गई है और अब निर्माण से जुड़ी आगे की कार्रवाई की जा सकती है। जमीन की व्यवस्था करने में अधिकारियों को दो साल से अधिक समय लगा।

दूसरी ओर मोदीपुरम में नए बस अड्डे के लिए 11,848 वर्ग मीटर जमीन की व्यवस्था की गई है। इस जमीन के मुआवजे का भुगतान जल्द किए जाने की बात कही जा रही है। इसके लिए जिलाधिकारी की स्वीकृति भी मिल चुकी है। मुआवजा वितरित होने के बाद यहां भी बस अड्डे के निर्माण की प्रक्रिया आगे बढ़ने की उम्मीद है।

नए बस अड्डों के तैयार होने के बाद शहर के भीतर लंबी दूरी की बसों का प्रवेश सीमित किया जा सकेगा। इससे भैंसाली और आसपास के क्षेत्रों में यातायात का दबाव कम होने की संभावना है। साथ ही यात्रियों के लिए शहर के बाहरी हिस्सों में आधुनिक सुविधाओं से युक्त बस अड्डे विकसित किए जा सकेंगे।

कानपुर में पान मसाला फैक्ट्रियों पर छापे, 15 करोड़ की सामग्री जब्त

एजेंसी, कानपुर। कानपुर में पान मसाला निर्माण इकाइयों पर खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन की बड़ी कार्रवाई से कारोबारियों में हड़कंप मच गया। विभाग की टीम ने शहर की 41 पान मसाला निर्माण इकाइयों में एक साथ जांच अभियान चलाया। जांच के दौरान 12 इकाइयों में उत्पादन होता हुआ पाया गया जबकि 29 इकाइयां बंद मिलीं। अधिकारियों ने उत्पादन प्रक्रिया के साथ कच्चे माल और तैयार उत्पादों की भी जांच की। इस दौरान कई इकाइयों में खाद्य गुणवत्ता और सुरक्षा मानकों की अनदेखी सामने आई।

जांच में पान मसाला तैयार करने में खाने वाले चूने के स्थान पर औद्योगिक चूने के इस्तेमाल का मामला सामने आया। खाद्य सुरक्षा विभाग ने इसे गंभीर अनियमितता मानते हुए संबंधित इकाइयों के खिलाफ कार्रवाई शुरू की। अधिकारियों के अनुसार औद्योगिक चूने का खाद्य उत्पाद में इस्तेमाल स्वास्थ्य के लिए गंभीर जोखिम पैदा कर सकता है। इसी को देखते हुए जांच टीम ने मौके से संदिग्ध सामग्री और अन्य सामान के नमूने भी कब्जे में लिए।

विभागीय कार्रवाई के दौरान सात उत्पादन इकाइयों से 15 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की सामग्री जब्त की गई। इसके अलावा दो इकाइयों के लाइसेंस भी निलंबित कर दिए गए हैं। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि खाद्य पदार्थों के निर्माण में निर्धारित मानकों का पालन करना अनिवार्य है और नियमों का उल्लंघन करने वाली इकाइयों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

कानपुर-कन्नौज में एटीएस ने 17 संदिग्धों को उठाया

एजेंसी, कानपुर। पाकिस्तान से कथित संपर्क को लेकर उत्तर प्रदेश एंटी टेररिस्ट स्क्वायड ने कानपुर, कानपुर देहात और कन्नौज में बड़ी कार्रवाई की है। एटीएस ने तीनों जिलों से कुल 17 लोगों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया। जांच के दौरान पूछताछ पूरी होने के बाद 14 लोगों को छोड़ दिया गया, जबकि कानपुर नगर के तीन संदिग्धों से अब भी गहन पूछताछ की जा रही है। जांच एजेंसी को इन तीनों के पाकिस्तान से कथित रूप से गहरे संबंध होने का शक है। बताया जा रहा है कि स्वतंत्रता दिवस के दौरान खुफिया और जांच एजेंसियों ने अपने निगरानी तंत्र को सक्रिय किया था। इसी दौरान एटीएस की नजर ऐसे लोगों पर गई, जिन्होंने पाकिस्तान में रहने वाले कुछ लोगों से फोन पर बातचीत की थी। इसके बाद संदिग्ध गतिविधियों की जानकारी जुटाने और संपर्कों की पड़ताल करने के लिए कार्रवाई शुरू की गई। एटीएस ने कानपुर नगर के साथ कानपुर देहात और कन्नौज में भी संदिग्धों से पूछताछ की। एजेंसी अब यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि संबंधित लोगों का पाकिस्तान में मौजूद व्यक्तियों से किस तरह का संपर्क था और बातचीत का उद्देश्य क्या था। हालांकि अभी तक किसी भी संदिग्ध के खिलाफ आरोपों की अंतिम पुष्टि नहीं हुई है। जांच एजेंसी तीनों संदिग्धों के मोबाइल फोन, संपर्कों और अन्य गतिविधियों से जुड़ी जानकारी की पड़ताल कर रही है। अधिकारियों की पूछताछ पूरी होने के बाद ही मामले की तस्वीर स्पष्ट हो सकेगी। फिलहाल एटीएस की कार्रवाई के बाद कानपुर और आसपास के क्षेत्रों में सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हैं।

ओडिशा की उपमुख्यमंत्री ने काशी-ओडिशा जुड़ाव को बताया ऐतिहासिक

◆ **जगन्नाथ-विश्वनाथ के रिश्ते को मजबूत करेगी नई सांस्कृतिक पहल**

एजेंसी, वाराणसी

वाराणसी में आयोजित ओडिशा पर्व के दौरान काशी और ओडिशा के सदियों पुराने सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक रिश्तों को और मजबूत करने पर जोर दिया गया। ओडिशा की उपमुख्यमंत्री एवं पर्यटन मंत्री प्रवति परिदा ने कहा कि आयोजन की मूल भावना जगन्नाथ को विश्वनाथ से जोड़ने की है। उन्होंने कहा कि काशी और पुरी दोनों ही देश की आस्था और संस्कृति के महत्वपूर्ण केंद्र हैं तथा दोनों के बीच लंबे समय से धार्मिक और सांस्कृतिक संबंध रहे हैं।

लालपुर स्थित ट्रेड फैसिलिटी सेंटर में आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि काशी के माध्यम से ओडिशा की समृद्ध कला, संस्कृति, परंपराओं और पर्यटन को देशभर के लोगों तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। ओडिशा पर्व इसी उद्देश्य को आगे बढ़ाने वाला महत्वपूर्ण आयोजन है। इससे दोनों राज्यों के लोगों के बीच सांस्कृतिक संवाद और आपसी जुड़ाव को बढ़ावा मिलेगा।

उपमुख्यमंत्री ने काशी और पुरी के बीच पर्यटन संबंधों को और मजबूत करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि धार्मिक पर्यटन के साथ-साथ दोनों क्षेत्रों की कला, हस्तशिल्प, लोक परंपराओं और सांस्कृतिक विरासत को भी लोगों तक पहुंचाया जाना चाहिए। इससे पर्यटन को बढ़ावा मिलने के साथ स्थानीय कलाकारों और कारोबारियों को भी नए अवसर मिल सकते हैं। इस दौरान काशी के नमो घाट के मॉडल की भी चर्चा हुई। ओडिशा में इसी तरह के विकास कार्यों को अपनाने की बात कही गई। कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के श्रम एवं रोजगार मंत्री अनिल राजभर भी मौजूद रहे।

विकास | डॉ. राजेंद्र प्रसाद की प्रतिमा से सजेगा यातायात तिराहा, बढ़ेगी शहर की खूबसूरती

गोरखपुर में बदलेगा यातायात तिराहे का स्वरूप

एजेंसी, गोरखपुर

शहर के प्रमुख यातायात तिराहे का स्वरूप अब जल्द ही पूरी तरह बदला हुआ नजर आएगा। स्मार्ट सिटी परियोजना के तहत यातायात तिराहे के पुनर्विकास और सुंदरीकरण का काम शुरू कर दिया गया है। करीब 1.75 करोड़ रुपये की लागत से होने वाले इस कायाकल्प में यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने के साथ तिराहे को आकर्षक और व्यवस्थित रूप देने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। परियोजना के पूरा होने के बाद यहां आने-जाने वाले वाहन चालकों और पैदल राहगीरों को पहले की तुलना में बेहतर सुविधाएं मिलने की उम्मीद है।

प्रस्तावित योजना के अनुसार यातायात तिराहे पर नया गोलंबर बनाया जाएगा। इसके मध्य हिस्से को आकर्षक कला शैली से सजाया जाएगा। गोलंबर के आसपास हरियाली विकसित करने के साथ सजावटी पौधे भी लगाए जाएंगे। इससे तिराहा देखने में सुंदर होने के साथ शहर के प्रमुख प्रवेश और आवागमन मार्गों में एक आकर्षक स्थल के रूप में भी विकसित होगा। तिराहे के सौंदर्यीकरण में आधुनिक प्रकाश व्यवस्था का भी इस्तेमाल किया जाएगा। आकर्षक रोशनी से रात के समय इसका स्वरूप और बेहतर दिखाई देगा।

परियोजना में यातायात व्यवस्था को व्यवस्थित करने के लिए वाहनों के आवागमन की अलग-अलग लेन तैयार करने की योजना है। इससे अलग-अलग दिशाओं से आने वाले वाहनों को व्यवस्थित तरीके से आगे बढ़ने में मदद मिलेगी। यातायात का दबाव कम होने से तिराहे पर लगने वाले जाम से भी राहत मिलने की उम्मीद है। शहर के व्यस्त मार्गों को जोड़ने वाले इस तिराहे पर दिनभर बड़ी संख्या में वाहनों की आवाजाही रहती है। ऐसे में यातायात को सुचारु बनाए रखना परियोजना का महत्वपूर्ण उद्देश्य माना जा रहा है।

तिराहे के पुनर्विकास में पैदल राहगीरों की सुविधा का भी विशेष ध्यान रखा गया है। योजना के तहत फुटपाथ की चौड़ाई बढ़ाई जाएगी ताकि लोगों को सड़क पर चलने के बजाय सुरक्षित और पर्याप्त स्थान मिल सके। इससे पैदल चलने वाले लोगों और वाहनों की आवाजाही को अलग-अलग रखने में मदद मिलेगी। व्यस्त तिराहे पर पैदल यात्रियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए यह व्यवस्था काफी उपयोगी साबित हो सकती है।

स्मार्ट सिटी परियोजना से बदलेगा यातायात तिराहा

नगर निगम की ओर से तैयार किए गए प्रस्तावित प्रारूप में तिराहे के भविष्य के स्वरूप को दर्शाया गया है। निर्माण कार्य पूरा होने के बाद प्रस्तावित डिजाइन धरातल पर नजर आएगा। अधिकारियों का मानना है कि पुनर्विकास से यातायात व्यवस्था और शहर के सौंदर्यीकरण दोनों को लाभ मिलेगा। गोरखपुर में लगातार बढ़ते यातायात दबाव के बीच इस परियोजना को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। गोलंबर, अलग लेन, चौड़े फुटपाथ और बेहतर प्रकाश व्यवस्था जैसी सुविधाएं तिराहे को अधिक व्यवस्थित बनाने में मदद करेंगी। परियोजना पूरी होने के बाद यह स्थान शहर के प्रमुख आकर्षणों में शामिल होने के साथ यातायात संचालन को भी अधिक सुगम बनाने में अहम भूमिका निभा सकता है।

यूपी सूचना आयोग हुआ डिजिटल 23 हजार से अधिक मामले निपटे

एजेंसी, लखनऊ

◆ **मुख्यमंत्री योगी से मिले सूचना आयुक्त, कामकाज की दी जानकारी**

उत्तर प्रदेश राज्य सूचना आयोग में डिजिटल व्यवस्था लागू होने से लंबित मामलों के निस्तारण में तेजी आई है। ई-फाइलिंग और हाइब्रिड सुनवाई की सुविधा शुरू होने के बाद आयोग में जनसूचना से जुड़े मामलों को तेजी से निपटाया जा रहा है। शनिवार को मुख्य सूचना आयुक्त डॉ. राज कुमार विश्वकर्मा के नेतृत्व में सूचना आयुक्तों के प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात कर आयोग के कामकाज और लंबित प्रकरणों की स्थिति की जानकारी दी। इस दौरान बताया गया कि 23 हजार से अधिक पुराने मामलों का निस्तारण किया जा चुका है।

प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री को बताया कि सूचना का अधिकार अधिनियम के तहत आने वाले मामलों को समयबद्ध तरीके से निस्तारित करने के लिए तकनीक का प्रभावी उपयोग किया जा रहा है। ई-फाइलिंग व्यवस्था से प्रकरणों को दर्ज करने और उनकी निगरानी करने में सुविधा मिल रही है। वहीं हाइब्रिड सुनवाई के माध्यम से पक्षकारों को आयोग में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने के साथ ही दूरस्थ माध्यम से सुनवाई में शामिल होने का विकल्प मिल रहा है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आयोग की कार्यप्रणाली और मामलों के निस्तारण की प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने लंबित प्रकरणों को तेजी से निस्तारित करने तथा सूचना के अधिकार से जुड़े मामलों में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने पर जोर दिया। डिजिटल माध्यमों के इस्तेमाल से आयोग के कामकाज में तेजी आने के साथ लोगों को भी सुविधा मिलने की उम्मीद है।

हर्ष एनकाउंटर पर बढ़ा रोष, मंत्री के काफिले को काले झंडे दिखाकर युवाओं ने जताया विरोध

एनकाउंटर की निष्पक्ष जांच की मांग, चार युवाओं को पुलिस ने हिरासत में लिया

भारतेंदु संवाददाता, कुरुक्षेत्र

करनाल में हर्ष एनकाउंटर मामले की निष्पक्ष जांच और करनाल विधायक के बयान को लेकर लोगों का रोष बढ़ता जा रहा है। रविवार को गांव मथाना में युवाओं ने पंचायत मंत्री कृष्ण पवार के काफिले को काले झंडे दिखाकर विरोध जताया। घटना के बाद पुलिस ने चार युवाओं को हिरासत में लेकर थाना सदर पिपली पहुंचाया, जिसके चलते गांव में माहौल गर्म हो गया।

पुलिस की कार्रवाई की सूचना मिलते ही ग्रामीण बड़ी संख्या में थाने की ओर पहुंचने लगे। वहीं अखिल भारतीय रोड़ महासभा के प्रधान बलकार पुंडरी भी थाना सदर पिपली पहुंचे। उन्होंने युवाओं की गिरफ्तारी का विरोध करते हुए पूरे मामले में कार्रवाई की मांग रखी। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस उपाधीक्षक गुरविंद्र सिंह ने महासभा के पदाधिकारियों से बातचीत शुरू की।

गिरफ्तारी के लिए तैयार होने का दावा : किसान नेता प्रवीण मथाना ने इंटरनेट मीडिया पर वीडियो जारी कर घटना की जानकारी दी। वीडियो सामने आने के बाद समाज के लोग थाने में जुटने लगे। बताया जा रहा है कि पुलिस हिरासत में लिए गए चारों युवाओं के खिलाफ मामला दर्ज कर गिरफ्तारी की तैयारी कर रही है। दूसरी ओर रोड़ महासभा ने स्पष्ट किया कि यदि विरोध करने वाले लोगों के खिलाफ गिरफ्तारी की कार्रवाई होती है तो संगठन के पदाधिकारी भी इसके लिए तैयार हैं।

एनकाउंटर की जांच को लेकर उठ रहे सवाल : मामला करनाल में हुए हर्ष एनकाउंटर से जुड़ा है। पुलिस कार्रवाई के दौरान हर्ष और बीरबल की मौत हुई थी। इसके बाद से रोड़ समाज की ओर से एनकाउंटर को लेकर सवाल उठाए जा रहे हैं। समाज के लोगों ने इसे कथित तौर पर फर्जी एनकाउंटर बताते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की है।

सीबीआइ जांच और विधायक पर कार्रवाई की मांग : रोड़ समाज के लोगों की मुख्य मांग मामले की सीबीआइ से जांच कराने की है। इसके साथ ही वे करनाल के विधायक जगमोहन आनंद के बयान को लेकर भी कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि जब तक मामले की निष्पक्ष और स्वतंत्र जांच नहीं होती, तब तक उनका आंदोलन जारी रहेगा।

इस मुद्दे को लेकर कुरुक्षेत्र में समाज की बड़ी बैठक भी हुई थी। इसके बाद प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से मुलाकात कर अपनी मांगें रखीं। मुख्यमंत्री की ओर से मांगों पर कार्रवाई का आश्वासन दिए जाने के बाद एनकाउंटर की जांच के आदेश जारी किए गए। हालांकि प्रदर्शनकारियों का कहना है कि मौजूदा जांच से वे संतुष्ट नहीं हैं।

हिसार में 170 और यमुनानगर में 50 हड़ताली कर्मचारी हिरासत में

भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़

हरियाणा में सफाई कर्मचारियों की हड़ताल के 18वें दिन रविवार को कूड़ा उठान को लेकर प्रशासन और हड़ताली कर्मचारियों के बीच कई शहरों में टकराव की स्थिति बन गई। लंबे समय से सफाई व्यवस्था प्रभावित होने के कारण शहरों में जगह-जगह कूड़े के ढेर जमा हैं। लोगों को गंदगी और दुर्गंध की समस्या का सामना करना पड़ रहा है। इसे देखते हुए प्रशासन ने पुलिस सुरक्षा के बीच कूड़ा उठाने की कार्रवाई शुरू कराई। हड़ताल कर रहे कर्मचारियों ने इसका विरोध किया, जिसके बाद कई स्थानों पर तनाव की स्थिति पैदा हो गई।

हिसार में प्रशासन की कार्रवाई के दौरान करीब 170 हड़ताली कर्मचारियों को हिरासत में लिया गया। वहीं यमुनानगर में भी लगभग 50 कर्मचारियों को पुलिस ने हिरासत में लिया। इसके अलावा चरखी दादरी और डबवाली में भी कूड़ा उठान का विरोध करने पहुंचे कर्मचारियों पर पुलिस कार्रवाई की गई। प्रशासन की ओर से कुछ स्थानों पर वैकल्पिक व्यवस्था के तहत कूड़ा उठाने का काम शुरू कराया गया, लेकिन सभी शहरों में सफाई व्यवस्था पूरी तरह सामान्य नहीं हो सकी।

सफाई कर्मचारियों की हड़ताल के कारण नगर निकायों के सामने सफाई व्यवस्था बनाए रखना बड़ी चुनौती बन गया है। लगातार कई दिनों से कूड़ा नहीं उठने के कारण मुख्य बाजारों, रिहायशी क्षेत्रों और अन्य सार्वजनिक स्थानों पर कचरे के ढेर बढ़ते जा रहे हैं। इससे स्थानीय लोगों में भी नाराजगी बढ़ रही है। कई जगहों पर कूड़े के कारण रास्तों और सार्वजनिक स्थानों पर आवाजाही प्रभावित होने की स्थिति बनी हुई है।

प्रशासन का कहना है कि शहरों में आवश्यक सफाई व्यवस्था बनाए रखना जरूरी है। इसी के तहत पुलिस सुरक्षा में कूड़ा उठाने की प्रक्रिया शुरू की गई। दूसरी ओर हड़ताली कर्मचारी अपनी मांगों को लेकर आंदोलन जारी रखे हुए हैं। कर्मचारियों का कहना है कि उनकी मांगों का समाधान किए बिना सफाई व्यवस्था को सामान्य करने की कोशिश से समस्या का स्थायी समाधान नहीं होगा।

रविवार की घटनाओं के बाद सरकार और कर्मचारी संगठनों के बीच गतिरोध और गंभीर हो गया है। प्रशासन के सामने शहरों को साफ रखने के साथ कानून-व्यवस्था बनाए रखने की भी चुनौती है। वहीं कर्मचारियों की हड़ताल लंबी खिंचने से आम लोगों की परेशानी बढ़ती जा रही है। ऐसे में दोनों पक्षों के बीच बातचीत के जरिए जल्द समाधान निकालना जरूरी माना जा रहा है। यदि हड़ताल जारी रहती है तो आने वाले दिनों में सफाई व्यवस्था और अधिक प्रभावित हो सकती है।

कुलदीप शर्मा ने दीपेंद्र हुड्डा के खिलाफ खरगे को लिखा पत्र

हरियाणा कांग्रेस में बढ़ी अंदरूनी खींचतान, दीपेंद्र हुड्डा को सीडब्ल्यूसी से हटाने की मांग

भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़

हरियाणा कांग्रेस में अंदरूनी खींचतान एक बार फिर खुलकर सामने आई है। पूर्व विधानसभा अध्यक्ष और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता कुलदीप शर्मा ने पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को पत्र लिखकर रोहतक से कांग्रेस सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा को कांग्रेस कार्यसमिति से हटाने की मांग की है। यह मामला पूर्व कांग्रेस नेता सज्जन कुमार को लेकर दिए गए कथित विवादित बयान से जुड़ा है। कुलदीप शर्मा का आरोप है कि इस बयान से सिख समुदाय में नाराजगी पैदा हुई है और इसका राजनीतिक असर कांग्रेस को पंजाब समेत अन्य क्षेत्रों में उठाना पड़ सकता है।

शर्मा ने अपने पत्र में पार्टी नेतृत्व से मामले को गंभीरता से लेने और संगठनात्मक स्तर पर उचित कार्रवाई करने का आग्रह किया है। उनका कहना है कि कांग्रेस को ऐसे बयानों से बचना चाहिए, जिनसे किसी समुदाय की भावनाएं आहत हों या पार्टी की राजनीतिक स्थिति कमजोर हो। उन्होंने विशेष रूप से दीपेंद्र हुड्डा की कांग्रेस कार्यसमिति में भूमिका पर सवाल उठाते हुए उन्हें वहां से हटाने की मांग की है।

हरियाणा कांग्रेस में गुटबाजी फिर खुलकर आई सामने

इस घटनाक्रम ने हरियाणा कांग्रेस में पहले से चली आ रही गुटबाजी की चर्चा को फिर तेज कर दिया है। प्रदेश कांग्रेस में अलग-अलग नेताओं के बीच राजनीतिक मतभेद समय-समय पर सामने आते रहे हैं। ऐसे में वरिष्ठ नेता की ओर से पार्टी के राष्ट्रीय नेतृत्व को सीधे पत्र लिखे जाने को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। कुलदीप शर्मा ने यह भी आशंका जताई है कि सज्जन कुमार से जुड़े बयान का असर कांग्रेस के जनाधार पर पड़ सकता है। खासकर पंजाब की राजनीति में सिख समुदाय की भावनाओं को महत्वपूर्ण माना जाता है। ऐसे में पार्टी के नेताओं के बयानों को लेकर सावधानी बरतने की जरूरत बताई गई है। अब सभी की नजर कांग्रेस नेतृत्व के रुख पर है। यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे इस पत्र पर क्या निर्णय लेते हैं और दीपेंद्र हुड्डा के संबंध में कोई संगठनात्मक कार्रवाई होती है या नहीं। फिलहाल इस विवाद ने हरियाणा कांग्रेस की आंतरिक राजनीति को एक बार फिर चर्चा के केंद्र में ला दिया है।

सैलजा बोलीं- गरीब, मजदूर और किसान के हितों से समझौता नहीं

मनरेगा को लेकर सैलजा ने केंद्र व हरियाणा सरकार को घेरा

भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़

कांग्रेस सांसद कुमारी सैलजा ने केंद्र और हरियाणा की भाजपा सरकारों पर गरीबों, मजदूरों और किसानों के अधिकारों को कमजोर करने का आरोप लगाया है। सिरसा में उन्होंने मनरेगा, कर्मचारियों की मांगों और किसानों के मुआवजे जैसे मुद्दों पर सरकार को घेरा। सैलजा ने कहा कि कांग्रेस नीत यूपीए सरकार ने वर्ष 2005 में मनरेगा कानून लागू कर ग्रामीण परिवारों को रोजगार का कानूनी अधिकार दिया था। उन्होंने कहा कि जुलाई 2026 से लागू नई व्यवस्था में गरीबों के काम पाने के अधिकार से किसी भी तरह का समझौता नहीं होना चाहिए।

सांसद ने प्रदेश के सफाई, सीवर और अग्निशमन कर्मचारियों के लंबे समय से चल रहे आंदोलन का भी समर्थन किया। उन्होंने सरकार से हठधर्मिता छोड़कर कर्मचारियों से बातचीत करने और उनकी जायज मांगों का सम्मानजनक समाधान निकालने की अपील की।

किसानों से जुड़े मुद्दे पर सैलजा ने फसल बीमा योजना की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि किसान प्रीमियम भरने के बावजूद फसल खराब होने के बाद सूचना देने, सर्वे कराने और मुआवजा पाने के लिए सरकारी कार्यालयों के चक्कर लगाने को मजबूर हैं। उन्होंने सरकार से किसानों को समय पर उचित मुआवजा देने और प्रक्रिया को सरल बनाने की मांग की। सैलजा ने कहा कि कांग्रेस गरीब, मजदूर और किसान के अधिकारों के लिए लगातार आवाज उठाती रहेगी।

पानीपत की कालीन फैक्ट्री में भीषण आग शॉर्ट सर्किट से धधकीं 2 महंगी मशीनें

भारतेंदु संवाददाता, पानीपत

शहर के सेक्टर-29 पार्ट-1 स्थित कास्मिक रग्स फैक्ट्री में रविवार सुबह शार्ट सर्किट के कारण भीषण आग लग गई। आग इतनी तेजी से फैली कि कुछ ही देर में फैक्ट्री के अंदर धुआं और लपटें दिखाई देने लगीं। फैक्ट्री में काम कर रहे कर्मचारियों ने शुरुआती स्तर पर फायर सिलेंडरों की मदद से आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन आग पर काबू नहीं पाया जा सका। स्थिति बिगड़ने पर दमकल विभाग को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही दमकल की टीम करीब 15 मिनट में मौके पर पहुंची और आग बुझाने का अभियान शुरू किया।

दमकल कर्मियों ने करीब एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह काबू पा लिया। समय रहते कार्रवाई होने से आग को फैक्ट्री के अन्य हिस्सों में फैलने से रोक लिया गया। आग बुझने के बाद

- **सेक्टर-29 की कास्मिक रग्स फैक्ट्री में सुबह लगी आग, दमकल ने एक घंटे में पाया काबू**

कर्मचारियों और फैक्ट्री प्रबंधन ने राहत की सांस ली। फैक्ट्री निदेशक अनुज गुलानी के अनुसार आग में दो महंगी मशीनें जलकर खाक हो गईं। इनमें एक मशीन पर कपड़े की प्रिंटिंग की जाती थी, जबकि दूसरी का इस्तेमाल कपड़े सुखाने के लिए होता था।

दोनों मशीनों के अलावा फैक्ट्री में रखा अन्य सामान भी आग की चपेट में आया है। आग से लाखों रुपये के नुकसान का अनुमान लगाया जा रहा है। प्रारंभिक जांच में आग लगने का कारण शार्ट सर्किट बताया गया है। घटना के बाद फैक्ट्री में सुरक्षा व्यवस्था और विद्युत उपकरणों की जांच की आवश्यकता भी सामने आई है।

रेवाड़ी की बेटियों ने फिर रचा इतिहास, राज्य स्तरीय नेटबॉल में लगातार चौथी बार खिताब जीता

भारतेंदु संवाददाता, रेवाड़ी

रेवाड़ी की बेटियों ने एक बार फिर खेल जगत में जिले का नाम रोशन किया है। रेवाड़ी के माडल टाउन स्थित हिंदू स्कूल मैदान में आयोजित 59वीं राज्य स्तरीय स्कूल नेटबाल प्रतियोगिता में रेवाड़ी की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अंडर-14, अंडर-17 और अंडर-19 तीनों आयु वर्गों के खिताब अपने नाम कर लिए। खास बात यह रही कि रेवाड़ी की लड़कियां लगातार चौथी बार राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में विजेता बनी हैं। उनकी इस उपलब्धि से खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों और खेल प्रेमियों में खुशी का माहौल है।

अंडर-14 वर्ग में झज्जर की टीम दूसरे स्थान पर रही जबकि सोनीपत ने तीसरा स्थान हासिल किया। वहीं अंडर-17 और अंडर-19 वर्गों में फतेहाबाद की टीम उपविजेता रही। रेवाड़ी की खिलाड़ियों ने पूरे मुकाबलों में शानदार तालमेल, अनुशासन और खेल कौशल का प्रदर्शन किया।

प्रतियोगिता के दूसरे दिन लड़कियों के तीनों आयु वर्गों के मुकाबले संपन्न हुए। इसके बाद लड़कों की प्रतियोगिताएं शुरू कर दी गईं। लगातार चौथी बार तीनों वर्गों में खिताब जीतना रेवाड़ी की नेटबाल टीम के मजबूत प्रदर्शन और खिलाड़ियों की कड़ी मेहनत को दर्शाता है। खिलाड़ियों ने नियमित अभ्यास और बेहतर रणनीति के दम पर प्रतिद्वंद्वी टीमों को पीछे छोड़ा।

इस सफलता से रेवाड़ी में खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहन मिलने की उम्मीद है। जिले की बेटियों की लगातार उपलब्धि यह संदेश देती है कि उचित प्रशिक्षण और अवसर मिलने पर युवा खिलाड़ी राज्य स्तर पर शानदार प्रदर्शन कर सकती हैं। प्रतियोगिता में मिली यह तिहरी सफलता रेवाड़ी के लिए गर्व का विषय बन गई है।

फरीदाबाद : मेडिकल की पढ़ाई कठिन लगी तो 11वीं के छात्र ने की आत्महत्या

भारतेंदु संवाददाता, फरीदाबाद

फरीदाबाद के धौज थाना क्षेत्र में 11वीं कक्षा के 16 वर्षीय छात्र अल्फाज की मौत से परिवार में मातम पसरा है। परिजनों के अनुसार वह मेडिकल साइंस की पढ़ाई को कठिन मानकर तनाव में था और कई बार पढ़ाई छोड़ने की बात भी करता था। परिवार उसकी पसंद का सम्मान करते हुए उसे मेडिकल विषय के साथ पढ़ा रहा था और बाद में विषय बदलने की बात समझाता था 20 अगस्त की सुबह अल्फाज स्कूल ड्रेस और बैग लेकर घर से निकला, लेकिन स्कूल नहीं पहुंचा। शाम तक वापस न आने पर परिजनों ने स्कूल और दोस्तों से जानकारी ली। दो दिन तक तलाश के बाद 22 अगस्त को घर के पीछे बने कमरे का दरवाजा अंदर से बंद मिला। दरवाजा खोलने पर अल्फाज मृत अवस्था में मिला। सूचना पर धौज थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए ईएसआई मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल भेजा। पुलिस ने कहा कि मौत की वास्तविक वजह की जांच की जा रही है। स्कूल के दोस्तों और अन्य लोगों से भी पूछताछ की जाएगी।

हरियाणा में कानून व्यवस्था और शक्तियों का फेरबदल तीन जिलों में डीसी की जगह सीपी बने मजिस्ट्रेट

पंचकूला, सोनीपत और झज्जर में पुलिस आयुक्तों को जिलाधीश के अधिकार, व्यवस्था पर बहस तेज

भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़

हरियाणा में पुलिस कमिश्नरेट व्यवस्था के तहत मजिस्ट्रेटी शक्तियों के बंटवारे को लेकर नई बहस शुरू हो गई है। प्रदेश के पांच पुलिस कमिश्नरेट गुरुग्राम, फरीदाबाद, पंचकूला, सोनीपत और झज्जर में पुलिस आयुक्तों को समान अधिकार हासिल नहीं हैं। पंचकूला, सोनीपत और झज्जर में पुलिस आयुक्तों को जिलाधीश की मजिस्ट्रेटी शक्तियां प्रदान की गई हैं, जबकि गुरुग्राम और फरीदाबाद में ये अधिकार उपायुक्त-सह-जिलाधीश या संबंधित उपमंडल मजिस्ट्रेट के पास हैं।

भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 के तहत सार्वजनिक उपद्रव, संभावित खतरे या आपात परिस्थितियों में प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किए जा सकते हैं। ऐसे आदेश जारी करने का अधिकार जिलाधीश, उपमंडल मजिस्ट्रेट अथवा राज्य सरकार द्वारा अधिकृत कार्यकारी मजिस्ट्रेट को प्राप्त होता है। इसी कारण अलग-अलग कमिश्नरेट में शक्तियों के असमान वितरण पर सवाल उठ रहे हैं।

पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट के अधिवक्ता हेमंत कुमार ने भी इस व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए कहा है कि यदि तीन कमिश्नरेट में पुलिस आयुक्तों को जिलाधीश की शक्तियां दी जा सकती हैं तो गुरुग्राम और फरीदाबाद को इससे अलग रखने का आधार स्पष्ट होना चाहिए। वर्तमान व्यवस्था को लेकर प्रशासनिक और कानूनी स्तर पर चर्चा तेज हो गई है। सवाल यह है कि समान कमिश्नरेट व्यवस्था वाले जिलों में मजिस्ट्रेटी अधिकारों का वितरण एक जैसा क्यों नहीं है।

मिड-डे-मील में फर्जीवाड़े पर शिकंजा, अब डिजिटल होगी बच्चों की हाजिरी

हाजिरी में गड़बड़ी मिली तो स्कूल मुखिया की जवाबदेही होगी तय

भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़

हरियाणा के सरकारी स्कूलों में मिड-डे-मील व्यवस्था को अधिक पारदर्शी और जवाबदेह बनाने के लिए शिक्षा विभाग ने निगरानी व्यवस्था कड़ी कर दी है। अब कक्षा पहली से आठवीं तक पढ़ने वाले विद्यार्थियों की दैनिक उपस्थिति की डिजिटल निगरानी की जाएगी। इसके लिए स्कूल के हाजिरी रजिस्टर के साथ पीएम पोषण एप और एमआइएस पोर्टल पर दर्ज उपस्थिति का मिलान किया जाएगा। रिकॉर्ड में किसी तरह की गड़बड़ी मिलने पर संबंधित स्कूल मुखिया की जवाबदेही तय होगी।

शिक्षा निदेशालय ने मिड-डे-मील में संभावित फर्जीवाड़े को रोकने के लिए विस्तृत कार्ययोजना तैयार की है। इसके तहत प्रत्येक विद्यार्थी की उपस्थिति स्कूल के रजिस्टर, पीएम पोषण एप और एमआइएस पोर्टल पर दर्ज करना अनिवार्य होगा। तीनों माध्यमों में दर्ज विद्यार्थियों की संख्या में किसी तरह का अंतर मिलने पर संबंधित कर्मचारियों और अधिकारियों से जवाब मांगा जाएगा।

निदेशालय के निर्देश के अनुसार प्रत्येक कक्षा अध्यापक रोजाना विद्यार्थियों की हाजिरी लेंगे। उपस्थित विद्यार्थियों की संख्या मिड-डे-मील प्रभारी को बताई जाएगी। संबंधित कक्षा अध्यापकों के हस्ताक्षर लेने के बाद मिड-डे-मील प्रभारी रजिस्टर में कुल उपस्थिति दर्ज करेगा और विद्यालय मुखिया से भी हस्ताक्षर करवाएगा।

इसके बाद इसी रिकॉर्ड के आधार पर पीएम पोषण एप पर विद्यार्थियों की उपस्थिति अपडेट की जाएगी। एमआइएस पोर्टल पर प्रत्येक विद्यार्थी की व्यक्तिगत उपस्थिति भी दर्ज करनी होगी। विद्यालय मुखिया को यह सुनिश्चित करना होगा कि रजिस्टर, पीएम पोषण एप और एमआइएस पोर्टल पर दर्ज आंकड़ों में कोई अंतर या त्रुटि न हो।

शिक्षा विभाग ने केवल स्कूल स्तर पर ही नहीं, बल्कि अधिकारियों की जिम्मेदारी भी तय की है। खंड शिक्षा अधिकारी अपने क्षेत्र में प्रतिदिन यादृच्छिक आधार पर कम से कम पांच स्कूलों के मिड-डे-मील हाजिरी रजिस्टर की प्रतियां मंगवाकर जांच करेंगे। रजिस्टर की प्रति पर संबंधित विद्यालय मुखिया के हस्ताक्षर अनिवार्य होंगे।

विरासत

कुलदीप बिश्नोई ने कार्यकर्ताओं के पुराने जुड़ाव और समर्थन को बताया अपनी बड़ी ताकत

कुलदीप बिश्नोई बोले- बुरे समय में भी मजबूती से खड़े रहे कार्यकर्ता

भारतेंदु संवाददाता, जींद

पूर्व सांसद एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता कुलदीप बिश्नोई रविवार को सफीदों रोड स्थित एक होटल में आयोजित स्नेह मिलन कार्यक्रम में मुख्यातिथि के रूप में पहुंचे। कार्यक्रम में पुराने और युवा कार्यकर्ताओं की मौजूदगी रही। इस दौरान बिश्नोई ने कार्यकर्ताओं के साथ अपने लंबे राजनीतिक जुड़ाव को याद किया और उनके समर्थन के लिए आभार जताया।

कार्यक्रम के बाद पत्रकारों से बातचीत में कुलदीप बिश्नोई ने कहा कि समय चाहे अच्छा रहा हो या कठिन, कार्यकर्ता हमेशा उनके परिवार के साथ मजबूती से खड़े रहे हैं। उन्होंने कहा कि स्नेह मिलन कार्यक्रम में कई पीढ़ियों के पुराने साथी एक साथ दिखाई दिए। कई कार्यकर्ता अपने छोटे बच्चों को भी कार्यक्रम में लेकर पहुंचे थे। उनके अनुसार यह इस बात का संकेत है कि आने वाली पीढ़ी भी परिवार और राजनीतिक विचारधारा से जुड़ रही है।

कुलदीप बिश्नोई ने अपने पिता और हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय चौधरी भजन लाल की राजनीतिक विरासत का उल्लेख करते हुए कहा कि उन्होंने एक बड़ी राजनीतिक विरासत छोड़ी है। बिश्नोई ने कहा कि इस विरासत से जुड़े लोगों का स्नेह आज भी कायम है और यही उनके लिए सबसे बड़ी ताकत है।

उन्होंने कहा कि लंबे राजनीतिक संघर्ष के बाद जब पुराने साथियों और कार्यकर्ताओं का इतना समर्थन मिलता है तो उन्हें खुशी और गर्व महसूस होता है। संगठन और कार्यकर्ताओं की भावनाओं से जुड़े सवाल पर उन्होंने कहा कि उनके किसी भी कार्यकर्ता ने कोई नकारात्मक बात नहीं कही है।

भाजपा में होने को लेकर स्थिति स्पष्ट : कुलदीप बिश्नोई ने कहा कि वह स्वयं भारतीय जनता पार्टी में हैं और उनके साथी भी मजबूती के साथ पार्टी के साथ खड़े हैं। उन्होंने कहा कि इस संबंध में किसी प्रकार का प्रश्नचिह्न नहीं होना चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि स्नेह मिलन में वे लोग भी शामिल होते हैं, जो उनके लंबे राजनीतिक संघर्ष के साथी रहे हैं या जिनकी आस्था चौधरी भजन लाल की राजनीतिक विरासत से जुड़ी रही है।

राजनीतिक सीमाओं से ऊपर है कार्यकर्ताओं का स्नेह और वर्षों पुराना जुड़ाव

उन्होंने कहा कि समर्थक किसी भी राजनीतिक दल में हों या सक्रिय राजनीति से दूर हों, यदि वे प्रेम और व्यक्तिगत संबंधों के कारण उनसे जुड़े हैं तो वह उनके स्नेह का सम्मान करते हैं। उनके अनुसार ऐसे संबंध राजनीतिक सीमाओं से ऊपर होते हैं। बिश्नोई ने कहा कि कार्यकर्ताओं और समर्थकों की भावनाओं का सम्मान करना उनकी प्राथमिकता है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि क्षेत्र के विकास और लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए वह लगातार प्रयास करते रहेंगे। स्नेह मिलन कार्यक्रम में कार्यकर्ताओं की कई पीढ़ियों की मौजूदगी ने आयोजन को खास बना दिया। पुराने साथियों के साथ युवाओं की भागीदारी को बिश्नोई ने भविष्य के लिए सकारात्मक संकेत बताया। कार्यक्रम के दौरान समर्थकों ने उनके साथ अपने पुराने संबंधों को याद किया और क्षेत्र से जुड़े मुद्दों पर भी चर्चा की। कुलदीप बिश्नोई ने कहा कि उनका कार्यकर्ताओं और लोगों के साथ संबंध केवल राजनीति तक सीमित नहीं है, बल्कि यह वर्षों के विश्वास और पारिवारिक जुड़ाव पर आधारित है।

न्यूज ब्रीफ

पलवल में पुरानी रंजिश का खूनी बदला, गोली-चाकू से 50 वर्षीय व्यक्ति की हत्या

एजेंसी, नई दिल्ली। पलवल के कैंप थाना क्षेत्र के जवाहर नगर में पुरानी रंजिश के चलते 50 वर्षीय सुरेश की गोली और चाकू मारकर हत्या कर दी गई। वारदात के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, हत्या का मुख्य आरोपी दुष्यंत उर्फ देवा बताया जा रहा है। आरोप है कि उसने वर्ष 2023 में अपनी मां की हत्या का बदला लेने के लिए सुरेश की हत्या की। आरोपी ने वारदात को अंजाम देने के बाद फरार होने के बजाय सीधे कैंप थाने पहुंचकर आत्मसमर्पण कर दिया। दुष्यंत थाने में लोडेड देसी कट्टा और कारतूस लेकर पहुंचा और पुलिस के सामने अपना जुर्म कबूल किया। इसके बाद पुलिस ने उसे हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी। पुलिस अब हत्या में इस्तेमाल हथियार और घटना से जुड़े अन्य साक्ष्यों की जांच कर रही है। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, सुरेश पर गोली चलाने के बाद चाकू से भी हमला किया गया, जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस हत्या के पीछे पुरानी रंजिश और वर्ष 2023 की घटना से जुड़े सभी पहलुओं की जांच कर रही है। पुलिस का कहना है कि आरोपी से पूछताछ के आधार पर मामले में आगे की कार्रवाई की जाएगी। साथ ही यह भी पता लगाया जा रहा है कि वारदात में कोई अन्य व्यक्ति शामिल था या नहीं।

सफाई कर्मचारियों की हड़ताल के बीच कूड़ा उठान को लेकर कई शहरों में बवाल

एजेंसी, नई दिल्ली। सफाई कर्मचारियों की हड़ताल के 18वें दिन रविवार को हरियाणा के कई शहरों में कूड़ा उठान को लेकर प्रशासन और हड़ताली कर्मचारियों के बीच टकराव की स्थिति बन गई। सफाई व्यवस्था को सामान्य बनाए रखने के लिए प्रशासन ने पुलिस सुरक्षा में कूड़ा उठाने की कार्रवाई शुरू की, जिसका कर्मचारियों ने विरोध किया। हिसार से लेकर यमुनानगर तक कई स्थानों पर हड़ताली कर्मचारी कूड़ा उठाने पहुंची टीमों के सामने आ गए। विरोध के कारण तनाव की स्थिति बनी रही। प्रशासन ने व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस बल तैनात किया और कई जगहों पर प्रदर्शन कर रहे कर्मचारियों को हिरासत में लिया गया। हड़ताल के कारण शहरों में जगह-जगह कूड़े के ढेर लगे हुए हैं। इससे आम लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है और सफाई व्यवस्था प्रभावित हुई है। प्रशासन का प्रयास है कि कूड़ा उठान नियमित कर शहरों में स्वच्छता व्यवस्था बहाल की जाए। वहीं, हड़ताली कर्मचारी अपनी मांगों को लेकर आंदोलन जारी रखने पर अड़े हुए हैं। उनका कहना है कि मांगें पूरी होने तक हड़ताल समाप्त नहीं की जाएगी। प्रशासन और कर्मचारियों के बीच विवाद बढ़ने से कई शहरों में तनाव की स्थिति बनी हुई है। अधिकारियों ने कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस सुरक्षा में सफाई कार्य जारी रखने की बात कही है।

दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे पर कारोबारी से 24 लाख रुपये की लूट

एजेंसी, नई दिल्ली। गाजियाबाद में दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे पर मेरठ के एक कारोबारी से बदमाशों ने गन प्वाइंट पर 24 लाख रुपये लूट लिए। घटना शुक्रवार रात वेव सिटी थाना क्षेत्र में हाईटेक कॉलेज के पास हुई। वारदात के बाद आरोपी स्कॉर्पियो से दिल्ली की तरफ फरार हो गए। जानकारी के अनुसार, मेरठ का कारोबारी थार वाहन से जा रहा था। हाईटेक कॉलेज के पास स्कॉर्पियो सवार बदमाशों ने उसका रास्ता रोक लिया। इसके बाद हथियार दिखाकर कारोबारी को धमकाया और उसके पास मौजूद 24 लाख रुपये लूट लिए। घटना के बाद बदमाश तेज़ी से दिल्ली की ओर भाग निकले। लूट की सूचना मिलते ही पुलिस अधिकारियों में हड़कंप मच गया। पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर कारोबारी से घटना की जानकारी ली और आसपास के क्षेत्र में जांच शुरू की। पुलिस एक्सप्रेसवे और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है, ताकि बदमाशों की पहचान की जा सके। पुलिस के अनुसार, घटना की जांच के दौरान तीन संदिग्धों को हिरासत में लिया गया है। उनसे पूछताछ कर लूट की वारदात और आरोपियों के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस यह भी पता लगाने का प्रयास कर रही है कि बदमाशों ने कारोबारी की पहले से रेकी की थी या वारदात अचानक की गई।

दिल्ली की जेलों में गैंगवार और अपराध पर लगेगा लगाम, हाई-रिस्क कैदियों के ट्रांसफर की तैयारी

जेल में अपराध का नेटवर्क तोड़ने की तैयारी, हाई-रिस्क कैदियों का होगा अंतरराज्यीय ट्रांसफर

एजेंसी, नई दिल्ली

दिल्ली सरकार ने राजधानी की जेलों में बंद अंडरट्रायल गैंगस्टरों, संगठित अपराधियों और अन्य हाई-रिस्क कैदियों को जरूरत पड़ने पर दूसरे राज्यों की जेलों में स्थानांतरित करने की तैयारी शुरू कर दी है। सरकार का मानना है कि इस कदम से जेलों के भीतर से संचालित आपराधिक गतिविधियों, गैंगवार और संगठित अपराध पर अंकुश लगाने में मदद मिलेगी।

इस योजना को लागू करने के लिए दिल्ली में ट्रांसफर ऑफ प्रिजनर्स (पंजाब संशोधन) अधिनियम, 2025 को लागू करने की तैयारी की जा रही है। इसके तहत सुरक्षा, कानून-व्यवस्था या जनहित को ध्यान में रखते हुए कुछ अंडरट्रायल कैदियों को एक राज्य की जेल से दूसरे राज्य की जेल में भेजने का कानूनी रास्ता तैयार होगा। संबंधित मामलों में दूसरे राज्य की सहमति या केंद्रीय गृह मंत्रालय की मंजूरी की आवश्यकता हो सकती है। सरकार के मुताबिक, दिल्ली की जेलों में कई कुख्यात गैंगस्टर और संगठित अपराध से जुड़े आरोपी विचाराधीन कैदी के रूप में बंद हैं। कुछ मामलों में आरोप है कि जेल में रहने के बावजूद ऐसे अपराधी अपने स्थानीय नेटवर्क के संपर्क में रहते हैं और आपराधिक गतिविधियों को प्रभावित करने की कोशिश करते हैं।

इससे जेलों में गैंगवार, धमकी, रंगदारी और आपराधिक साजिश जैसी गतिविधियों का खतरा बना रहता है। मई 2026 में दिल्ली में 26 चिन्हित गैंग से जुड़े 188 सदस्यों की पहचान की गई थी।

इनमें से 107 गैंगस्टरों को गिरफ्तार किए जाने की जानकारी सामने आई थी। सरकार अब ऐसे हाई-रिस्क कैदियों की गतिविधियों पर नियंत्रण मजबूत करने की दिशा में कदम उठा रही है। मौजूदा ट्रांसफर ऑफ प्रिजनर्स अधिनियम, 1950 में मुख्य रूप से दोषसिद्ध कैदियों के स्थानांतरण का प्रावधान है। वहीं अंडरट्रायल कैदी अदालत के रिमांड वारंट के आधार पर जेल में रखे जाते हैं। ऐसे कैदियों को दूसरे राज्य की जेल में भेजने के लिए स्पष्ट कानूनी व्यवस्था नहीं होने के कारण अब संशोधित कानून को लागू करने की तैयारी की जा रही है। ट्रांसफर ऑफ प्रिजनर्स (पंजाब संशोधन) अधिनियम, 2025 को 21 अप्रैल 2025 को राष्ट्रपति की मंजूरी मिल चुकी है।

दिल्ली क्राइम ब्रांच ने तोड़ा अंतराष्ट्रीय ड्रग्स-आतंकी मॉड्यूल, 4 गिरफ्तार

एजेंसी, नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने संगठित ड्रग्स तस्करी और राष्ट्र-विरोधी गतिविधियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए एक अंतरराष्ट्रीय ड्रग्स-आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने कार्रवाई के दौरान खालिस्तानी आतंकी अर्श डल्ला सिंडिकेट से जुड़े चार कथित गुर्गों को गिरफ्तार किया है। क्राइम ब्रांच के अधिकारियों के अनुसार, गिरफ्तार आरोपियों के संबंध संगठित ड्रग्स तस्करी और आतंकी गतिविधियों से जुड़े नेटवर्क से होने की बात सामने आई है।

पुलिस अब आरोपियों से पूछताछ कर उनके नेटवर्क, संपर्कों और गतिविधियों के बारे में जानकारी जुटा रही है। जांच एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि आरोपियों को ड्रग्स की आपूर्ति कहां से होती थी और इस नेटवर्क के जरिए नशीले पदार्थों की तस्करी किस तरह की जा रही थी। इसके अलावा पुलिस उनके संभावित विदेशी संपर्कों और सिंडिकेट से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका की भी जांच कर रही है। क्राइम ब्रांच की इस कार्रवाई को संगठित अपराध और आतंकी नेटवर्क के खिलाफ महत्वपूर्ण सफलता माना जा रहा है। पुलिस गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ के आधार पर मॉड्यूल से जुड़े अन्य सदस्यों तक पहुंचने का प्रयास कर रही है। अधिकारियों के मुताबिक, जांच के दौरान सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

नोएडा एयरपोर्ट के बाद बदलेगी यीडा सिटी की सूरत, बनेगा आकर्षक गेट

एजेंसी, नई दिल्ली

यमुना प्राधिकरण क्षेत्र में स्थित यीडा सिटी को और आकर्षक बनाने की तैयारी शुरू हो गई है। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के संचालन के मद्देनजर यीडा सिटी के प्रवेश द्वार को भव्य और आकर्षक रूप देने की योजना बनाई जा रही है। इसके लिए, यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण जल्द ही कंपनियों से प्रस्ताव आमंत्रित करेगा। प्राधिकरण के अनुसार, चयनित कंपनी यीडा सिटी के प्रवेश द्वार की थीम, डिजाइन और निर्माण से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर सुझाव देगी। प्रवेश द्वार को इस तरह तैयार करने की योजना है कि यह क्षेत्र की पहचान को दर्शाने के साथ यहां आने वाले लोगों के लिए आकर्षण का केंद्र भी बने।

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के शुरू होने के बाद यीडा क्षेत्र में देश-विदेश से आने वाले लोगों की आवाजाही बढ़ने की उम्मीद है। दिसंबर तक अंतरराष्ट्रीय विमान

सेवाएं शुरू होने की संभावना जताई जा रही है। ऐसे में एयरपोर्ट से जुड़े प्रमुख मार्गों और आसपास के क्षेत्रों को बेहतर और आकर्षक बनाने पर जोर दिया जा रहा है। यीडा सिटी का प्रवेश द्वार एयरपोर्ट क्षेत्र में आने वाले यात्रियों और अन्य लोगों के लिए महत्वपूर्ण पहला दृश्य होगा। इसी को ध्यान में रखते हुए प्राधिकरण प्रवेश द्वार को आधुनिक स्वरूप देने की तैयारी कर रहा है। प्रस्ताव आमंत्रित किए जाने के बाद कंपनियों द्वारा प्रवेश द्वार की थीम और डिजाइन को लेकर अपने सुझाव दिए जाएंगे।

रेवाड़ी की बेटियों ने लगातार चौथी बार जीता राज्य स्तरीय नेटबॉल खिताब

एजेंसी, नई दिल्ली

रेवाड़ी की बेटियों ने एक बार फिर खेल जगत में जिले का नाम रोशन किया है। रेवाड़ी के मॉडल टाउन स्थित हिंदू स्कूल के मैदान में आयोजित 59वीं राज्य स्तरीय स्कूल नेटबॉल प्रतियोगिता में लड़कियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अंडर-14, अंडर-17 और अंडर-19 तीनों आयु वर्गों में खिताब अपने नाम कर लिया। शनिवार से शुरू हुई प्रतियोगिता के दूसरे दिन लड़कियों के तीनों आयु वर्गों के मुकाबले संपन्न हुए। सभी वर्गों में रेवाड़ी की टीम ने बेहतरीन खेल का प्रदर्शन करते हुए प्रतिद्वंद्वी टीमों को पीछे छोड़ दिया और चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। रेवाड़ी की टीमों की इस उपलब्धि को खास इसलिए माना जा रहा है क्योंकि जिले की लड़कियों ने राज्य स्तरीय नेटबॉल प्रतियोगिताओं में लगातार चौथी बार तीनों आयु वर्गों में खिताब जीता है। खिलाड़ियों के इस प्रदर्शन से उनके प्रशिक्षकों, अभिभावकों और खेल प्रेमियों में खुशी का माहौल है।

दिल्ली में रक्षा मंत्रालय की महिला अधिकारी की संदिग्ध मौत, पति समेत ससुराल वालों पर केस

एजेंसी, नई दिल्ली

पश्चिमी दिल्ली के द्वारका इलाके में रक्षा मंत्रालय में तैनात 30 वर्षीय सहायक अनुभाग अधिकारी नाजिया खानम की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है। वह भरथल गांव में रह रही थीं। उनकी शादी करीब सात महीने पहले हुई थी। घटना के बाद परिवार में शोक का माहौल है, जबकि पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, नाजिया खानम रक्षा मंत्रालय में सहायक अनुभाग अधिकारी के पद पर कार्यरत थीं।

उनकी मौत की सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई शुरू की। मामले की परिस्थितियों को देखते हुए पुलिस ने मृतका के पति और ससुराल पक्ष के अन्य सदस्यों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। द्वारका जिला पुलिस के अनुसार, आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 85 और 108

द्वारका में महिला अधिकारी की संदिग्ध मौत

के तहत मामला दर्ज किया गया है। इन धाराओं के तहत दहेज उत्पीड़न और आत्महत्या के लिए उकसाने से जुड़े आरोपों की जांच की जा रही है। पुलिस अब घटना से जुड़े सभी पहलुओं की जांच कर रही है।

जांच में मृतका के परिवार के सदस्यों के बयान, ससुराल पक्ष से संबंधित जानकारी और घटना से जुड़े अन्य साक्ष्यों को शामिल किया जा रहा है। पुलिस यह भी पता लगाने का प्रयास कर रही है कि महिला की मौत किन परिस्थितियों में हुई और क्या उसके साथ पुलिस के मुताबिक, नाजिया खानम की मौत के मामले में जांच कई पहलुओं से की जा रही है। अधिकारियों ने घटनास्थल से जरूरी साक्ष्य जुटाए हैं और परिवार के सदस्यों से जानकारी ली जा रही है। पुलिस मृतका के पति और ससुराल पक्ष के लोगों से भी पूछताछ कर रही है। जांच में यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि कथित दहेज उत्पीड़न से जुड़े आरोपों में कितनी सच्चाई है और घटना के पीछे वास्तविक कारण क्या था।

नोएडा के ईएसआईसी अस्पताल में फर्जी जन्म प्रमाण पत्र का मामला, जांच समिति करेगी पड़ताल

एजेंसी, नई दिल्ली

नोएडा के सेक्टर-24 स्थित ईएसआईसी अस्पताल में नवजात के जन्म प्रमाण पत्र को लेकर कथित फर्जीवाड़े का मामला सामने आया है। आरोप है कि तत्कालीन रजिस्ट्रार के डिजिटल हस्ताक्षर का कथित रूप से दुरुपयोग कर बिना उनकी अनुमति और बिना ओटीपी पूछे नवजात का जन्म प्रमाण पत्र तैयार कर दिया गया। मामला सामने आने के बाद अस्पताल प्रशासन में हलचल मच गई है और आरोपों की विभागीय जांच कराने की मांग की गई है। जानकारी के अनुसार, तत्कालीन रजिस्ट्रार ने इस संबंध में मेडिकल कॉलेज की डीन और अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक को लिखित शिकायत दी है।

शिकायत में उन्होंने आरोप लगाया है कि उनके डिजिटल हस्ताक्षर का इस्तेमाल उनकी जानकारी के बिना किया गया। उन्होंने पूरे मामले की जांच के लिए

एक समिति गठित करने और जांच रिपोर्ट के आधार पर जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है। शिकायत के बाद अस्पताल प्रशासन ने मामले को गंभीरता से लिया है। अधिकारियों की ओर से जांच समिति गठित करने का आश्वासन दिया गया है।

बताया गया है कि सोमवार तक समिति का गठन किए जाने की उम्मीद है। समिति मामले से जुड़े दस्तावेजों, डिजिटल हस्ताक्षर के इस्तेमाल और जन्म प्रमाण पत्र जारी करने की प्रक्रिया की जांच करेगी। जांच के दौरान यह भी पता लगाने का प्रयास किया जाएगा कि संबंधित प्रमाण पत्र किस स्तर पर तैयार किया गया और डिजिटल हस्ताक्षर का इस्तेमाल किसने किया। इसके अलावा यह भी जांच होगी कि प्रमाण पत्र जारी करने के लिए निर्धारित प्रक्रिया और नियमों का पालन किया गया था या नहीं। मामले में विभागीय जांच पूरी होने के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि कथित फर्जीवाड़े के पीछे कौन जिम्मेदार है और डिजिटल हस्ताक्षर का दुरुपयोग किस तरीके से किया गया। शिकायतकर्ता ने जांच रिपोर्ट के आधार पर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

आगरा में फर्जी व्हाट्सऐप आईडी से 30 लाख की साइबर ठगी, आरटीजीएस से उड़ाई रकम

एजेंसी, नई दिल्ली

आगरा में साइबर अपराधियों ने फर्जी व्हाट्सऐप आईडी और मोबाइल नंबर का इस्तेमाल कर एक व्यक्ति से 30 लाख रुपये की ठगी कर ली। आरोप है कि ठगों ने पीड़ित के नाम से फर्जी आईडी बनाई और उसके जरिए संपर्क कर रकम ट्रांसफर करा ली। धोखाधड़ी का पता चलने के बाद पीड़ित ने साइबर क्राइम थाने में मुकदमा दर्ज कराया है। सदर क्षेत्र के शहीद नगर निवासी रजत शर्मा ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि साइबर अपराधियों ने उनके नाम से एक फर्जी आईडी तैयार की थी।

इसके लिए एक मोबाइल नंबर का इस्तेमाल किया गया। इसी नंबर के माध्यम से व्हाट्सऐप पर संपर्क किया गया और पीड़ित के खाते से 30 लाख रुपये ट्रांसफर करा लिए गए। पुलिस के अनुसार, ठगी की रकम आरटीजीएस के माध्यम से जय दुर्गा इंटरप्राइजेज के बैंक ऑफ इंडिया स्थित खाते में भेजी गई थी। रकम ट्रांसफर होने के बाद जब पीड़ित को धोखाधड़ी की जानकारी हुई तो उन्होंने तत्काल साइबर क्राइम पोर्टल पर ऑनलाइन शिकायत दर्ज कराई। इसके बाद मामले को लेकर साइबर क्राइम थाने में मुकदमा दर्ज किया गया है।

पुलिस अब फर्जी व्हाट्सऐप आईडी, इस्तेमाल किए गए मोबाइल नंबर और जिस बैंक खाते में रकम भेजी गई, उसकी जांच कर रही है। जांच के दौरान लेनदेन से जुड़े दस्तावेज और अन्य डिजिटल साक्ष्यों को भी खंगाला जा रहा है। पुलिस का प्रयास है कि साइबर ठगी में शामिल आरोपियों की पहचान कर उनके खिलाफ कार्रवाई की जाए। साथ ही यह पता लगाया जा रहा है कि ठगी की रकम किस नेटवर्क के जरिए आगे भेजी गई। मामले की जांच जारी है।

गुरुग्राम में अवैध निर्माण पर चला प्रशासन का बुलडोजर, डीएलएफ फेज-3 में मचा हड़कंप

एजेंसी, नई दिल्ली

गुरुग्राम में अवैध निर्माण और अतिक्रमण के खिलाफ प्रशासन की कार्रवाई लगातार जारी है। बुधवार को गुरुग्राम जिला नगर योजनाकार प्रवर्तन टीम ने डीएलएफ फेज-3 में बड़ी तोड़फोड़ कार्रवाई को अंजाम दिया। इस दौरान बुलडोजर चलाकर कई अवैध निर्माणों को ध्वस्त किया गया। प्रवर्तन टीम के अनुसार, डीएलएफ फेज-3 में कई मकानों में पार्किंग और सेटबैक की जगह पर अवैध रूप से कमरे, रसोई और शौचालय बनाए गए थे। इन निर्माणों को नियमों का उल्लंघन मानते हुए कार्रवाई की गई। बुलडोजर की मदद से अवैध निर्माणों को तोड़ दिया गया और मौके पर अतिक्रमण हटाया गया।

कार्रवाई के दौरान टीम ने कई मकानों को चिह्नित कर उनमें किए गए अनधिकृत निर्माण को हटाया। अधिकारियों के मुताबिक, मकान मालिकों द्वारा निर्धारित

डीएलएफ फेज-3 में चला बुलडोजर

नियमों के विपरीत पार्किंग और सेटबैक की जगह का इस्तेमाल किया जा रहा था। इस कारण संबंधित निर्माणों के खिलाफ कार्रवाई की गई। प्रशासन की ओर से बताया गया कि अवैध निर्माण और अतिक्रमण को किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। प्रवर्तन टीम ने नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की चेतावनी भी दी है। अधिकारियों का कहना है कि सार्वजनिक और निर्धारित जगहों पर किए गए अनधिकृत निर्माण से आवागमन तथा क्षेत्र की व्यवस्था प्रभावित होती है। डीएलएफ फेज-3 में हुई इस कार्रवाई के दौरान बुलडोजर से अवैध कमरों, रसोई और शौचालयों को तोड़ा गया। कार्रवाई के बाद इलाके में अवैध निर्माण करने वालों में हड़कंप मच गया। प्रशासन ने स्पष्ट किया कि आगे भी इसी तरह की कार्रवाई जारी रहेगी।

रोहिणी में पुलिस का बड़ा ऑपरेशन, नशा तस्करों और वाहन चोरों पर कसा शिकंजा

दिल्ली में रोहिणी पुलिस का बड़ा एक्शन, 10 बदमाश गिरफ्तार; हथियार, ड्रग्स और 161 चोरी की गाड़ियां बरामद

एजेंसी, नई दिल्ली

राजधानी दिल्ली में अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत रोहिणी जिला पुलिस ने 'ऑपरेशन छापामारी चक्रव्यूह' नाम से विशेष कार्रवाई की। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य जिले में सक्रिय अपराधियों पर शिकंजा कसना, वाहन चोरी की घटनाओं पर रोक लगाना और नशे के अवैध कारोबार से जुड़े नेटवर्क को ध्वस्त करना था। पुलिस की इस कार्रवाई के दौरान दस शातिर बदमाशों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस के मुताबिक, अभियान के दौरान गिरफ्तार आरोपियों की निशानदेही और पूछताछ के आधार पर कई महत्वपूर्ण बरामदगियां की गईं। इनमें अवैध हथियार, बड़ी संख्या में कारतूस, नशीले पदार्थ और चोरी के वाहन शामिल हैं। पुलिस ने कार्रवाई के दौरान कुल 161 चोरी के वाहन बरामद किए हैं। इतनी बड़ी संख्या में वाहनों की बरामदगी को पुलिस की कार्रवाई की अहम उपलब्धि माना जा रहा है।

रोहिणी जिला पुलिस ने इस अभियान को अपराध नियंत्रण की दिशा में व्यापक कार्रवाई के रूप में

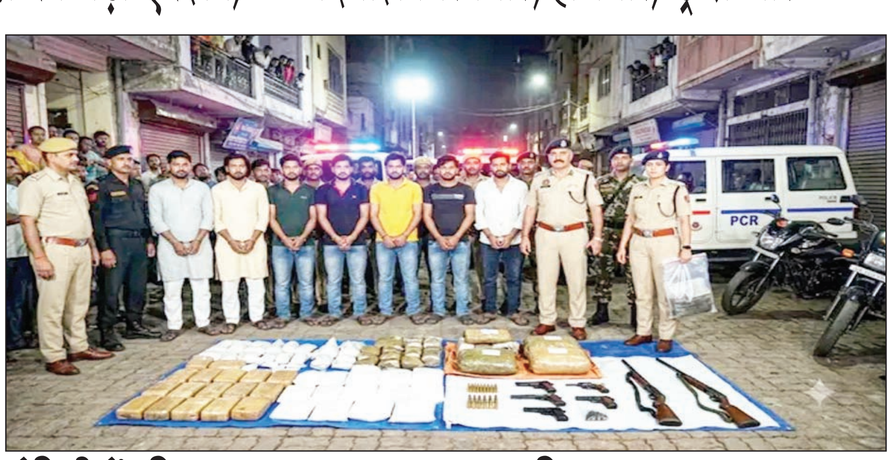

रोहिणी में पुलिस का बड़ा एक्शन, 10 बदमाश गिरफ्तार

अंजाम दिया। पुलिस का कहना है कि जिले में वाहन चोरी, नशा तस्करी और अन्य आपराधिक गतिविधियों पर लगातार नजर रखी जा रही है। अभियान के तहत संदिग्ध गतिविधियों में शामिल लोगों की पहचान कर उनके खिलाफ कार्रवाई की गई। गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ के आधार पर पुलिस अब उनके संपर्कों और संभावित सहयोगियों के बारे में जानकारी जुटा रही है। कार्रवाई के दौरान बरामद अवैध हथियार और कारतूस से यह भी सामने आया कि गिरफ्तार आरोपियों के पास गैरकानूनी तरीके से हथियार मौजूद थे। पुलिस अब यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि इन हथियारों की आपूर्ति कहां से हुई और इनका इस्तेमाल किन आपराधिक गतिविधियों में किया जाना था।

जांच एजेंसियां बरामद सामान और आरोपियों के बीच संभावित संबंधों की भी जांच कर रही हैं, ताकि पूरे नेटवर्क की जानकारी सामने आ सके। नशीले पदार्थों की बरामदगी के बाद पुलिस ने नशा तस्करी से जुड़े संभावित नेटवर्क की भी जांच शुरू कर दी है। पूछताछ के दौरान आरोपियों से यह जानने का प्रयास किया जा रहा है कि नशीले पदार्थों की आपूर्ति किस माध्यम से होती थी और इसमें कौन-कौन लोग शामिल हैं।

पुलिस का लक्ष्य केवल गिरफ्तार आरोपियों तक कार्रवाई सीमित रखना नहीं, बल्कि उनसे जुड़े अन्य लोगों और नेटवर्क तक पहुंचना भी है। इसी तरह, बरामद किए गए 161 चोरी के वाहनों को लेकर भी पुलिस जांच कर रही है। जांच में यह पता लगाया जाएगा कि ये वाहन कहां से चोरी किए गए थे और इन्हें आगे कहां इस्तेमाल या ठिकाने लगाया जाना था। वाहन चोरी से जुड़े गिरोहों की कार्यप्रणाली और उनके संभावित संपर्कों की जानकारी जुटाना भी जांच का महत्वपूर्ण हिस्सा है। पुलिस ने गिरफ्तार किए गए सभी आरोपियों के खिलाफ संबंधित कानूनी धाराओं के तहत कार्रवाई शुरू कर दी है।

आरोपियों से पूछताछ जारी है और जांच के दौरान सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस अधिकारियों का प्रयास है कि गिरफ्तार बदमाशों से मिली जानकारी के आधार पर अपराध से जुड़े अन्य लोगों तक भी पहुंचा जाए और उनके खिलाफ भी कानून के अनुसार कदम उठाया जाए। रोहिणी जिला पुलिस की इस कार्रवाई को राजधानी में अपराध और अवैध गतिविधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान का महत्वपूर्ण हिस्सा माना जा रहा है।

प्रयागराज में गंगा की रफ्तार धीमी यमुना स्थिर; बाढ़ का खतरा बरकरार

एजेंसी, नई दिल्ली

प्रयागराज में गंगा और यमुना नदियों के जलस्तर को लेकर स्थिति फिलहाल संवेदनशील बनी हुई है। गंगा के जलस्तर में बढ़ोतरी की रफ्तार धीमी पड़ गई है, जबकि यमुना का जलस्तर स्थिर बताया जा रहा है। इसके बावजूद शहर और आसपास के इलाकों में बाढ़ का खतरा पूरी तरह टला नहीं है। लगातार हो रही बारिश और बांधों से छोड़े जा रहे पानी के कारण प्रशासन और स्थानीय लोगों की चिंता बनी हुई है।

गंगा की रफ्तार धीमी होने से लोगों को थोड़ी राहत जरूर मिली है, लेकिन नदी का जलस्तर अभी भी चिंता का विषय बना हुआ है। वहीं, यमुना का जलस्तर स्थिर रहने से फिलहाल स्थिति में अचानक बदलाव नहीं हुआ है। प्रशासन लगातार दोनों नदियों के जलस्तर पर नजर बनाए हुए है और संभावित बाढ़ की स्थिति से निपटने के लिए तैयारियां जारी हैं। प्रयागराज के प्रमुख धार्मिक स्थलों में से एक लेटे हनुमान मंदिर के आसपास भी बाढ़ के पानी का असर दिखाई देने लगा है। मंदिर के निकट पानी पहुंचने से श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों की चिंता बढ़ गई है। गंगा के बढ़े हुए जलस्तर का असर नदी किनारे स्थित निचले इलाकों और धार्मिक स्थलों पर भी पड़ रहा है। ऐसे में लोगों को नदी के आसपास जाने से बचने और प्रशासन की ओर से जारी निर्देशों का पालन करने की सलाह दी जा रही है।

बाढ़ की स्थिति पर मौसम और जलप्रवाह दोनों का सीधा असर पड़ रहा है। लगातार बारिश होने पर नदियों में पानी बढ़ सकता है। इसके अलावा बांधों से छोड़ा गया पानी भी कुछ समय बाद नदियों के जलस्तर को प्रभावित कर सकता है। यही वजह है कि गंगा की रफ्तार धीमी होने और यमुना के स्थिर रहने के बावजूद खतरा अभी पूरी तरह खत्म नहीं माना जा रहा है।

सीसीएसयू प्रवेश परीक्षा: उत्तर कुंजी जारी, 25 अगस्त रात 12 बजे तक आपत्ति का मौका

एजेंसी, नई दिल्ली

चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय ने सत्र 2026-27 के लिए एलएलएम, एमएड, बीपीएड और एमपीएड पाठ्यक्रमों में प्रवेश परीक्षा की उत्तर कुंजी जारी कर दी है। 20 और 21 अगस्त को आयोजित परीक्षा में शामिल अभ्यर्थी अपनी ओएमआर उत्तर पुस्तिका के आधार पर उत्तर कुंजी का मिलान कर सकते हैं। विश्वविद्यालय ने उत्तर कुंजी अपनी वेबसाइट पर अपलोड कर दी है। किसी उत्तर को लेकर आपत्ति होने पर अभ्यर्थी 25 अगस्त की रात 12 बजे तक ई-मेल के माध्यम से आपत्ति दर्ज करा सकते हैं। इसके लिए विश्वविद्यालय ने सीसीएसयूओएमआर 2026 जीमेल.कॉम ई-मेल जारी किया है। आपत्ति भेजते समय अभ्यर्थी को प्रश्नपत्र कोड, प्रश्न संख्या और पुस्तिका श्रृंखला का स्पष्ट उल्लेख करना होगा। आपत्ति के समर्थन में पुस्तक या अन्य प्रमाणिक दस्तावेज उपलब्ध होने पर उसे ई-मेल के साथ संलग्न करना भी जरूरी होगा। विश्वविद्यालय प्राप्त आपत्तियों की जांच के बाद आवश्यक संशोधन करेगा।

122 करोड़ से बनेंगे 80 चार्जिंग स्टेशन, 297 इलेक्ट्रिक बसों को मिलेगा लाभ : अग्निहोत्री

बस अड्डों और वर्कशॉप में लगेंगे फास्ट चार्जर, पर्यावरण अनुकूल परिवहन को मिलेगा बढ़ावा

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल पथ परिवहन निगम प्रदेश में इलेक्ट्रिक बसों के संचालन के लिए आवश्यक चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत कर रहा है। इसके तहत 122 करोड़ रुपए की लागत से प्रदेश में 80 स्थानों पर चार्जिंग स्टेशन स्थापित किए जा रहे हैं। इनमें से 34 स्थानों पर चार्जिंग स्टेशन स्थापित किए जा चुके हैं, जबकि 21 स्थानों पर आगामी एक माह के भीतर चार्जिंग स्टेशन स्थापित कर लिए जाएंगे। शेष 25 स्थानों पर चार्जिंग स्टेशन स्थापित करने की प्रक्रिया जारी है।

यह जानकारी उप-मुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने हिमाचल पथ परिवहन निगम के अधिकारियों के साथ आयोजित समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए दी। उन्होंने बताया कि ये चार्जिंग स्टेशन एचआरटीसी के बस अड्डों और वर्कशॉप में स्थापित किए जा रहे हैं। इससे विभिन्न रूटों पर संचालित इलेक्ट्रिक बसों के लिए चार्जिंग सुविधा उपलब्ध होगी और उनके संचालन को और गति मिलेगी।

मुकेश अग्निहोत्री ने कहा कि इलेक्ट्रिक बसों के साथ-साथ उनके लिए आवश्यक चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर का विस्तार प्रदेश में आधुनिक, किफायती और पर्यावरण अनुकूल सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। एचआरटीसी इलेक्ट्रिक बसों के संचालन के लिए आवश्यक सुविधाओं को चरणबद्ध तरीके से विकसित कर रहा है, ताकि यात्रियों को बेहतर और आधुनिक परिवहन सुविधा उपलब्ध करवाई जा सके। उन्होंने बताया कि प्रदेश में 80 स्थानों पर कुल 99 चार्जिंग प्वाइंट स्थापित किए जा रहे हैं। इनमें 180 किलोवाट क्षमता के फास्ट सीसीएस-2 चार्जर लगाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि चार्जिंग स्टेशन केवल बड़े शहरों तक सीमित नहीं रखे जा रहे हैं, बल्कि एचआरटीसी के विभिन्न बस अड्डों और वर्कशॉप में इन्हें स्थापित किया जा रहा है। भविष्य में जहां भी आवश्यकता होगी, वहां चार्जिंग स्टेशन स्थापित किए जाएंगे। उप-मुख्यमंत्री ने कहा कि निगम के बेड़े में शामिल 297 इलेक्ट्रिक बसें लंबे और छोटे रूटों पर सफलतापूर्वक संचालित की जा रही हैं। इलेक्ट्रिक बसों के संचालन से निगम को प्रति किलोमीटर डीजल खर्च में लगभग 15 से 16 रुपए की बचत हो रही है, जिससे निगम के परिचालन खर्च को कम करने में मदद मिल रही है।

इलेक्ट्रिक बसों ने बढ़ाई रेंज, हरोली-चंडीगढ़ रूट पर 270 किमी का सफर तय

मुकेश ने कहा कि इलेक्ट्रिक बसों की सामान्य तौर पर एक बार चार्ज करने के बाद लगभग 180 किलोमीटर तक चलने की क्षमता है। हालांकि, हरोली से चंडीगढ़ के करीब 270 किलोमीटर लंबे रूट पर इलेक्ट्रिक बस एक बार चार्जिंग के बाद सफलतापूर्वक संचालित हो रही है। इसी तरह शिमला-चंडीगढ़-शिमला के करीब 250 किलोमीटर लंबे रूट पर भी बस 25 प्रतिशत बैटरी शेष रहने के साथ यात्रा पूरी कर रही है।

डॉ. चमन आर्ट ऑफ गिविंग रत्न अवॉर्ड से सम्मानित

भारतेन्दु संवाददाता, नाहन। आर्ट ऑफ गिविंग की तेरहवीं वर्षगांठ के अवसर पर झारखंड की राजधानी रांची में आयोजित समारोह में साहित्य एवं शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए, जिला सिरमौर के नाहन निवासी डॉ. चमन सिंह ठाकुर को प्रतिष्ठित 'आर्ट ऑफ गिविंग रत्न अवार्ड' से सम्मानित किया गया। डॉ. चमन सिंह ठाकुर को यह सम्मान आर्ट ऑफ गिविंग के संस्थापक प्रो. डॉ. अच्युत सामंत (ओडिशा), पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोध कांत सहाय एवं संस्था के सचिव शेखर बोस द्वारा प्रदान किया गया। समारोह में देश के विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाली अनेक महान विभूतियों को भी सम्मानित किया गया। इस अवसर पर राज्यसभा सांसद डॉ. महुआ माजी सहित कई प्रतिष्ठित हस्तियों को उनके उल्लेखनीय कार्यों के लिए सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में समाजसेवा, शिक्षा, साहित्य एवं अन्य क्षेत्रों में योगदान देने वाले व्यक्तियों की उपस्थिति रही।

शिलाई विधानसभा क्षेत्र में विकास कार्यों को मिल रही गति : हर्षवर्धन

भारतेन्दु संवाददाता, नाहन। उद्योग, संसदीय मामले व श्रम एवं रोजगार मंत्री हर्षवर्धन चौहान ने कहा कि शिलाई विधानसभा क्षेत्र का समग्र विकास उनकी नैतिक जिम्मेदारी है और क्षेत्र में बुनियादी सुविधाओं तथा विकास कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर आगे बढ़ाया जा रहा है।

वह रविवार को शिलाई विधानसभा क्षेत्र के प्रवास के दौरान ग्राम पंचायत बिंडला दिग्वा के गांव पंजाह में आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में पूर्व विधायक मंसूरी जोत सिंह गुनसोला विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। हर्षवर्धन चौहान ने पंचायतीराज संस्थाओं के नवनिर्वाचित प्रतिनिधियों को बधाई देते हुए कहा कि पंचायत प्रतिनिधि सरकार और जनता के बीच महत्वपूर्ण कड़ी हैं। उन्होंने कहा कि मतदाताओं ने उन पर विश्वास जताकर उन्हें जिम्मेदारी सौंपी है, इसलिए प्रतिनिधियों का दायित्व है कि वे पूरी ईमानदारी, निष्पक्षता और पारदर्शिता के साथ अपनी पंचायतों के विकास को सुनिश्चित करें। मंत्री ने कहा कि टिंबी क्षेत्र में भी विकास कार्यों को गति दी गई है। अब तक कोऑपरेटिव बैंक की शाखा, जल शक्ति विभाग के विश्राम गृह का निर्माण, वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला बकरास में 50 लाख रुपए की लागत से अतिरिक्त कमरों का निर्माण, बमराड में 25 लाख रुपए की लागत से पुल, 50 लाख रुपए की लागत से खलेटी सड़क तथा कोटापाब में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का निर्माण किया गया है। कार्यक्रम के दौरान उद्योग मंत्री ने क्षेत्रवासियों की समस्याएं सुनीं। मंत्री ने अधिकांश समस्याओं का मौके पर ही समाधान किया, जबकि शेष मामलों को संबंधित अधिकारियों को सौंपते हुए समयबद्ध और प्राथमिकता के आधार पर कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

न्यूज ब्रीफ

मनमोहन कटोच की माता के निधन पर केवल सिंह पठानिया व मलिंदर राजन ने जताया शोक

भारतेन्दु संवाददाता, पठानकोट। कांग्रेस प्रदेश कमेटी के महासचिव मनमोहन कटोच की माता स्वर्गीय सुदेश कटोच के निधन पर उप मुख्य सचेतक व शाहपुर के विधायक केवल सिंह पठानिया तथा विधायक मलिंदर राजन ने उनके गृह पहुंचकर शोक व्यक्त किया। उन्होंने शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि सुदेश कटोच के निधन से परिवार ने अपना एक महत्वपूर्ण सदस्य खो दिया है। उन्होंने ईश्वर से दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान देने तथा परिजनों को इस अपार दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की। इस अवसर पर एसडीएम इंदौरा सुरेंद्र ठाकुर, डीएसपी संजीव यादव, थाना प्रभारी आशीष पठानिया, वरिष्ठ कांग्रेस नेता करण सिंह पठानिया सहित पार्टी कार्यकर्ता और अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

निक्की बनीं घंडालवी कॉलेज पीटीए की अध्यक्ष

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। राजकीय महाविद्यालय घंडालवी में अभिभावक-शिक्षक संघ (पीटीए) की आम बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता महाविद्यालय की प्राचार्य प्रो. रीता शर्मा ने की। इस दौरान शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए पीटीए की नई कार्यकारिणी का सर्वसम्मति से गठन किया गया। नई कार्यकारिणी में निक्की देवी को अध्यक्ष, प्रवीन लता को उपाध्यक्ष, प्रो. पवन कुमार को सचिव, प्रवीन कुमारी को संयुक्त सचिव और नीलम को कोषाध्यक्ष चुना गया। वहीं, सोमा देवी और निशा को कार्यकारिणी सदस्य बनाया गया। प्राचार्य प्रो. रीता शर्मा ने कहा कि कॉलेज के सर्वांगीण विकास, अनुशासन व विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध करवाने के लिए अभिभावकों और शिक्षकों के बीच बेहतर समन्वय आवश्यक है। नवनियुक्त अध्यक्ष निक्की देवी ने सभी अभिभावकों का आभार जताते हुए कॉलेज के विकास के लिए हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया। बैठक में कॉलेज के प्राध्यापक और अन्य सदस्य मौजूद रहे।

श्रमदान से संवारा बरमाना का मोक्ष धाम

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। बरमाना के रामबाग स्थित मोक्ष धाम को स्वच्छ एवं व्यवस्थित बनाने के लिए रविवार को क्षेत्र के युवाओं और पंचायत प्रतिनिधियों ने श्रमदान किया। ग्राम पंचायत पंजगाई के पूर्व प्रधान सुशील कुमार की पहल पर आयोजित इस सफाई अभियान में बरमाना, पंजगाई और धौन कोठी पंचायतों से जुड़े लोगों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। अभियान के दौरान मोक्ष धाम परिसर में लंबे समय से उगी झाड़ियों को हटाया गया। इसके अलावा रास्ते की सफाई करने के साथ जरूरत वाले स्थानों पर रास्ते को दुरुस्त किया गया। स्थानीय लोगों ने कई घंटे तक श्रमदान कर परिसर की साफ-सफाई की। सुशील कुमार ने बताया कि अभियान में धौन कोठी के उपप्रधान छोटा राम ठाकुर, समाजसेवी कमल सिंह वर्मा, इंटक के जिला उपाध्यक्ष शिव सिंह वर्मा सहित पंचायत प्रतिनिधियों और स्थानीय युवाओं ने सहयोग दिया। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक स्थलों की देखभाल सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने अभियान में सहयोग करने वाले सभी लोगों का आभार जताया।

आयुष्मान आरोग्य शिविर में 80 लोगों की स्वास्थ्य जांच की, 72 के किए एक्स-रे

भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। मंडी जिला के करसोग खंड की दूरदराज पंचायत तूम्मन में घर-द्वार तक स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से स्वास्थ्य विभाग करसोग द्वारा आयुष्मान आरोग्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में स्थानीय लोगों को विभिन्न स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करवाने के साथ-साथ स्वास्थ्य संबंधी जांच एवं उपचार किया गया। शिविर के दौरान 80 लोगों की स्वास्थ्य जांच की गई। इसके अतिरिक्त, 72 लोगों के एक्स-रे, जबकि 56 लोगों के बीपी एवं शुगर की जांच की गई। वहीं, 23 लोगों की हेपेटाइटिस-बी, हेपेटाइटिस-सी एवं एचआईवी संबंधी जांच भी की गई। शिविर में खंड चिकित्सा अधिकारी करसोग डॉ. गोपाल चौहान, पीएचसी थ्वालपुर से डॉ. प्रतीक, नागरिक चिकित्सालय करसोग से हेल्थ सुपरवाइजर दया नंद वर्मा, सीनियर ट्रीटमेंट सुपरवाइजर लोभ चंद, एक्स-रे टेक्नीशियन जय सिंह, काउंसलर नंदा तथा सीएचओ तेबन मोनिका सहित स्थानीय आशा कार्यकर्ताओं ने अपनी सेवाएं प्रदान कीं। खंड चिकित्सा अधिकारी करसोग डॉ. गोपाल चौहान ने शिविर को सफल बनाने में सहयोग के लिए ग्राम पंचायत तूम्मन की प्रधान तरुणा शर्मा तथा सभी वार्ड सदस्यों का आभार व्यक्त किया।

स्मार्ट मीटर व चार गुना मुआवजे की मांग को लेकर जन अभियान चलाएगी किसान सभा

भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। हिमाचल किसान सभा सुंदरनगर इकाई का सम्मेलन युवक मंडल भवन, सलाह में आयोजित हुआ। सम्मेलन की अध्यक्षता तीन सदस्यीय अध्यक्ष मंडल ने की। इसमें सुंदरनगर उपमंडल की विभिन्न पंचायतों से करीब 60 प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

किसान सभा के जिला अध्यक्ष कुशाल भारद्वाज ने सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए संगठन के इतिहास और किसान आंदोलनों में इसकी भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि किसान सभा ने किसानों के अधिकारों और शोषण के खिलाफ लंबे समय तक संघर्ष किया है। सचिव रामजी दास ने पिछले तीन वर्षों की संगठनात्मक एवं गतिविधि रिपोर्ट प्रस्तुत की। नवनिर्वाचित अध्यक्ष जगमेल ठाकुर ने कहा कि सुंदरनगर क्षेत्र के किसान कई समस्याओं से जूझ रहे हैं। उन्होंने कहा कि आम उपभोक्ताओं की सहमति के बिना स्मार्ट बिजली मीटर लगाए जाने का

सुंदरनगर के किसान कई समस्याओं से जूझ रहे

किसान सभा विरोध करेगी। प्रस्तावित रेल लाइन और फोरलेन परियोजनाओं से प्रभावित परिवारों को चार गुना मुआवजा, ब्याज, पुनर्वास और अन्य अधिकार दिलाने के लिए भी अभियान चलाया जाएगा। उन्होंने प्रभावित क्षेत्रों में सर्विस रोड और नालियों का निर्माण, स्थानीय लोगों को रोजगार, खाद की पर्याप्त उपलब्धता, आवारा पशुओं की समस्या का समाधान, सिंचाई व सड़क सुविधाओं में सुधार तथा टमाटर सहित प्रमुख फसलों के उचित समर्थन मूल्य की मांग उठाई। वर्ष 2023 और 2025 में बारिश से हुए नुकसान का उचित मुआवजा देने की मांग को लेकर भी जन अभियान चलाने का निर्णय लिया गया। सम्मेलन में नई कमेटी का गठन किया गया। जगमेल ठाकुर को अध्यक्ष, रामजी दास को सचिव और कपूर सिंह को कोषाध्यक्ष चुना गया।

संगड़ाह में अवैध खनन के खिलाफ ग्रामीण लामबंद

भारतेन्दु संवाददाता, नाहन। सिरमौर के संगड़ाह क्षेत्र में कथित अवैध और अवैज्ञानिक खनन के खिलाफ ग्रामीणों ने मोर्चा खोल दिया है। लोक निर्माण विभाग विश्राम गृह संगड़ाह में वसुंधरा संरक्षण समिति की बैठक हुई, जिसमें विभिन्न पंचायतों के लोगों और भूतपूर्व सैनिक संगठन के पदाधिकारियों ने भाग लिया। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि क्षेत्र में लंबे समय से खदानें अवैज्ञानिक तरीके से संचालित हो रही हैं। भारी ब्लास्टिंग और गहरे गड्ढों के कारण जंगल, जलस्रोत और पशुओं के चारे पर असर पड़ रहा है। खदानों से निकलने वाले मलबे और सिल्ट से कई गांवों की कृषि भूमि प्रभावित होने का भी आरोप लगाया गया। लोगों ने कहा कि बारिश के दौरान मलबे के कारण संगड़ाह-नाहन मार्ग भी प्रभावित होता है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि यदि समस्या का समाधान नहीं हुआ तो बड़ा जन आंदोलन किया जाएगा और जरूरत पड़ने पर नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल का रुख किया जाएगा।

सनौरा पंचायत में सामुदायिक व महिला मंडल भवन का होगा निर्माण : निशू मोंगरा

भारतेन्दु संवाददाता, कांगड़ा। सनौरा पंचायत में जल्द ही सामुदायिक भवन और महिला मंडल भवन का निर्माण किया जाएगा। वहीं, गगल एयरपोर्ट और आसपास की पंचायतों में एयरपोर्ट के अधीन आने वाली सरकारी भूमि पर बसे परिवारों को सरकार की ओर से मुआवजा देने की प्रक्रिया भी आगे बढ़ाई जा रही है। पहले चरण में इन परिवारों को नियमित करने की प्रक्रिया पूरी की जा रही है। यह बात एपीएमसी के जिला एवं प्रदेश ओबीसी कांग्रेस विभाग के अध्यक्ष नरेंद्र निशू मोंगरा ने सनौरा पंचायत में 'आपका सेवक आपके द्वार' कार्यक्रम के दौरान कही।

इस दौरान उन्होंने स्थानीय लोगों की समस्याएं सुनीं और उनके शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया। मोंगरा ने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री सुक्खू आम लोगों की समस्याओं को समझते हैं। गगल एयरपोर्ट के अधीन आने वाली सरकारी भूमि पर बसे लोगों को नियमित करने की प्रक्रिया जल्द पूरी हो, इसके लिए वह व्यक्तिगत रूप से शिमला में मुलाकात करेंगे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में प्रदेश, विशेषकर कांगड़ा जिले में सड़क, पुल, पेयजल और स्वास्थ्य जैसी मूलभूत सुविधाओं को मजबूत करने के लिए तेजी से कार्य किया जा रहा है। 'आपका सेवक आपके द्वार' कार्यक्रम पिछले एक वर्ष से लोगों के बीच लोकप्रिय हो रहा है। ग्रामीण स्वयं उन्हें अपने क्षेत्रों में आने का निमंत्रण दे रहे हैं, जिससे लोगों को घर-द्वार पर अपनी समस्याएं रखने और उनके समाधान का अवसर मिल रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार कांगड़ा विधानसभा क्षेत्र में करोड़ों रुपए की विभिन्न विकास परियोजनाओं को धरातल पर उतार रही है। जल्द ही मुख्यमंत्री से मुलाकात कर कांगड़ा क्षेत्र में प्रस्तावित अन्य विकास कार्यों की रिपोर्ट भी सौंपी जाएगी।

कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में मित्रों की मौज चल रही : अनुराग

कहा- वह दिन दूर नहीं जब सरकार राहुल, प्रियंका व सोनिया सेस लगाने से भी परहेज नहीं करेगी

भारतेन्दु संवाददाता, धर्मशाला। पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं हमीरपुर से सांसद अनुराग ठाकुर ने रविवार को पूर्व कर्मचारी प्रकोष्ठ जिला कांगड़ा के धर्मशाला में आयोजित जिला सम्मेलन में प्रदेश सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने राहुल गांधी के खटाखट पैसे देने के बयान पर तंज कसते हुए कहा कि राहुल गांधी ने खटाखट पैसे देने की बात कही थी, लेकिन हिमाचल में कांग्रेस सरकार ने पूरा सिस्टम ही खटारा करके रख दिया है।

अनुराग ठाकुर ने कहा कि प्रदेश में कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में मित्रों की मौज चल रही है, जबकि आम कर्मचारी और पेंशनर अपने हक के लिए इंतजार कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार की प्राथमिकताएं कर्मचारियों और पेंशनरों के बजाय अन्य लोगों को सुविधाएं देने की ओर हैं। प्रदेश पर कर्ज का बोझ भी लगातार बढ़ रहा है और करीब एक लाख दस हजार करोड़ रुपये का कर्ज हो चुका है। उन्होंने कहा कि पेंशनरों का 15 प्रतिशत महंगाई भत्ता और वर्ष 2016 के वित्तीय लाभ लंबित हैं। हिमाचल पथ परिवहन निगम सहित विभिन्न बोर्डों और निगमों के कर्मचारियों के भी कई मामले लंबित हैं। अनुराग ठाकुर ने राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि वह रील बनाने वाले नेता हैं, रियल नेता नहीं।

उन्होंने राहुल गांधी के प्राथमिकी मामले को लेकर भी कांग्रेस पर राजनीति करने का आरोप लगाया। राष्ट्रीय गीत के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि धर्म के नाम पर देश को बांटने की राजनीति को स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश को विकास की दिशा में आगे ले जाने के लिए काम करने वाली सरकार की जरूरत है। अनुराग ठाकुर ने कर्मचारियों को एकजुट होकर अपनी मांगों के लिए आवाज उठाने का आह्वान किया। सम्मेलन में रखी गई मांगों पर भाजपा केंद्र और प्रदेश में सरकार बनने पर काम करेगी।

अनुराग बोले- पेंशन अधिकार है, खैरात नहीं

अनुराग ठाकुर ने कहा कि केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार ने पेंशनरों और पूर्व सैनिकों के लिए कई महत्वपूर्ण फैसले लिए हैं। वन रैंक, वन पेंशन लागू करने के साथ पेंशन अदालतें शुरू की गईं। डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र और पेंशन संबंधी ऑनलाइन सुविधाओं से बुजुर्गों को कार्यालयों के चक्कर लगाने से राहत मिली है। उन्होंने कहा कि पेंशनरों के सम्मान और अधिकार से कोई समझौता नहीं होना चाहिए। अनुराग ने सुक्खू सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि अभी हाल में एक बार फिर पेट्रोल डीजल पर सेस बढ़ा दिया गया। अब तो ऐसा लगता है की बस राहुल गांधी, सोनिया गांधी और प्रियंका गांधी के नाम पर टैक्स लगाना बाकी रह गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि ये ब्यूटेकस, लूटेकस और सूटेकस की सरकार है। उन्होंने कहा कि अब हिमाचल की जनता ने भी तय कर लिया है कि इस सरकार को वह सत्ता से बाहर करके ही दम लेगी।

कांग्रेस का 'पंच परमेश्वर सम्मेलन' अभियान शुरू

विनय कुमार ने कार्यकर्ताओं में भरा जोश, बोले- जनता से सीधा संवाद हमारी प्राथमिकता

भारतेन्दु संवाददाता, नाहन। प्रदेश में कांग्रेस संगठन को जमीनी स्तर पर और अधिक मजबूत एवं सक्रिय बनाने के उद्देश्य से 'पंच परमेश्वर सम्मेलन' अभियान की शुरुआत श्री रेणुका जी विधानसभा क्षेत्र से की गई। हिमाचल प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष एवं विधायक विनय कुमार जी ने अपने विधानसभा क्षेत्र से इस महत्वपूर्ण अभियान का शुभारंभ करते हुए कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों में नई ऊर्जा का संचार किया।

पंच परमेश्वर' के तहत संगठन की पांच महत्वपूर्ण कड़ियों ब्लॉक अध्यक्ष, जोन अध्यक्ष, पंचायत अध्यक्ष, बूथ अध्यक्ष एवं पृष्ठ प्रभारी को साथ लेकर संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने की रणनीति पर विस्तार से चर्चा की गई। कांग्रेस पार्टी का चुनाव चिन्ह हाथ का पंजा है और इसी संगठनात्मक ढांचे को मजबूत करते हुए कांग्रेस का संदेश घर-घर और जन-जन तक पहुंचाने पर जोर दिया गया। इस अभियान के माध्यम से कांग्रेस पार्टी जमीनी स्तर पर कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों की नब्ज टटोलेगी, उनकी समस्याओं, सुझावों और क्षेत्रीय मुद्दों को समझेगी तथा संगठन को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए आवश्यक कदम उठाएगी। आगामी 2027 विधानसभा चुनावों को लेकर भी कार्यकर्ताओं के साथ विस्तृत मंथन किया गया। इस अवसर पर विनय कुमार ने कहा कि मजबूत बूथ, सक्रिय कार्यकर्ता और जनता से सीधा संवाद ही कांग्रेस की सबसे बड़ी ताकत है। संगठन की मजबूती के लिए प्रत्येक कार्यकर्ता को पूरी ऊर्जा और समर्पण के साथ मैदान में उतरना होगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का लक्ष्य केवल चुनाव लड़ना नहीं, बल्कि जनता के बीच लगातार उपस्थित रहकर उनकी आवाज को मजबूती से उठाना है।

विनय कुमार बोले- मजबूत बूथ व सक्रिय कार्यकर्ता ही कांग्रेस की सबसे बड़ी ताकत

हिमाचल के एनएचएम कर्मियों की बढ़ेगी सैलरी, सात साल सेवा पूरी करने वालों को मिलेगा संशोधित वेतन

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत अनुबंध आधार पर सेवाएं दे रहे कर्मचारियों के लिए वेतन से जुड़ी बड़ी खबर है। सात वर्ष की लगातार सेवा पूरी कर चुके एनएचएम कर्मचारियों को एक अप्रैल 2026 से संशोधित बेस सैलरी का लाभ मिलेगा।

नई व्यवस्था के तहत 66 श्रेणियों के लिए अलग-अलग बेस सैलरी निर्धारित की गई है, जो 18,000 रुपए से लेकर 56,100 रुपए तक होगी। इस वेतन संशोधन का लाभ मेडिकल ऑफिसर, विशेषज्ञ, नर्स, फार्मासिस्ट, लैब टेक्नीशियन, अकाउंटेंट, क्लर्क, मनोवैज्ञानिक, फिजियोथेरेपिस्ट, ड्राइवर और चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों समेत विभिन्न श्रेणियों में कार्यरत कर्मचारियों को मिलेगा। संशोधित व्यवस्था के तहत सात वर्ष की निरंतर सेवा पूरी करने वाले कर्मचारी नए बेस सैलरी ढांचे के पात्र होंगे। कर्मचारियों की आपसी वरिष्ठता को बनाए रखने के लिए सेवा अवधि को भी वेतन निर्धारण में शामिल किया गया है। 31 मार्च 2026 तक पात्रता पूरी कर चुके कर्मचारियों को उनकी लगातार सेवा के वर्षों के आधार पर संशोधित बेस सैलरी पर 3 फीसदी की दर से एकमुश्त वेतनवृद्धि दी जाएगी। इसके बाद एक अप्रैल 2027 से पात्र कर्मचारियों को हर साल 3 फीसदी वार्षिक इंक्रीमेंट मिलेगा, जिन कर्मचारियों ने अभी सात वर्ष की निरंतर सेवा पूरी नहीं की है या जो फिलहाल संशोधित वेतन निर्धारण के लिए पात्र नहीं हैं, उनके लिए भी राहत का प्रावधान किया गया है।

ऐसे कर्मचारियों के मौजूदा वेतन में एक अप्रैल 2026 से एकमुश्त 5 फीसदी की बढ़ोतरी की जाएगी। हालांकि, इस संशोधन के तहत उन्हें कोई अन्य अतिरिक्त वृद्धि नहीं मिलेगी। इन कर्मचारियों को एक अप्रैल 2027 से हर वर्ष 5 फीसदी की वार्षिक वेतनवृद्धि मिलती रहेगी। यह व्यवस्था तब तक जारी रहेगी, जब तक कर्मचारी संशोधित वेतन निर्धारण के लिए निर्धारित पात्रता पूरी नहीं कर लेते। नई वेतन व्यवस्था में एनएचएम के तहत काम कर रही 66 श्रेणियों के लिए अलग-अलग बेस सैलरी तय की गई है। इसमें स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े तकनीकी और गैर-तकनीकी दोनों तरह के पद शामिल हैं। नई व्यवस्था के तहत निर्धारित बेस सैलरी 18,000 रुपए से 56,100 रुपए के बीच है। वास्तविक वेतन संबंधित कर्मचारी की श्रेणी और पात्रता के आधार पर निर्धारित होगा।

स्वास्थ्य मंत्रालय की मंजूरी के बाद लागू हुआ संशोधन

एनएचएम निदेशक की ओर से संशोधित वेतन व्यवस्था को वर्ष 2026-27 के लिए लागू किया गया है। इसके लिए स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की मंजूरी और एनएचएम की गवर्निंग बॉडी के निर्णय के बाद आदेश जारी किए गए हैं। संशोधित वेतन निर्धारण से संबंधित आदेश संबंधित मुख्य चिकित्सा अधिकारियों के कार्यालयों में तैनात सहायक नियंत्रक की ओर से जारी किए जाएंगे। स्वास्थ्य विभाग और प्रदेश के सभी मुख्य चिकित्सा अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के लिए आदेश भेज दिए गए हैं।

कांगड़ा में दयाल स्वीट्स, रेस्टोरेंट एंड बेकरी का भव्य शुभारंभ

भारतेन्दु संवाददाता, कांगड़ा। कांगड़ा शहर में खाने-पीने के शौकीनों के लिए एक नया प्रतिष्ठान शुरू हुआ है। स्वाद, शुद्धता व आधुनिक सुविधाओं से युक्त दयाल स्वीट्स, रेस्टोरेंट एंड बेकरी का भव्य शुभारंभ हर्षोल्लास के साथ किया गया। प्रतिष्ठान का उद्घाटन स्वामी मंगलानंद महाराज के कर-कमलों से वैदिक मंत्रोच्चारण और विधिवत पूजा-अर्चना के साथ हुआ।

स्वामी मंगलानंद महाराज ने अपने आशीर्वचनों में कहा कि व्यापार में शुद्धता और सेवा भाव सबसे बड़ी पूंजी है। उन्होंने उम्मीद जताई कि दयाल स्वीट्स इसी भावना के साथ कांगड़ा की जनता को बेहतर सेवाएं प्रदान करेगा। प्रतिष्ठान में 100 प्रतिशत शुद्ध देसी घी से तैयार प्रीमियम मिठाइयों की विस्तृत रेंज उपलब्ध होगी। इसमें काजू कतली, मिल्क केक, रसगुल्ला, गुलाब जामुन, बेसन बर्फी, लड्डू और विभिन्न प्रकार की बंगाली मिठाइयां शामिल हैं। संचालकों के अनुसार मिठाइयों में स्वाद के साथ गुणवत्ता और शुद्धता का विशेष ध्यान रखा गया है।

परिवार और दोस्तों के साथ समय बिताने के लिए यहां आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित साफ-सुथरा फैमिली रेस्टोरेंट भी तैयार किया गया है। इसके अलावा युवाओं और केक प्रेमियों के लिए कस्टमाइज्ड, फोटो और 3डी डिजाइनर केक ऑर्डर पर उपलब्ध होंगे। जन्मदिन, वर्षगांठ, किटी पार्टी और अन्य समारोहों के लिए ग्राहकों को विभिन्न डिजाइन के केक उपलब्ध करवाए जाएंगे।

बेकरी में रोजाना ताजा पेस्ट्री, डोनट, ब्राउनी, कुकीज, ब्रेड, बन सहित अन्य बेकरी उत्पाद भी मिलेंगे। इस अवसर पर एसडीएम कांगड़ा डॉ. अंजली गर्ग, पथ परिवहन निगम के प्रदेश उपाध्यक्ष अजय वर्मा, वेद प्रकाश शर्मा, भाजपा नेता मुनीष शर्मा, व्यापारी विजय शर्मा, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष नागेश्वर मनकोटिया, पार्षद अशोक शर्मा, भाजपा नेता कमल शर्मा, अगम शर्मा और यदु शर्मा सहित कांगड़ा के कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।

वंदे मातरम के मुद्दे पर रिज मैदान में भाजपा विधायक दल का धरना, राष्ट्रगीत के सम्मान का दिया संदेश

देशभक्ति के गीतों और नारों से गूंजा रिज मैदान

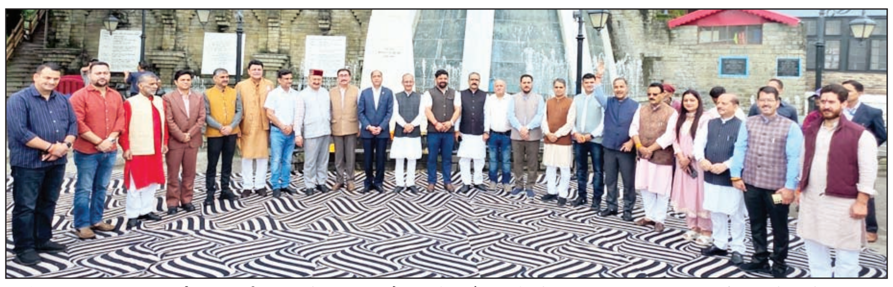

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश विधानसभा में वंदे मातरम के गायन को लेकर चल रहे विवाद के बीच भारतीय जनता पार्टी विधायक दल ने रविवार को शिमला के ऐतिहासिक रिज मैदान पर जवाबी धरना दिया।

नेता प्रतिपक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर के नेतृत्व में हुए इस कार्यक्रम में भाजपा विधायकों के साथ सैकड़ों कार्यकर्ता शामिल हुए। महात्मा गांधी की प्रतिमा के सामने करीब डेढ़ घंटे तक चले धरने में सामूहिक रूप से वंदे मातरम का गायन किया गया। इस दौरान देशभक्ति के गीतों और नारों से पूरा रिज मैदान गूंजता रहा। जयराम ठाकुर ने मीडिया से बातचीत में कहा कि वंदे मातरम भारत के स्वतंत्रता आंदोलन की प्रेरणा और स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग एवं बलिदान से जुड़ा रहा है।

उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान इस गीत ने लोगों में देशभक्ति की भावना जगाने का काम किया। भाजपा विधायक दल की मांग थी कि विधानसभा में वंदे मातरम का सम्मानपूर्वक संपूर्ण गायन कराया जाए। उन्होंने आरोप लगाया कि विधानसभा की कार्यवाही शुरू होने से पहले तैयार किए गए कार्यक्रम में वंदे मातरम का उल्लेख था, लेकिन बाद में इसे हटा दिया गया। भाजपा विधायकों ने सदन के भीतर इस मुद्दे को उठाया, लेकिन उनके अनुसार सरकार ने सकारात्मक रुख अपनाने के बजाय गतिरोध की स्थिति पैदा होने दी।

जयराम ने कांग्रेस के वर्ष 1937 के फैसले का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि उस समय कांग्रेस ने वंदे मातरम के कुछ अंशों को राष्ट्रीय समारोहों में गाने की सिफारिश की थी। उन्होंने 6 अप्रैल 1938 को जवाहरलाल नेहरू की ओर से मोहम्मद अली जिन्ना को लिखे गए पत्र का भी जिक्र किया और कहा कि उसमें वंदे मातरम को लेकर उठी आपत्तियों का उल्लेख था।

उन्होंने कहा कि स्वतंत्र भारत में वंदे मातरम के सम्मान का विषय किसी राजनीतिक दल के फैसले तक सीमित नहीं होना चाहिए। कांग्रेस कार्यसमिति का कोई फैसला देश और लोकतांत्रिक संस्थाओं से ऊपर नहीं हो सकता। देश संविधान और लोकतांत्रिक व्यवस्था के अनुसार चलता है।

राष्ट्रगान के अपमान का आरोप गलत, विधानसभा का वीडियो सार्वजनिक करने की मांग

जयराम ठाकुर ने भाजपा विधायकों पर राष्ट्रगान के अपमान के कांग्रेस नेताओं के आरोपों को पूरी तरह गलत बताया। उन्होंने कहा कि विधानसभा में राष्ट्रगान के दौरान सत्ता पक्ष और विपक्ष के सभी सदस्य सम्मान के साथ खड़े रहे और राष्ट्रगान में शामिल हुए। इसके बाद विपक्ष ने वंदे मातरम के गायन की मांग उठाई। उन्होंने कहा कि भाजपा विधायक दल पिछले तीन दिनों से विधानसभा की उस कार्यवाही का वीडियो मांग रहा है। इस संबंध में विधानसभा अध्यक्ष से मुलाकात भी की गई है। विपक्ष के सभी विधायकों ने विधानसभा सचिव को लिखित रूप से वीडियो उपलब्ध कराने की मांग की है, लेकिन अभी तक वीडियो उपलब्ध नहीं कराया गया है। जयराम ठाकुर ने कहा कि यदि कांग्रेस नेताओं के आरोपों में सच्चाई है, तो विधानसभा की पूरी कार्यवाही का वीडियो सार्वजनिक किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि भाजपा इस मामले में कानूनी विकल्पों पर भी विचार कर रही है और जरूरत पड़ने पर हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि इसी विवाद पर अपना संदेश देने के लिए भाजपा विधायक दल ने विधानसभा की कार्यवाही न होने के दिन महात्मा गांधी की प्रतिमा के सामने सामूहिक रूप से वंदे मातरम का गायन किया।

हमीरपुर जिले की अदालतों में शुरू हुआ 'मध्यस्थता राष्ट्र के लिए 3.0' अभियान

अनिल कुमार, भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। अदालतों में लंबित मामलों को मध्यस्थता, सुलह एवं आपसी सहमति से निपटाने के लिए अब 'मध्यस्थता राष्ट्र के लिए 3.0' अभियान शुरू किया गया है।

जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण के सचिव कुलदीप शर्मा ने बताया कि अदालतों में लंबित मामलों का निपटारा मध्यस्थता, सुलह और आपसी सहमति से भी किया जा सकता है। इससे दोनों पक्षों के समय और धन की बचत होती है तथा उनमें सौहार्दपूर्ण संबंध भी बने रहते हैं। कुलदीप शर्मा ने बताया कि अदालतों में कई मामले लंबे समय तक लंबित रहते हैं। इससे दोनों पक्षों का बहुमूल्य समय और धन खर्च होता है। इससे बचने के लिए मध्यस्थता, सुलह एवं आपसी सहमति एक बहुत ही अच्छा माध्यम हो सकता है। इसी के मद्देनजर राष्ट्रीय विधिक सेवाएं प्राधिकरण (नालसा) ने 'मध्यस्थता राष्ट्र के लिए 3.0' अभियान शुरू किया है। कुलदीप शर्मा ने बताया कि नालसा मध्यस्थता एवं सुलह परियोजना समिति का यह अभियान जिला हमीरपुर की सभी अदालतों में भी शुरू किया गया है। अगर कोई पक्ष इस अभियान के तहत अपने केस का निपटारा करवाना चाहता है तो वह संबंधित अदालत में आवेदन कर सकता है।

◆समय और धन बचाएगा मध्यस्थता का विकल्प

मध्यस्थता के लिए कोई भी शुल्क नहीं लिया जाएगा। कुलदीप शर्मा ने बताया कि वैवाहिक विवाद, चैक बाउंस के मामले, ऋण वसूली, वाहनों के चालान, दुर्घटनाओं से संबंधित केस, क्रिमिनल कपाउंडेबल अपराध, समझौते के योग्य आपराधिक मामले, बीमा और एलए इत्यादि से संबंधित मामलों को मध्यस्थता से निपटाया जा सकता है। इसके अतिरिक्त विभाजन और बेदखली के मुकदमें, भूमि अधिग्रहण तथा अन्य उपयुक्त नागरिक मामलों को भी मध्यस्थता के माध्यम से सुलझाने का प्रयास किया जाएगा। जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण के सचिव ने संबंधित लोगों से इस सुविधा का लाभ उठाने की अपील की है।

सुंगल में घर के आंगन में गिरी बिजली की तारें, बाल-बाल बचा परिवार

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। बिनौला पंचायत के सुंगल गांव में बिजली की दो तारें अचानक टूटकर एक घर के आंगन में जा गिरीं। घटना के समय परिवार के सदस्य आंगन में मौजूद थे, लेकिन गनीमत रही कि कोई तार की चपेट में नहीं आया। परिवार ने घटना को गंभीर बताते हुए बिजली विभाग से मामले की जांच और स्थायी समाधान की मांग की है। परिवार के मुताबिक घटना के समय न बारिश हो रही थी और न तेज हवा चल रही थी। आसपास भी कोई पेड़ गिरने जैसी स्थिति नहीं थी। तारें गिरते ही मकान और लोहे की ग्रिल में करंट फैल गया। ग्रिल पर करंट के कारण दो स्थानों पर निशान भी पड़ गए। घटना की सूचना घाघस के जेई प्रीतम सिंह को तुरंत दी गई। परिवार का आरोप है कि सूचना देने के बावजूद काफी देर तक विभाग का कोई कर्मचारी मौके पर नहीं पहुंचा। बाद में एसडीओ और एसईएन को भी जानकारी दी गई। पंचायत प्रधान, उपप्रधान और वार्ड सदस्य भी मौके पर पहुंचे। परिवार का कहना है कि अधिकारियों से संपर्क के बावजूद मौके पर विभागीय निरीक्षण नहीं किया गया।

न्यूज ब्रीफ

पिकअप से अवैध शराब बरामद, मारपीट का मामला दर्ज

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। बिलासपुर जिले में पुलिस ने दो अलग-अलग मामलों में कार्रवाई करते हुए एक पिकअप वाहन से 12 बोतल अवैध देसी शराब बरामद की है। पुलिस के अनुसार गश्त और चेकिंग के दौरान पदोहड़ी गांव के पास एक पिकअप की तलाशी ली गई। वाहन में सवार पदोहड़ी निवासी आरोपी के कब्जे से हिम संतरा शराब की 12 बोतलें बरामद हुईं। पुलिस ने शराब को कब्जे में लेकर आरोपी के खिलाफ हिमाचल प्रदेश आबकारी अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है। वहीं, पुलिस थाना तलाई के तहत कल्लर गांव में रास्ता रोककर महिला से गाली-गलौज और मारपीट का मामला सामने आया है। रजनी देवी की शिकायत पर पुलिस ने गांव की ही ब्यासा देवी के खिलाफ केस दर्ज किया है। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि आरोपी ने उसका रास्ता रोककर गाली-गलौज और मारपीट की। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मणिमहेश यात्रा 25 अगस्त तक स्थगित

भारतेन्दु संवाददाता, चंबा। चंबा जिले में भारी बारिश के चलते प्रसिद्ध श्री मणिमहेश यात्रा मार्ग पर श्रद्धालुओं की आवाजाही 25 अगस्त तक रोक दी गई है। जिला प्रशासन ने यह निर्णय श्रद्धालुओं की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए लिया है। तोस के गोठ के पास बारिश से मार्ग का एक हिस्सा क्षतिग्रस्त हुआ है, जिसकी मरम्मत का कार्य जारी है। डीसी चंबा मुकेश रेप्सवाल ने कहा कि सुरक्षा प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने श्रद्धालुओं से 25 अगस्त तक यात्रा मार्ग पर जाने से बचने और प्रशासन के निर्देशों का पालन करने की अपील की है। मौसम और मार्ग की स्थिति अनुकूल रहने पर 26 अगस्त से यात्रा दोबारा शुरू की जाएगी। प्रशासन ने बताया कि बारिश के दौरान पहाड़ी मार्गों पर भूस्खलन और फिसलन का खतरा बना रहता है। इस वर्ष आधिकारिक मणिमहेश यात्रा 4 से 19 सितंबर तक होगी। यात्रा के लिए पंजीकरण अनिवार्य है। हड़सर बेस कैंप में श्रद्धालुओं की मेडिकल जांच भी की जाएगी।

जेबीटी टैट में ग्रेस मार्क्स देने पर जताया आभार

भगत सिंह गुलेरिया, भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। टैट प्रभावित शिक्षक मोर्चा द्वारा टेट परीक्षा में 12 ग्रेस मार्क्स देने के निर्णय के लिए स्कूल शिक्षा बोर्ड धर्मशाला के अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा तथा सचिव अंकुश शर्मा का आभार व्यक्त किया है। मोर्चा के पदाधिकारियों ने कहा कि 6 अगस्त को धर्मशाला में बोर्ड अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा और सचिव श्री अंकुश शर्मा से मुलाकात के दौरान जेबीटी टेट परीक्षा में गणित विषय से संबंधित प्रश्नों को लेकर विस्तृत चर्चा की गई थी। मोर्चा ने बोर्ड के समक्ष यह तथ्य रखा था कि गणित विषय में लगभग 12 से 15 प्रश्न निर्धारित पाठ्यक्रम से बाहर (आउट ऑफ सिलेबस) पूछे गए थे, जिससे अभ्यर्थियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। मोर्चा ने कहा कि उस समय बोर्ड के अध्यक्ष एवं सचिव ने मामले को गंभीरता से सुना और अभ्यर्थियों की समस्या के समाधान के लिए उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया था। अब बोर्ड द्वारा 12 अंक ग्रेस मार्क्स देने का निर्णय लिया गया है, जिससे जेबीटी टेट अभ्यर्थियों को बड़ी राहत मिली है। टेट प्रभावित शिक्षक मोर्चा ने कहा कि यह निर्णय बोर्ड की संवेदनशीलता, निष्पक्षता और अभ्यर्थियों के हितों के प्रति सकारात्मक सोच को दर्शाता है। मोर्चा ने इसके लिए अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा, सचिव श्री अंकुश शर्मा तथा हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड के समस्त अधिकारियों का हार्दिक आभार एवं धन्यवाद व्यक्त किया। मोर्चा के पदाधिकारियों ने कहा कि यह राहत उन अभ्यर्थियों के लिए महत्वपूर्ण है, जिन्होंने कठिन परिस्थितियों में जेबीटी टेट की तैयारी की थी। इसके साथ ही उन अध्यापकों को भी राहत दी है जिनको शिक्षा विभाग में कार्य करते हुए 30 से 35 वर्ष हो चुके है। मोर्चा ने कहा कि 6 अगस्त को धर्मशाला में रखी गई बात को गंभीरता से लेते हुए उस पर सकारात्मक निर्णय लेना सराहनीय कदम है।

एचपी शिवा परियोजना के तहत किसानों को मिलेगी जाच्छ केंद्र की विशेषज्ञता : पठानिया

भारतेन्दु संवाददाता, नूरपुर। उप सचेतक केवल सिंह पठानिया ने रविवार को क्षेत्रीय बागवानी अनुसंधान एवं प्रशिक्षण केंद्र, जाच्छ का दौरा किया। केंद्र के एसोसिएट डायरेक्टर एवं प्रमुख डॉ. विपिन गुलेरिया ने उनका स्वागत किया और केंद्र में संचालित विभिन्न गतिविधियों तथा किसानों के हित में किए जा रहे कार्यों की जानकारी दी।

पठानिया ने कहा कि एचपी शिवा परियोजना के तहत फाउंडेशन गतिविधियों के लिए करीब चार करोड़ रुपए की राशि उपलब्ध करवाई गई है। इसी के तहत जाच्छ केंद्र की विशेषज्ञता और सहयोग का लाभ किसानों तक पहुंचाने की संभावनाओं को देखने के उद्देश्य से उन्होंने केंद्र का दौरा किया। उन्होंने कहा कि केंद्र की विशेषज्ञता से क्षेत्र के किसानों को काफी लाभ मिल रहा है। प्रदेश सरकार किसानों की आय बढ़ाने और बागवानी को बढ़ावा देने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। उन्होंने बताया कि हाल ही में क्षेत्र के खेतों की मिट्टी का हाईटेक लैब में परीक्षण करवाया गया है। परीक्षण में मिट्टी में रसायनों की चौथी लेयर तक पहुंचने की बात सामने आई है, जो चिंता का विषय है। उन्होंने अधिकारियों और वैज्ञानिकों से किसानों को मृदा स्वास्थ्य तथा रसायनों के अत्यधिक प्रयोग से होने वाले दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने का आह्वान किया। डॉ. विपिन गुलेरिया ने बताया कि केंद्र में हरड़ और लसूढ़े की उन्नत किस्में विकसित की जा रही हैं, जिन्हें किसानों को उपलब्ध करवाया जा रहा है। इसके अलावा आम की विभिन्न किस्मों, जिनमें पूसा किस्म भी शामिल है, पर परीक्षण किया जा रहा है। पठानिया ने किसानों के लिए मिट्टी परीक्षण और मृदा स्वास्थ्य संबंधी प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश दिए। उन्होंने केंद्र परिसर में राष्ट्रीय राजमार्ग निर्माण के कारण बरसात के पानी की निकासी की समस्या का भी संज्ञान लिया और एनएच के उच्च अधिकारियों को आवश्यक निर्देश देने का आश्वासन दिया। इससे पहले पठानिया ने नाग मंदिर जठेरे पठानिया, नागाबाड़ी में पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों की खुशहाली और समृद्धि की कामना की।

26 सितंबर से पितृपक्ष, 10 अक्तूबर को सर्वपितृ अमावस्या के साथ समापन

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। पितरों की आत्मा की शांति और उनका आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए पितृपक्ष का विशेष महत्व माना जाता है।

इस दौरान लोग दिवंगत परिजनों के लिए श्राद्ध, तर्पण और पिंडदान करते हैं। वर्ष 2026 में पितृपक्ष की शुरुआत 26 सितंबर से होगी और 10 अक्तूबर को सर्वपितृ अमावस्या के साथ इसका समापन होगा। पंचांग के अनुसार, 26 सितंबर को पूर्णिमा श्राद्ध के साथ पितृपक्ष शुरू होगा। 27 सितंबर को प्रतिपदा, 28 को द्वितीया, 29 को तृतीया, 30 को चतुर्थी और 1 अक्तूबर को पंचमी श्राद्ध होगा। 2 अक्तूबर को षष्ठी, 3 को सप्तमी-अष्टमी, 4 को नवमी, 5 को दशमी, 6 को एकादशी, 7 को द्वादशी, 8 को त्रयोदशी और 9 अक्तूबर को चतुर्दशी श्राद्ध होगा। 10 अक्तूबर को सर्वपितृ अमावस्या होगी।

वंदे मातरम : शांता कुमार बोले- क्या अब भी जिन्ना की आपत्तियों से चलेगा भारत?

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। पूर्व मुख्यमंत्री व पूर्व केंद्रीय मंत्री शांता कुमार ने वंदे मातरम के मूल स्वरूप से दो छंद हटाए जाने को लेकर कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि आजादी के आठ दशक बाद भी क्या भारत को जिन्ना और मुस्लिम लीग की आपत्तियों के अनुसार चलना चाहिए।

शांता कुमार ने रविवार को एक बयान में कहा कि वर्ष 1937 तक वंदे मातरम का पूरा गीत गाया जाता था। उन्होंने दावा किया कि 1937 में मोहम्मद अली जिन्ना और मुस्लिम लीग ने इसके दो छंदों का विरोध किया था, क्योंकि उनमें हिंदू धर्म की देवियों लक्ष्मी और दुर्गा का वंदन किया गया था। इसके बाद कांग्रेस ने प्रस्ताव पारित कर इन दोनों छंदों को हटाने का निर्णय लिया। उन्होंने कांग्रेस से सवाल किया कि उसे देवी लक्ष्मी और देवी दुर्गा के वंदन से क्या आपत्ति है। शांता कुमार ने कहा कि देश की आजादी के 80 वर्ष बाद यह विचार करने की आवश्यकता है कि क्या भारत को उस समय मुस्लिम लीग की ओर से उठाई गई आपत्तियों के आधार पर आगे बढ़ना चाहिए। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने आरोप लगाया कि 'आज के भारत का सबसे बड़ा दुर्भाग्य है कि कांग्रेस ही मुस्लिम लीग बन गई है।'

◆कहा- वंदे मातरम के दो छंद हटाने का फैसला गलत

उन्होंने कहा कि देश का जागरूक समाज वंदे मातरम के साथ हुए इस कथित अन्याय को कभी स्वीकार नहीं करेगा। शांता कुमार ने कहा कि वंदे मातरम भारत के स्वतंत्रता संग्राम और राष्ट्रीय चेतना से गहराई से जुड़ा हुआ है तथा इसके ऐतिहासिक स्वरूप को लेकर देश में गंभीरता से विचार होना चाहिए।

सुन्हाणी-घुमारवीं मार्ग पर पहाड़ी से गिरी चट्टान, यातायात प्रभावित

अमर सिंह ठाकुर, भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। सुन्हाणी-घुमारवीं वाया बरड़ संपर्क मार्ग पर रविवार सुबह बरड़ के समीप पहाड़ी से अचानक एक बड़ी चट्टान सड़क पर आ गिरी। चट्टान की चपेट में आने से सड़क किनारे बना डंगा थोड़ा क्षतिग्रस्त हो गया, जबकि चट्टान सड़क के किनारे ही रुक गई। गनीमत रही कि जिस समय चट्टान पहाड़ी से नीचे गिरी, उस दौरान वहां से कोई वाहन या राहगीर नहीं गुजर रहा था। इससे बड़ा हादसा होने से टल गया।

चट्टान गिरने के कारण सुन्हाणी-घुमारवीं वाया बरड़ मार्ग पर वाहनों की आवाजाही प्रभावित हुई। घटना की सूचना मिलते ही लोक निर्माण विभाग ने चट्टान हटाने के लिए जेसीबी मशीनें मौके पर भेज दीं। विभाग की टीम ने सड़क से चट्टान हटाने का काम शुरू कर दिया है। अधिकारियों का प्रयास है कि मार्ग को जल्द से जल्द यातायात के लिए बहाल किया जाए, ताकि लोगों को परेशानी से राहत मिल सके। लोक निर्माण विभाग बरठीं के सहायक अभियंता सचिन नड्डा ने बताया कि चट्टान पहाड़ी के ऊपरी हिस्से से नीचे आई है।

इससे सड़क किनारे बना डंगा थोड़ा क्षतिग्रस्त हुआ है। उन्होंने बताया कि चट्टान हटाने का कार्य शुरू कर दिया गया है और विभाग की कोशिश है कि शाम तक सड़क मार्ग को यातायात के लिए बहाल कर दिया जाए। बारिश के मौसम में पहाड़ी क्षेत्रों में अचानक पत्थर और चट्टानें गिरने की घटनाओं को देखते हुए इस मार्ग पर सफर करने वाले लोगों से सावधानी बरतने की अपील की गई है।

जड्डू कुलज्यार स्कूल में गणित प्रवक्ता और क्लर्क के पद खाली

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। झंडूता उपमंडल के अंतर्गत राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला जड्डू कुलज्यार में गणित प्रवक्ता और क्लर्क के पद लंबे समय से रिक्त होने से विद्यार्थियों और शिक्षकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्कूल प्रबंधन समिति के नवनियुक्त प्रधान मलकीत सिंह ने सरकार से दोनों पदों को जल्द भरने की मांग की है। एसएमसी प्रधान ने बताया कि विद्यालय में करीब चार माह से गणित प्रवक्ता का पद खाली है, जबकि क्लर्क का पद करीब एक वर्ष से रिक्त चल रहा है। क्लर्क का काम भी स्कूल के शिक्षकों को ही संभालना पड़ रहा है। इससे शिक्षकों पर कार्यालय संबंधी कार्यों का अतिरिक्त बोझ पड़ रहा है और उनके नियमित शिक्षण कार्य पर भी असर पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि गणित महत्वपूर्ण विषय है और प्रवक्ता का पद खाली होने से विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है। लंबे समय से नियमित अध्यापन नहीं होने के कारण विद्यार्थियों को परीक्षा की तैयारी में भी दिक्कतें आ रही हैं।

घुमारवीं की 63 पंचायतों में कर्मचारियों की कमी

धीमे पड़े मनरेगा व विकास कार्य, प्रधानों ने रिक्त पद भरने की उठाई मांग

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। कर्मचारियों की भारी कमी के चलते ग्रामीण विकास कार्यों की रफ्तार धीमी पड़ने लगी है। अंबेडकर भवन घुमारवीं में ग्राम पंचायत औहर के प्रधान देश राज शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित नवनियुक्त पंचायत प्रधानों की बैठक में यह मुद्दा प्रमुखता से उठाया गया।

पंचायत प्रतिनिधियों ने कहा कि कर्मचारियों की कमी के कारण पंचायतों के रोजमर्रा के कामकाज के साथ-साथ विकास योजनाओं को धरातल पर उतारने में भी भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। कर्मचारियों पर अतिरिक्त कार्यभार होने से ग्रामीणों के जरूरी कार्यों में भी देरी हो रही है। प्रधान देश राज शर्मा ने बताया कि विकास खंड घुमारवीं में कुल 63 ग्राम पंचायतें हैं, जबकि वर्तमान में केवल 45 पंचायत सचिव कार्यरत हैं। ऐसे में कई सचिवों को दो-दो पंचायतों का कार्यभार संभालना पड़ रहा है।

तकनीकी सहायकों और ग्राम रोजगार सेवकों की स्थिति भी चिंताजनक है। पूरे विकास खंड में केवल 11 तकनीकी सहायक और 11 ग्राम रोजगार सेवक तैनात हैं। एक-एक कर्मचारी को पांच से छह पंचायतों का जिम्मा संभालना पड़ रहा है। अतिरिक्त कार्यभार के कारण मनरेगा, तकनीकी अनुमोदन और विभिन्न निर्माण कार्यों की गति प्रभावित हो रही है। पंचायत प्रधानों ने मुख्यमंत्री, पंचायतीराज मंत्री, मुख्य सचिव, डीसी बिलासपुर, जिला पंचायत अधिकारी और जिला लोकपाल से मामले में शीघ्र हस्तक्षेप करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि सभी 63 पंचायतों में आवश्यकतानुसार रिक्त पदों को जल्द भरा जाए, ताकि ग्रामीण विकास कार्यों में तेजी लाई जा सके और लोगों को समय पर सुविधाएं मिल सकें।

अमेजॉन फ्रेश से जुड़े हमीरपुर के किसान, सफल रहा पहला ट्रायल

अनिल कुमार, भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। डिजिटल मार्केटिंग के इस युग में हमीरपुर के किसानों को भी अमेजॉन फ्रेश जैसे अंतरराष्ट्रीय ब्रांड के साथ जोड़कर उनकी उपज को अच्छे दाम उपलब्ध करवाने के लिए जिला प्रशासन के प्रयासों के उत्साहजनक परिणाम सामने आने लगे हैं।

उपायुक्त गंधर्वा राठौड़ ने बताया कि जिला प्रशासन ने अमेजॉन फ्रेश से संपर्क किया था और कंपनी के अधिकारियों से जिला हमीरपुर के किसानों की उपज को बाजार उपलब्ध करवाने की संभावनाएं तलाशने का आग्रह किया था। गंधर्वा राठौड़ ने बताया कि इन प्रयासों के परिणामस्वरूप अमेजॉन फ्रेश ने हमीरपुर के किसानों की उपज को बाजार में उतारने का सफल ट्रायल किया है। उन्होंने बताया कि हमीरपुर के किसानों द्वारा उगाई गई भिंडी, करेला , खीरा और अन्य सब्जियों की पहली खेप सोलन स्थित अमेजॉन फ्रेश के रिटेल स्टोर में भेजी गई थी। यह खेप प्राप्त होने के बाद अमेजॉन फ्रेश ने 3 घंटे के भीतर ही किसानों को लगभग चार हजार रुपए की पेमेंट भी कर दी है। डीसी ने बताया कि अभी आफ सीजन में कम उत्पादन होने के कारण अगला ट्रायल अक्तूबर में किया जाएगा और किसानों की उपज को बड़े पैमाने पर अमेजॉन फ्रेश को भेजा जाएगा। उन्होंने कहा कि किसानों की उपज की बेहतर मार्केटिंग करके इन्हें बाजार में अच्छे दाम उपलब्ध करवाए जा सकते हैं। इसके लिए डिजिटल मार्केटिंग और अमेजॉन फ्रेश जैसे अंतरराष्ट्रीय ब्रांड से जुड़ना बहुत आवश्यक है। इसी के मद्देनजर जिला प्रशासन ने एक विशेष पहल करते हुए जिला के किसानों को अमेजॉन फ्रेश से जोड़ने का सफल प्रयास किया है। इसका पहला ट्रायल काफी सफल रहा है। जिला के किसानों की उपज को बाजार में बेहतर दाम उपलब्ध करवाने की दिशा में यह ट्रायल मील का पत्थर साबित हो सकता है।

परेशानी प्रदेश में फिर सक्रिय हुआ मानसून, सिरमौर में बांध से पानी छोड़े जाने पर अलर्ट

149 सड़कें अवरुद्ध, नदी-नाले उफान पर

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश में मानसून फिर सक्रिय है। शनिवार रात और रविवार सुबह कई हिस्सों में हुई भारी बारिश से नदी-नाले उफान पर हैं और भूस्खलन से यातायात प्रभावित हुआ है। मंडी में पिछले आठ घंटे से मूसलाधार बारिश का दौर जारी है। हमीरपुर, कुल्लू, चंबा और शिमला में भी बारिश हुई है। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र के अनुसार प्रदेश में भूस्खलन के कारण 149 सड़कें अवरुद्ध हैं।

सबसे ज्यादा असर मंडी जिले में है, जहां 86 सड़कें बंद हैं। कुल्लू में 31, शिमला में 10 तथा चंबा और कांगड़ा में आठ-आठ सड़कें अवरुद्ध हैं। मंडी-कुल्लू मार्ग पर कटौला-कामांद सड़क कांधी के पास भूस्खलन के कारण बंद है। मंडी-पठानकोट मार्ग पर उरला के पास सुरक्षा दीवार गिरने से यातायात एक तरफ से चलाया जा रहा है। चंडीगढ़-मनाली राष्ट्रीय राजमार्ग पर सात मील, जलेगी और दवाड़ा में बारिश के दौरान पहाड़ से पत्थर गिरने की आशंका को देखते हुए एहतियात के तौर पर बारिश के समय यातायात रोका जा रहा है। मार्ग पर यातायात फिलहाल सुचारु है और मलबा हटाने के लिए भारी मशीनरी तैनात की गई है। पिछले 24 घंटों में मंडी में 111.6 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई, जो प्रदेश में सबसे अधिक है। कांगड़ा में 89.0, सुंदरनगर में 71.0, बग्गी में 57.1, पंडोह में 53.2, मुरारी देवी में 50.0, पालमपुर में 46.4, पांवटा साहिब में 46.2, गोहर में 42.0 और जोगिंदरनगर में 38.0 मिलीमीटर बारिश हुई। मंडी में बीती रात से लगातार तेज बारिश हो रही है। कुल्लू जिले में भी रात से रुक-रुककर बारिश जारी है। सुबह कुल्लू में बारिश हुई। चंबा में भी बारिश का दौर बना हुआ है। हमीरपुर में सुबह हल्की बारिश हुई और शिमला में भी सुबह बारिश दर्ज की गई।

बारिश के कारण कई नदी-नाले उफान पर हैं। सिरमौर जिले में गिरि जटोंन बांध से पानी छोड़े जाने के बाद मैदानी इलाकों के लिए अलर्ट जारी किया गया है। प्रशासन ने लोगों से नदी-नालों के आसपास जाने से बचने और स्थिति पर नजर रखने की अपील की है। बारिश से बिजली और पेयजल व्यवस्था भी प्रभावित हुई है। प्रदेश में 60 बिजली ट्रांसफार्मर और 35 पेयजल योजनाएं ठप हैं। मंडी में सबसे ज्यादा 25 ट्रांसफार्मर बंद हैं, जबकि हमीरपुर में 30 पेयजल योजनाएं प्रभावित हुई हैं। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार 24 अगस्त को छिटपुट बारिश, 25 से 27 अगस्त तक अलग-अलग स्थानों पर बारिश और 28 तथा 29 अगस्त को भी छिटपुट बारिश का पूर्वानुमान है। 24 से 29 अगस्त तक भारी, बहुत भारी या अत्यधिक भारी बारिश की कोई चेतावनी जारी नहीं की गई है। राज्य में 30 जून से शुरू हुए मानसून सीजन में बारिश से जुड़े हादसों में अब तक 224 लोगों की मौत हो चुकी है। इस दौरान 90 मकान पूरी तरह ध्वस्त हुए हैं, जबकि 376 मकानों को आंशिक नुकसान पहुंचा है। राज्य में चल और अचल संपत्ति को करीब 1,121 करोड़ रुपए का नुकसान होने का आकलन है।

कोहीं के लिंक रोड की मरम्मत के लिए करेंगे बजट का प्रावधान, बस सेवा भी शुरू की जाएगी : सुनील

अनिल कुमार, भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। राजनीतिक सलाहकार सुनील शर्मा बिट्टू ने ग्राम पंचायत बफड़ीं के गांव कोहीं का दौरा कर स्थानीय लोगों की समस्याएं सुनीं और इनके अतिशीघ्र निवारण के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए।

◆कहा- महिला मंडल के लिए किया जाएगा अतिरिक्त कमरे का निर्माण

सुनील शर्मा बिट्टू ने कहा कि गांव कोहीं के संपर्क मार्ग की मरम्मत बरसात के बाद की जाएगी और इसके लिए धनराशि का प्रावधान किया जाएगा । बोहनी-छियोड़ीं- कोहीं -गुदवीं रूट पर एचआरटीसी बस सेवा शुरू की जाएगी। उन्होंने कहा कि गांव के महिला मंडल के लिए अतिरिक्त कमरे का निर्माण किया जाएगा। सुनील शर्मा बिट्टू ने कहा कि आम लोगों की समस्याओं का समाधान प्रदेश सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि यह हमारे लिए गौरव की बात है कि मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू जिला हमीरपुर से संबंध रखते हैं और वह अपने जिले के लिए कई बड़ी योजनाएं मंजूर कर रहे हैं। इससे पहले, कोहीं पहुंचने पर गांववासियों ने सुनील शर्मा बिट्टू का गर्मजोशी के साथ स्वागत किया। इस अवसर पर पंचायत सदस्य राजकुमार, महिला मंडल प्रधान चंपा देवी, पूर्व महिला मंडल प्रधान कमला देवी, जनक सिंह, ओंकार चंद, शक्ति चंद, पुरुषोत्तम ठाकुर, विमला देवी, रविंद्र ठाकुर, सुमन कुमार, संतोष कुमार और अन्य गणमान्य लोग भी उपस्थित थे।

रोसेला फियामिंगो का बेहतरीन अंदाज

रोसेला फियामिंगो इटली की प्रसिद्ध तलवारबाजी खिलाड़ी हैं। कैटानिया में जन्मी फियामिंगो ने ओलंपिक में शानदार प्रदर्शन कर अपनी पहचान बनाई। उन्होंने तलवारबाजी में ओलंपिक पदक जीतकर देश का गौरव बढ़ाया। उनकी मेहनत, तकनीक, अनुशासन और निरंतर अभ्यास ने उन्हें विश्वस्तरीय खिलाड़ी बनाया।

श्रीलंका के खिलाफ पडिक्कल का लगातार दूसरा टेस्ट शतक

कप्तान शुभमन गिल की फिफ्टी, लाहिरू की गेंद से घायल पंत पवेलियन लौटे, पहले दिन भारत का स्कोर 300/5

एजेंसी, कोलंबो

भारत ने श्रीलंका के खिलाफ दूसरे टेस्ट के पहले दिन 5 विकेट पर 300 रन बनाए। रविवार को स्टंप्स पर ध्रुव जुरेल 7 और सारांश जैन 4 रन पर नाबाद लौटे। कोलंबो के सिंहलीज स्पोर्ट्स क्लब में स्टंप्स होने से ठीक पहले रवींद्र जडेजा 43 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें असिथा फर्नांडो ने इनस्विंग बॉल पर बोल्ड कर दिया। देवदत्त पडिक्कल (117 रन) ने शतक लगाया। उन्होंने लगातार दूसरे टेस्ट में शतकीय पारी खेली। उन्होंने पहले टेस्ट की पहली पारी में 167 रन बनाए थे। कप्तान शुभमन गिल ने 50 रन बनाए। केएल राहुल 18 और यशस्वी जायसवाल 45 रन बनाकर आउट हुए। ऋषभ पंत 3 रन पर रिटायर्ड हर्ट हुए। असिथा फर्नांडो ने 3 विकेट लिए।

गिल-पडिक्कल के बीच शतकीय साझेदारी

गिल ने भी बेहद आत्मविश्वास के साथ बल्लेबाजी की। बाएं हाथ के स्पिनर प्रभात जयसूर्या की गेंद पर उनका शॉर्ट आर्म पुल दर्शनीय रहा। वह हालांकि चाय से ठीक पहले एकाग्रता गंवा बैठे और फर्नांडो की गेंद पर विकेटकीपर निरोशन डिकवेला को कैच दे बैठे। पडिक्कल और गिल ने तीसरे विकेट के लिए शतकीय साझेदारी करके भारत को पहले सत्र में लोकेश राहुल और जायसवाल के विकेट गंवाने के झटकों से उबारा।

पडिक्कल ने जीवनदान मिलने का उठाया पूरा फायदा

पडिक्कल की शुरुआत सहज नहीं रही थी। जब उन्होंने खाता भी नहीं खोला था तब कुमारा की गेंद पर सोनल दिनुशा प्वाइंट पर उनका कैच लपकने में नाकाम रहे। पडिक्कल एक रन के निजी स्कोर पर भी भाग्यशाली रहे जब श्रीलंकाई कप्तान धनंजय डिसिल्वा ने नुवानथा की गेंद पर बैकवर्ड प्वाइंट पर उनका आसान कैच टपका दिया। पडिक्कल ने इन जीवनदान का पूरा फायदा उठाया और लय में आने के बाद श्रीलंकाई गेंदबाजों के खिलाफ कुछ आकर्षक शॉट खेले। कुमारा की गेंद पर लगाया गया उनका जोरदार पुल शॉट पारी के आकर्षण में से एक रहा। इसी शॉट के साथ उन्होंने 90 गेंदों में अर्धशतक पूरा किया।

ऑस्ट्रेलिया ने बांग्लादेश को दूसरे टेस्ट में पारी और 51 रन से हराया

स्टार्क ने पहली पारी में 6 और दूसरी में 4 विकेट लिए, सीरीज 1-1 से बराबर

एजेंसी, मैके

मिचेल स्टार्क की घातक गेंदबाजी के दम पर ऑस्ट्रेलिया ने मैके के ग्रेट बैरियर रीफ एरीना में खेले गए दूसरे टेस्ट में रविवार को बांग्लादेश को पारी और 51 रन से करारी शिकस्त दी। इस जीत के साथ ऑस्ट्रेलिया ने दो मैचों की टेस्ट सीरीज 1-1 से बराबर कर ली। बांग्लादेश ने पहला टेस्ट नौ विकेट से जीता था, लेकिन दूसरे मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया ने पूरी तरह दबदबा बनाए रखा। मिचेल स्टार्क ऑस्ट्रेलिया की जीत के सबसे बड़े नायक रहे। उन्होंने दूसरे मैच में कुल 10 विकेट चटकाए और उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। स्टार्क को सीरीज में उनके शानदार प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द सीरीज का पुरस्कार भी मिला। उन्होंने दो मैचों में कुल 12 विकेट अपने नाम किए।

बांग्लादेश की ओर से कप्तान नजमुल हुसैन शांतो ने सर्वाधिक 31 रन बनाए, जबकि मुशफिकुर रहीम 29 रन बनाकर नाबाद रहे। इन दोनों के अलावा कोई भी बल्लेबाज 10 रन के आंकड़े तक

भी नहीं पहुंच सका। ऑस्ट्रेलिया के लिए दूसरी पारी में स्टार्क ने चार विकेट लिए, जबकि कप्तान पैट कमिंस और नाथन लियोन ने तीन-तीन बल्लेबाजों को पवेलियन भेजा। इससे पहले बांग्लादेश की पहली पारी महज 64 रन पर सिमट गई थी। टीम की शुरुआत इतनी खराब रही कि 21 रन के स्कोर तक उसके छह विकेट गिर चुके थे। शीर्ष छह बल्लेबाजों में चार तो खाता भी नहीं खोल सके। निचले क्रम के बल्लेबाजों ने किसी तरह टीम को 64 रन तक पहुंचाया।

ऑस्ट्रेलिया की ओर से मिचेल स्टार्क ने पहली पारी में छह विकेट चटकाए, जबकि पैट कमिंस ने तीन और जोश हेजलवुड ने एक विकेट लिया।

महज दो दिन में हो गया दूसरे टेस्ट का फैसला

दूसरे टेस्ट का फैसला महज दो दिन में हो गया। रविवार को दूसरे दिन ऑस्ट्रेलिया ने आठ विकेट पर 165 रन से अपनी पारी आगे बढ़ाई और 210 रन पर ऑलआउट हो गई। इस तरह उसे पहली पारी में बांग्लादेश के खिलाफ 146 रन की महत्वपूर्ण बढ़त मिली। ऑस्ट्रेलिया की ओर से कैमरन ग्रीन ने 105 गेंदों में सर्वाधिक 67 रन बनाए। स्टीव स्मिथ ने 42, नाथन लियोन 32 और ट्रेविस हेड ने 22 रन का योगदान दिया। बांग्लादेश के लिए शोरिफुल इस्लाम ने सात विकेट झटके, जबकि तस्कीन अहमद, तैजुल इस्लाम और मेहदी हसन मिराज ने एक-एक विकेट हासिल किया। 146 रन से पिछड़ने के बाद दूसरी पारी में बल्लेबाजी करने उतरी बांग्लादेश की टीम एक बार फिर ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाजी के सामने बेबस नजर आई। पूरी टीम 38.3 ओवर में महज 95 रन पर सिमट गई और उसे पारी तथा 51 रन से हार का सामना करना पड़ा।

बैडमिंटन वर्ल्ड चैंपियनशिप में त्रिसा-गायत्री को ब्रॉन्ज मेडल

एजेंसी, नई दिल्ली

भारत की त्रिसा जॉली और गायत्री गोपीचंद को बैडमिंटन वर्ल्ड चैंपियनशिप में ब्रॉन्ज मेडल मिला है। यह जोड़ी शनिवार को विमेंस डबल्स का सेमीफाइनल हार गई। उन्हें वर्ल्ड नंबर-1 जोड़ी चीन की लियू शेंग शू और टैन निंग ने 18-21, 21-13, 21-8 से हराया। नई दिल्ली के इंदिरा गांधी स्टेडियम में एक घंटे 11 मिनट तक चले इस मैच में भारतीय जोड़ी ने पहला गेम जीत लिया। लेकिन, बाकी को दो गेम गंवा बैठी। भारत को 15 साल बाद विमेंस डबल्स कैटेगरी में मेडल मिला है। इससे पहले 2011 में ज्वाला गुट्टा और अश्विनी पोनप्पा की जोड़ी ने ब्रॉन्ज दिलाया था।

15 साल बाद विमेंस डबल्स में मेडल आया, गोपीचंद बोले- 'मुझे दोनों पर गर्व'

दोनों वर्ल्ड चैंपियनशिप के मेडल विनर क्लब में शामिल

त्रिसा जॉली और गायत्री गोपीचंद उन चुनिंदा भारतीय खिलाड़ियों के क्लब में शामिल हो गई, जिन्होंने वर्ल्ड चैंपियनशिप के पोडियम पर जगह बनाई है। गायत्री ने कहा, 'उस क्लब में शामिल होकर मुझे बहुत खुशी हो रही है। अभी लंबा सफर बाकी है। यह सिर्फ शुरुआत है। हमें इस सफलता को आत्मविश्वास के साथ आगे ले जाना है।'

न्यूज शॉर्ट्स

वैभव सूर्यवंशी दलीप ट्रॉफी डेब्यू में 8 रन पर आउट, 2 चौके लगाए

एजेंसी, बेंगलुरु। वैभव सूर्यवंशी दलीप ट्रॉफी डेब्यू में 8 रन बनाकर आउट हो गए। ईस्ट जोन की ओर से खेल रहे 15 साल के वैभव ने 6 गेंदों में 2 चौके लगाए। बेंगलुरु के बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में ईस्ट जोन और नॉर्थ ईस्ट जोन के बीच क्वार्टर फाइनल खेला जा रहा है। दलीप ट्रॉफी में 6 जोन की टीमें हिस्सा लेती हैं। इनमें ईस्ट, नॉर्थ ईस्ट, सेंट्रल, वेस्ट, साउथ और नॉर्थ जोन शामिल हैं। वैभव ने लगातार दो गेंदों पर चौके लगाए। पहला चौका फ्लिक से मिडविकेट की ओर आया। अगली गेंद पर उन्होंने तेज कट शॉट लगाकर बाउंड्री हासिल की। इसके बाद एक डॉट बॉल खेली। अगली गेंद पर उन्होंने बिश्वोरजीत कोंथौजम के खिलाफ बड़ा शॉट खेलने की कोशिश की। गेंद बल्ले का किनारा लेकर स्लिप में गई। यहां जोसेफ लालथनखुमा ने कैच पकड़ लिया। नॉर्थ ईस्ट जोन ने ईस्ट जोन के खिलाफ टॉस जीतकर बॉलिंग चुनी। वैभव के बाद अभिमन्यु ईश्वरन भी ज्यादा देर नहीं टिक सके। वह 15 रन बनाकर एलबीडब्ल्यू आउट हुए। इसके साथ ही ईस्ट जोन के दोनों ओपनर 25 रन के स्कोर तक पवेलियन लौट गए।

विश्व चैंपियनशिप जीतने वाली गिकेल डेलर्यू की जोड़ी फ्रांस की पहली जोड़ी

एजेंसी, नई दिल्ली। फ्रांस की थॉम गिकेल और डेलफिन डेलर्यू की जोड़ी ने विश्व नंबर एक फेंग यान झे और हुआंग डोंग पिंग जोड़ी को हराकर विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप के मिश्रित युगल का खिताब जीतते हुए इतिहास रच दिया। गिकेल और डेलर्यू की जोड़ी मिश्रित युगल में विश्व चैंपियनशिप का स्वर्ण पदक जीतने वाली फ्रांस की पहली जोड़ी बन गयी। विश्व की पांचवें नंबर की फ्रांस की जोड़ी ने रोमांचक फाइनल में चीन की जोड़ी को 22-20, 19-21, 21-15 से मात दी। एक घंटे 18 मिनट चले मुकाबले में जीत के साथ गिकेल और डेलर्यू ने अपने करियर का सबसे बड़ा खिताब हासिल किया।

फाजिल्का फाल्कन्स की कप्तानी को लेकर शुभमन गिल काफी उत्साहित

एजेंसी, चंडीगढ़। शेर-ए-पंजाब टी20 लीग में हिस्सा ले रही फाजिल्का फाल्कन्स की कमान संभालने को लेकर भारतीय क्रिकेटर शुभमन गिल खासे उत्साहित हैं। उन्होंने टीम में युवा और प्रतिभाशाली खिलाड़ियों के साथ खेलने को लेकर कहा कि यह टूर्नामेंट उनके लिए भी सीखने और अनुभव साझा करने का शानदार मौका होगा। शेर-ए-पंजाब टी20 लीग की शुरुआत 30 अगस्त से चंडीगढ़ के आई.एस. बिंद्रा स्टेडियम में होगी। खिताब के लिए छह टीमें आमने-सामने होंगी, जिसमें पंजाब के कई होनहार युवा क्रिकेटरों को अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका मिलेगा। फाजिल्का फाल्कन्स की कप्तानी भारतीय क्रिकेट टीम के टेस्ट एवं वनडे कप्तान शुभमन गिल करेंगे। कप्तानी और टीम को लेकर शुभमन गिल ने एक बयान में कहा कि मैं फाजिल्का फाल्कन्स की कप्तानी करने को लेकर बहुत उत्साहित हूं। हमारे पास प्रतिभाशाली और रोमांचक खिलाड़ियों का समूह है। मैं टीम के साथ काम करने और सभी के साथ मिलकर खेलने को लेकर उत्सुक हूं।'

मैच के दौरान पुर्तगाली फुटबॉलर क्यूविन कास्त्रो मैदान में गिरे, मौत

एजेंसी, लिस्बन। पुर्तगाल के 25 साल के फुटबॉलर क्यूविन कास्त्रो की मैच के दौरान मैदान पर गिरने के बाद मौत हो गई। वह शनिवार को लिस्बन में प्री-सीजन फ्रेंडली मैच खेल रहे थे। इस घटना के बाद मैच स्थगित कर दिया गया। लिस्बन फुटबॉल एसोसिएशन ने उनके निधन की पुष्टि की। कास्त्रो पुर्तगाल में चौथे डिवीजन की लीग में खेलने वाली टीम रियल स्पोर्ट क्लब का हिस्सा थे। मुकाबला एस्ट्रेला डि अमाडोरा नाम की टीम से हो रहा था। कास्त्रो मैच के 22वें मिनट में मैदान पर गिर पड़े। उनके गिरने के बाद मेडिकल टीम ने तुरंत इलाज शुरू किया। उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां उनकी मौत की पुष्टि हुई। कुछ रिपोर्ट्स के मुताबिक, मैदान पर उन्हें बिजली का झटका देकर होश में लाने की कोशिश भी की गई। क्यूविन कास्त्रो की 25 साल की उम्र में मौत हो गई। लिस्बन फुटबॉल एसोसिएशन ने इसकी पुष्टि की।

ओम पटेल-दीपशिखा ने जीते यूनीफाई आईटीएफ जूनियर टेनिस कप खिताब

एजेंसी, चेन्नई। पांचवीं वरीयता प्राप्त ओम पटेल और शीर्ष वरीयता प्राप्त दीपशिखा विनयागमूर्ति ने रविवार को यहां यूनीफाई-आईटीएफ जूनियर टेनिस कप में क्रमशः लड़कों और लड़कियों के वर्ग के एकल खिताब जीते। दीपशिखा ने संयमित प्रदर्शन करते हुए सविता भुवनेश्वरन को सीधे सेटों में हराया जबकि पांचवीं वरीयता प्राप्त ओम पटेल ने करीब दो घंटे चले रोमांचक मुकाबले में ओम वर्मा को 1-6, 6-3, 6-1 से हराकर खिताब अपने नाम किया। लड़कियों के एकल फाइनल में शीर्ष वरीय दीपशिखा ने सविता को 6-4, 6-3 से हराया। उन्होंने पिछले सप्ताह जूनियर राष्ट्रीय चैंपियनशिप का खिताब जीतने के बाद लगातार दूसरे सप्ताह ट्रॉफी अपने नाम की।

रूस की वायु रक्षा प्रणालियों ने 12 घंटे में यूक्रेन के 250 ड्रोन किए नष्ट

एजेंसी, मॉस्को। रूस के रक्षा मंत्रालय ने कहा है कि उसकी वायु रक्षा प्रणालियों ने 12 घंटों के भीतर यूक्रेन के 250 ड्रोन को नष्ट कर दिया। मंत्रालय के अनुसार, शनिवार सुबह 8 बजे से शाम 8 बजे (मॉस्को समय) के बीच रूसी एयर डिफेंस सिस्टम ने मॉस्को समेत 19 इलाकों में 250 यूक्रेनी फिक्स्ड-विंग ड्रोन मार गिराए। इसके अलावा, मॉस्को के मेयर सर्गेई सोब्यानिन ने बताया कि पिछले एक सप्ताह में मॉस्को क्षेत्र की ओर उड़ान भरने वाले ड्रोन की संख्या 2,600 से अधिक रही है। उन्होंने कहा कि इनमें से ज्यादातर ड्रोन शहर से दूर बाहरी इलाकों में ही वायु रक्षा प्रणालियों की ओर से निष्क्रिय कर दिए गए। मेयर के अनुसार, मॉस्को की ओर आते समय कुल 493 ड्रोन नष्ट किए गए। इससे पहले शुक्रवार को रूसी रक्षा मंत्रालय ने कहा था कि रूसी सेना ने पिछले एक सप्ताह में 11 बस्तियों पर कब्जा किया और यूक्रेनी सेना के खिलाफ एक बड़े और नौ सामूहिक हमले किए। मंत्रालय के मुताबिक, ये 11 बस्तियां खारकीव, डोनबास और जापोरिज्जिया क्षेत्रों में स्थित हैं। रूसी हमलों का निशाना यूक्रेन के रक्षा उद्योग से जुड़े प्रतिष्ठान, लॉजिस्टिक्स हब, ऊर्जा और परिवहन ढांचा, जमीनी रोबोटिक सिस्टम बनाने वाली इकाइयां, ड्रोन निर्माण केंद्र और उनसे जुड़े अन्य संयंत्र थे।

अगस्त के पहले तीन सप्ताह में एफपीआई ने किया 20,802 करोड़ का निवेश

जून-जुलाई के बाद अगस्त में भी एफपीआई की खरीदारी जारी

एजेंसी, नई दिल्ली

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने भारतीय पूंजी बाजार में अगस्त के पहले तीन सप्ताह के दौरान 20,802 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश किया है। केंद्रीय डिपॉजिटरी सेवा के आंकड़ों के अनुसार विदेशी निवेशकों की खरीदारी में सबसे बड़ा योगदान इक्विटी क्षेत्र का रहा। अगस्त में एफपीआई ने इक्विटी में 23,544 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश किया, जबकि म्यूचुअल फंड में भी उनका निवेश 50 करोड़ रुपये बढ़ा। इसके विपरीत डेट साधनों में 226 करोड़ रुपये की शुद्ध बिकवाली दर्ज की गई और हाइब्रिड उपकरणों से एफपीआई ने 2,566 करोड़ रुपये की निकासी की।

अगस्त का निवेश रुख महत्वपूर्ण इसलिए माना जा रहा है क्योंकि यह लगातार तीसरा महीना है जब विदेशी निवेशक भारतीय पूंजी बाजार में शुद्ध खरीदार बने हैं।

अगस्त में विदेशी निवेशकों ने बदला रुख

हालांकि, वर्ष 2026 में अब तक एफपीआई का कुल रुख अभी भी बिकवाली वाला बना हुआ है। आंकड़ों के मुताबिक जनवरी से अब तक विदेशी निवेशकों ने भारतीय बाजार से 1,52,040 करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी की है। इसमें इक्विटी बाजार से अकेले 2,30,529 करोड़ रुपये निकाले गए हैं। दूसरी ओर डेट और म्यूचुअल फंड में विदेशी निवेश सकारात्मक रहा है, जबकि हाइब्रिड साधनों में शुद्ध निकासी दर्ज की गई है। अगस्त में बढ़ी खरीदारी को भारतीय बाजार के प्रति विदेशी निवेशकों के बदलते रुख के संकेत के तौर पर देखा जा रहा है। इक्विटी में 23,544 करोड़ रुपये का निवेश बताता है कि विदेशी निवेशकों ने शेयर बाजार में दोबारा रुचि दिखाई है। हालांकि, वैश्विक आर्थिक परिस्थितियां, विदेशी बाजारों की चाल, ब्याज दरों और मुद्रा विनिमय दरों जैसे कारक आगे भी निवेश की दिशा को प्रभावित कर सकते हैं।

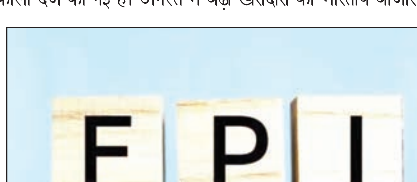

असम में बाढ़ का प्रभाव 78 गांवों तक सिमटा

एजेंसी, गुवाहाटी। असम में बाढ़ से हालात बहुत हद तक सामान्य हो गए। बाढ़ का प्रभाव 6 जिलों के 78 गांवों तक सिमट गया है। सरकार नुकसान का आकलन कराने के लिए सर्वे करवा रही है। इस जिले में सबसे अधिक मकानों को नुकसान पहुंचा है। असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के 22 अगस्त के आंकड़ों के अनुसार सभी नदियां खतरे के निशान से नीचे बह रहीं है। बाढ़ में 106 लोगों की जान गई है। बाढ़ प्रभावित छह जिलों में शिवसागर, जोरहाट, धेमाजी, नगांव, कछार एवं गोलाघाट शामिल हैं। इन जिलों के 13 राजस्व मंडलों के कुल 78 गांव प्रभावित हैं। राज्य की कुल 12031 आबादी अभी भी प्रभावित है। 2994 हेक्टेयर कृषि भूमि पानी में डूबी हुई है। राहत शिविरों की संख्या भी घटकर पांच हो गई है। राहत वितरण केंद्र 6 हैं। शिविरों में 162 लोग आश्रय लिए हुए हैं।

चीनी एक सप्ताह में 777 रुपए महंगी, सरसों तेल 218 रुपए चढ़ा

एजेंसी, नई दिल्ली

घरेलू थोक जिंस बाजार में बीते सप्ताह खाद्य वस्तुओं के दामों में मिला-जुला रुख देखने को मिला। गुड़, चीनी, चावल, दालों और कई खाद्य तेलों की कीमतों में बढ़ोतरी हुई, जबकि गेहूं और आटे के भाव में नरमी दर्ज की गई। सप्ताह के दौरान गुड़ का औसत भाव 777 रुपये प्रति क्विंटल बढ़कर 5,570 रुपये पर पहुंच गया। वहीं चीनी की कीमत में भी 323 रुपये प्रति क्विंटल की तेजी दर्ज की गई।

चावल के भाव में 49 रुपये प्रति क्विंटल की बढ़ोतरी हुई और सप्ताहांत में इसकी औसत कीमत 4,105 रुपये प्रति क्विंटल रही। इसके विपरीत गेहूं 22 रुपये सस्ता होकर 2,838 रुपये प्रति क्विंटल पर आ गया। आटे के दाम में भी 12 रुपये की गिरावट दर्ज की गई और यह 3,310 रुपये प्रति क्विंटल बोला गया।

चीनी, तेल और दालें महंगी, गेहूं-आटा हुए सस्ते

दालों के बाजार में भी तेजी का असर रहा। चना दाल 106 रुपये और मसूर दाल 78 रुपये प्रति क्विंटल महंगी हुई। तुअर दाल के भाव में 17 रुपये और मूंग दाल में 14 रुपये की बढ़ोतरी हुई। हालांकि उड़द दाल 49 रुपये प्रति क्विंटल सस्ती हो गई। खाद्य तेलों में सरसों तेल का भाव सबसे अधिक बढ़ा और इसमें 218 रुपये प्रति क्विंटल की तेजी आई। सोया तेल 111 रुपये, मूंगफली तेल 85 रुपये और वनस्पति 37 रुपये महंगा हुआ। दूसरी ओर पाम तेल 84 रुपये तथा सूरजमुखी तेल 19 रुपये प्रति क्विंटल सस्ता रहा। बाजार के इस उतार-चढ़ाव का असर आने वाले दिनों में खुदरा कीमतों पर भी दिखाई दे सकता है।

सुरक्षा रक्षा मंत्री ने पश्चिम बंगाल में पांच परियोजनाओं का किया शिलान्यास, बोले-

भारत जहाज निर्माण का वैश्विक केंद्र बनने में सक्षम

एजेंसी, कोलकाता

भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को कहा कि भारत वैश्विक जहाज निर्माण केंद्र बनने में सक्षम है। उन्होंने पश्चिम बंगाल के कोलकाता से गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स (जीआरएसई) और यंत्र इंडिया लिमिटेड की पांच विस्तार परियोजनाओं की आधारशिला रखी। इस मौके पर पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी भी मौजूद रहे।

राजनाथ सिंह ने कहा कि पश्चिम बंगाल में करीब 3,500 करोड़ रुपये की लागत वाली पांच परियोजनाओं की आधारशिला रखी गई है। उन्होंने कहा, ''भारत वैश्विक जहाज निर्माण केंद्र बनने में सक्षम है। वैश्विक जहाज निर्माण उद्योग में एक खाली जगह बन रही है और भारत इस अवसर का लाभ उठा सकता है।'' इन परियोजनाओं में जीआरएसई की तीन और यंत्र इंडिया की दो परियोजनाएं शामिल हैं।

जहाजों की जरूरतों से बना मौका न गंवाएं

रक्षा मंत्री ने कहा कि पश्चिम बंगाल सरकार विकास के नए पुनर्जागरण की शुरुआत के लिए कदम उठाएगी। उन्होंने कहा, ''पश्चिम बंगाल में कारखानों के बंद होने और तालाबंदी की खबरों की जगह अब नई परियोजनाओं की शुरुआत की खबरों ने ले ली है।' राजनाथ सिंह ने कहा, ''हमारी सोच अब यह नहीं होनी चाहिए कि भारत को दुनिया से क्या खरीदना है। इसके बजाय हमें इस बात पर ध्यान देना चाहिए कि हम दुनिया को क्या दे सकते हैं। आप दो मौकों पर पहले ही जहाजों का निर्यात कर चुके हैं और कई मित्र देश अपनी नौसेना की जहाजों से जुड़ी जरूरतों के लिए भारत की ओर देख रहे हैं। हमें अपने सामने आए इस अवसर को गंवाना नहीं चाहिए।' उन्होंने कहा, ''हमारा लक्ष्य ऐसी गुणवत्ता हासिल करना होना चाहिए, जिस पर दुनिया भरोसा करे। ऐसी गुणवत्ता जो विश्वास पैदा करे, ऐसी कीमत जो दुनिया को हमें चुनने के लिए प्रेरित करे और ऐसे आपूर्ति मानक हों, जो ग्राहकों को दोबारा ऑर्डर देने के लिए प्रोत्साहित करें।

क्या बोले जीआरएसई के आला अधिकारी ?

जीआरएसई के एक आला अधिकारी ने बताया कि क्षमता विस्तार के तहत कंपनी ने हुगली नदी के दोनों किनारों पर दो छोटे शिपयार्ड के लिए श्यामा प्रसाद मुखर्जी पोर्ट, कोलकाता (एसएमपीके) के साथ लीज समझौते किए हैं। इसके अलावा रायचक में नदी किनारे 32 एकड़ जमीन भी ली गई है। उन्होंने कहा कि इन परियोजनाओं से युद्धपोतों के निर्माण और उनकी मरम्मत की क्षमता बढ़ाने में मदद मिलेगी। अधिकारी ने कहा, 'ये परियोजनाएं जीआरएसई की क्षमताओं को मजबूत करेंगी। साथ ही रोजगार के अवसर पैदा करने और सहायक उद्योगों, खासकर एमएसएमई के लिए अवसर बढ़ाकर पश्चिम बंगाल के औद्योगिक क्षेत्र को फिर से मजबूत करने में मदद करेंगी।'